131

ROYAL
ASIATIC
SOCIETY.

॥वंसावलीकबवाँहाकी

Kachwaha
Bansa

Pachisan Sn 31. 1819

126

संकलन by मोहर सिंह मीना

Scanned with OKEN Scanner

॥श्रीगणेशायनमः॥छप्पयछंद॥अठिनवरनमहिपाल
तासुनयसीघ्रनामहुव॥मरुमहीपफिरिनयउप्रसुत
भूपतहिसुव॥तिनसंसंहिग्रवनीसग्रमर्थनभोजगज
नहित॥महस्वानविखसाग्रोरुगनियैप्रसेनजित॥ता
केतनूजतच्चकज्ञगियज्ञासुव्रहद्बलसुछियउ॥ग्रनि
मन्युसमरनारतनिरतजोसनमुषचलिजुछियउ॥१॥
भयउव्रहद्रनभूपउरुक्रियवत्सवहिगनि॥प्रतिव्योम
फिरिभानुदिवाकरसहदेवहिभनि॥वीरव्रहद्रनभानु
मानतिनप्रतीकास्वहुव॥सुप्रतिकमरुदेवविदितक
हिसुनक्षत्रभुव॥पुष्करहिग्रंतरक्षहिसुनहुसुतपाग्रो
रुग्रमित्रजित॥तहंव्रहद्राजवरहीवहुरिजानिरुतंज
यलेहुचित॥२॥भूपरनंजयभयउजाहिसुतसंजयमानि
यमाकवहुरिसुद्योदलांगनप्रसेनजानिय॥छुद्रकरुन
कमहीपसुरथताकेसुमित्रसुव॥कूर्मिकक्षतहरुजम
ईजसमईनासुहुव॥गोतमनरेसनखरहनलढोला
लक्ष्मनराय फिरिगनिराजभोननवगदुलियउवज्र
धामग्वारियरगिरि॥३॥दोहा॥भोमकव्रह्मनरेसति
नामंगलरायभुवाल॥तासुतविक्रममूलयोतिनचौ
रासीपाल॥४॥चौपई॥प्रथमग्रनंगपालनहभयो॥
गदुग्रनंगतिनहीमिरमयो॥सूरजपालसुन्योफिरि
भूप॥सूरजकुंडरच्योग्रनुरूप॥५॥गनिसामंतपाल
ग्रवतारू॥जिनग्रीनगरुवसायोचारू॥भीमपाल
राजासुनिलीन॥वरसपचासराजत्यकीन॥६॥गंग
पालपरस्वारथचाल॥गंगोलावनवनवायोताल॥
कह्योमहंतपालतिनवीरा॥च्योमहदसागरवहुनीर
७॥राजपालकोप्रगट्योउदो॥राजकुंडवनवायोजुदो

संकलन by मोहर सिंह मीना
SOCIETY

संकलन by मोहर सिंह मीना

परमपालअरवरनिहसाइ दियोपदमपुरनिकटवसा
इ धनदानआनंदपालहुववरी आनंदितकीन्हीजिनपु
री वंसपालराजनिसिराज तिरपनवरसभोगयोरा
ज ९ विजैपालभोजनसुषदाइ चिसदविजैमंदिरूव
नवाइ कामपालराजासुनतही जाहिकामनांव्यापी
नही १० रहंपालअवनीकोईस राजकियोनिनवरसप
चीस चिसनपालनोहरिकेमन्क निसुदिनरहेक्रिया
अनुरक्त ११ धुंधपालनोअवनीगात वांधीधर्मपाल
छजाअवदात क्रसनपालपरस्वारथकाज कियोवि
रिसअचतालिसराज १२ जसुलोहंगयापालजगजणो
वरसतियालिसअवनीतणो भूमिपालकोनाषतलो
गानीसवरसनोवसुधाभोग १३ अजैपालगुनगुनिग
नगन्यो अजैमहलजिनहीतेंवन्यो अस्वपालसोनरप
नहिअकसेनुरिअठारहसेतिनवकसे १४ स्यामपाल
अरमुलकनसाई दियोस्यांमपुरनगरूचसाई अंगया
लसमजातनकह्यो तितिसवरसग्वारियरह्यो १५ स
हीवसंतपालगुनचाउ कियोवसंतपंचमीलाउ हस्त
पालिअवनीपुरहूत हस्तियवरतिनरचीअभूत १६
कामपालसुंदरनिमिकांम वत्तिसवरसराजअभिरांम
चंद्रपालसोअौरनगनी चंद्रपौरिजिनहीतेंवनी १७
गनिगोविंदपालरनदाह नपभोवीसवरिसअरू
आछउदेपालकीप्रभुतासही पचपनसालतसीलीम
ही १८ वंगमपालअपूरवकलो विजेवजासूवसायोम
लो रंगपालकोअरनहीवचो रंगमहलजिनहीहोरच्यो
रथ पुष्पपालसोभूपनवियो पुष्पदेतहाथीजिनदियो
हरीपालकेहोधनुघनो नाहीतेंहरिमंदिरूचन्यो २०
अमरपालअवनीजसुपद्यो ईंद्रहवरिसराजसुनिव
द्यो छत्रपालकेगुनगनकहे समतीसकालिसवन्यो

संकलन by मोहर सिंह मीना

राजवरसपैतालिसवन्यो॥नाकेसवनपालमहिपाल॥र
चोसवनियोदुरगविसाल॥२१॥धीजनपालद्वीरजकोधां
म॥वहुरिसुगंधपालयहनाम॥पदमपालकेलोननलेय
रुद्रपालपाल्योनिजदेस॥२३॥विनयपालकेविनयग्र
पार॥ग्रच्छपालजसउजलहार॥नैरोंपालविभूतिग्रनं
त॥स्हजपालपरस्वारथतंत॥२४॥देवपालनयहरवि
नहियो॥षंनसहसदेवालैकियो॥नपोत्रिलोचनपाल
विसाल॥तिनकेंवहुरिविलोचनपाल॥२५॥रसिकपाल
पालीरसरीति॥सरसपालकेप्रगटीनीति॥सुरतिपाल
सुभगजिमकामसुगुनपालडिढजान्योरांम॥२६॥ग्रतिम
तिन्नोग्रतिपालनरेस॥धनवांधीगजपालसुदेस॥कहि
जोगिंद्रगपालसंजमी॥मंजुपालकीहिम्मकमी॥२७॥र
नपालजलनिधिगंभीर॥स्यामपालजसउजलछीर॥
सतहरचंदपालहरचंद॥किसुनपालपुनिग्रानदकंद
२८॥सुन्योत्रिलोकपालतिहुलोक॥होधनपालधनदग्र
नवोकनपनषपालसमेनहिग्रांन॥पुनिप्रतापपालसु
वनान॥२९॥धर्मपालपाल्योवहुधर्म॥कियभूपालसदा
सुभकर्म॥पथ्वीपालभयोतिनपूत॥द्रढपालग्रवनीपुह
त॥३०॥गनिगिरपालगिरंगुनपढ्यो॥महीपालप्रिभूतोम
वढ्यो॥कर्नपालपुरुषार्थकर्नी॥स्वंगपालरोषतिनवर्नी
३१॥ग्रसिवमेटिभन्योसिवपाल॥मानपालजनकेनि
हाल॥विस्नुपालभोविस्नुसमांन॥परसपालसोभूपन
ग्रान॥३२॥रतनपालकेरतनग्रनंत॥होगुनपालसदा
गुनवंत॥वुधपालवढाएघने॥जोधासूरपालकेवनें॥
३३॥नोगंभीरपालगंभीर॥ग्ररजुनतेजपालगनितीर
सिंघपालरनवनसमहरी॥रोचकसिंघपवरज्यंहकरी॥
३४॥जनगनपालभोगुनपाल॥ग्यानहिग्यांनपालके
चाल॥३५॥दोहा॥ग्यानपालकेभोतवैकांहनिभूपतिठीक

संकलन by मोहर सिंह मीना

तिनहूकेप्रसिधनोराजादेवानीका॥३६॥देवानीकतनय
जनोईसिसिंघमहीप॥जासुजीतिवाजेश्रमितकहूंजंजं
बूदीप॥३७॥तिनपुछ्योपंडितनसों फेरिसहितसनमान
राजरहेजोथिरसदा॥किएकोनसोदीन॥३८॥कुंडलिया॥
पंडितयोंबोलेसर्वेहुतेजबुधिनिधान॥महाराजनिजदे
सतोकीजेसिगरोदान॥३९॥कीजेसिगरोदानलछिराषो
जनिरंचो॥यहेनिगमकीरीतिमानिलीजेमनसंचो॥इहे
निगमकीरीतिचहोनोराजश्रपंडित॥सोप्रसिधजगजे
रश्रोरचासोरनपंडित॥३९॥राजा॥दोहा॥राजसहितसं
पतिसकलाहमदेहश्रवताहि॥कोहेयाकेजोगपरिवा
हचतावोताहि॥४०॥पंडिता॥कुंडलिया॥दुजहेनाजनदो
नकेकेनांनेजबुलाई॥तिनकोंदीजेनेमसोंनिपतिपूजि
केंपाई॥निपतिपूजिकेपाइजाइरहियेकछुश्रनतें॥म
यहनिरधारवतावतबुधजननजुजेहि॥ज्योंश्रावश्रिवा
जवाजश्रावतज्योंदुजहि॥४१॥पुनराजा॥दूज्योकोंकरि
केवनेकेदुजकेमानेजु॥ईनमेएकनाषियेचाननोगना
नजु॥दोंनजोगिजानेजुताहिदीजेविधिकरिकें॥याही
वेरबुलाईद्येगिसुमहरतधरिकें॥याहीवेरबुलाईदरस
दरसेनहियुन्यों वेछत्रीवीराजवरनजेहिनवदनों॥४२
॥पुनिपंडिता॥धनतोदीजेपंडिताजमिजोगवेनाहि
परसरांमकोवचनुहे॥सोश्रायोउरमाहि सोश्रायोउ
रमोहिराजमोनेजनुकोहे॥वेछत्रीश्रस्वीरछाडिनानेनहिपनुतो समरु
जेलोहैं॥वेछत्रीश्रस्वीरछाडिनानेनहिपनुतो समरु
जातनिजगातघातघायनिगहिधनुतो॥४३॥राजाकें
दान॥महिपालविप्रबुलाई संकल्पकोहराई॥धनम
कलतिनकोंदीन॥ईमिदानमेचितलीना॥४४॥तिहेवे
रमेफिरिश्रास॥नानेजश्रायुयपास॥उच्चारनोमरकीन
सयग्वारियरगढदीन॥४५॥हेसातपरगनदीह॥वेलग
नजाहीसरीह॥तिनसहतकरसंकल्पनिजमानिमन

संकलन by मोहर सिंह मीना

मैं अलप ॥ ४८ ॥ ग्वालियर सोढा उ ॥ तनय ह्वव को उगांव ॥
निरलेप छै सब अंग ॥ जिमि नीरनी रज टंग ॥ ४७ ॥ कुंडलि
या ॥ इसी सिंघ महीप के सोढ भूम समत्थ ॥ दुलहराय
कुमार नोता के सुजस सुअकत्थ ॥ ना के सुजे सुअे कथ
हथ्थ धीरो कि रवाने ॥ सकतन को ऊ साधि सामु
हें संग रवाने ॥ सकतन को ऊ साधि त हां ममता
को दीसे ॥ मानत सिगरे अंनअंनअचनी के ईसे
४८ ॥ यों के दुलहराय सुनि तंवर के मन छोभ ॥ यां
मफेरि ग्वालियर को कर कहे जो लोभ ॥ कर कहे
जो लोभ हो य तो को न सहाई ॥ इह घरी मैं छी न दी
नकी व सुधा पाई ॥ इह घरी मैं छी नि त वे ह म कहो
कहां को लिष्यो सोढ को पत्र वचन मुख ल्यवा के
४९ ॥ लाजे वाही नांति सों दी न्हो हो य हरी ति ईसि
सिंघ बुलाइ कैं ह मे धर्म की प्रीति ॥ ह मे धर्म की
प्रीति वा न य ह सोची ना षन ॥ भोजन अरु च्यो हार
लाज राषे तैं छी जे ॥ त जो ह मारो दे सुन न तो म ता
हो ह गलाजो ॥ ५० ॥ सोढ को जुवा च ॥ संकत को मन
आपने तंवर विनही गणां ना दे सत्य गि करि हे सही
दूजो ह वे हो ना ॥ दूजो ह वे ह्वा न जानियो नि ह चे ना
ईचअे नि दई फिरल्यो जग तमें हो य चडाई ॥ चउ
नि दई फिरि ल्हे हि अचसु वरन लंकत ॥ किनो ग
वालियर देस त हो आए कहि संकत ॥ ५१ ॥ नरवर को
चढ गांउत जि पल मे मोढ नेरमा ॥ राजलोक सिगरे स
हित रहे पराये देस ॥ इहे पराये देस हुतो जु निदा रावरी
दुलहराय कुमार संग मन धीरज धारी ॥ दुलहराय कु
मारु हे सज्यो परिहरि सरवस ॥ जात घटे कुल कानि

संकलन by मोहर सिंह मीना

छंडिचलनोतवनरवर५४पचचौरेनेजीतवैपा
त्रीनृपलियाइजमीदारचोहांनजिनव्याहेदुलहं
राय॥व्याहेदुलहरायरातिएसीघ्रनिलाषत॥हमला
यकोउठौरहोयतोकरियेश्रारतासमएयहनां
तिकथाकीन्हीपवचारे५५छायकद्रोसारावर।
सुनियेनृपतिसोदश्राधहिमरेश्राधेमेंचडगुजरश्रे
नपोढ॥चडगुजरश्रनपोढमंत्रेश्रावेएसोगहियेके
काहूकेवियुश्राईताहीटिगरहियेकेकाहूकेवपु
मारिउनहीश्ररिघायकाहसदीन्हींनिनश्रंसनुहे
करनीयकलायका५४दोहा॥यहसुनिदुलहराए
कोतासमएफिरिनृपा५६छप्पयोद्रोसाश्रोरकीरका
रवानकोरूप॥५५छप्पै॥सजियसेनसमत्थराउ।
दुलहसकवंधिय॥करकमानसामंतवानयुरुषा
धेकधिय॥यकमयउपगरथनियकपुनिश्रस्ववा
रहुचदुरतदारमगमंसुमारनहिमरतमारमुव॥
निगहियधाइनरूपइमिचहलवृदपग्परनरिय
हिधियउकेनचितचेनमहिसुसेनहेनटपरपरि
य॥५६दिपतहिवरहरधिकरधिकघोलकरतकल
पगनपुहिमपरधरतमगनगिरिगगनवारिचल॥
सरिनइरिनवेहरिनपरिनवहिकरिनमोलियं॥
पुरिनघेलरवितुरिनहेलिचउधुरिनजासुविसपि
धियउपपयूरनपरमयीनपाइपानिनिपलिय ५७ च
लियकूंचदरकूंचहलियकुंडलियनारनर पटियधूर
सरसरितपूरिश्रंवरसहसकर श्रश्ररिसरोजसंकुचो
हिनासुनिरषतसुरूषससि दुलहसेनासहितचीचु
वासरिकितेकवसि डिंडिमउदग्रडंकानदियडहडहं
तडोलतडगर घनघंतकवरसमतानविपसुकियामि
लानद्रोसानगर ५८ चडगुजरचोहानउतहिसमतु
इमिकिज्जिय श्राइयत्र सुनियतपरियपवंगतासुहा।

सिल्ह किनुलिज्जिय ॥ ग्राइय तहांनसैन सैन वुलिय प्रचंड
तव ॥ हैनवांतव जिय मनिजुद्धि जिजेजाति मव ॥ सुनिसोढ
सुवेनुसेंकुधहुचवेदनपैष्यमेष्यहुचयनजियजामठोरु
हुदियमुलुकलुदियतुवकुदियनयुन ॥ पर्ष्यतरनिवंसत्र
वतंसधरनिपरपरनिविहंडन ॥ गनिगढधरगुमराहमहा
गज्जरतिनषंडन ॥ कटियसैनविकरालनालवंदियुलिज्जन
कहावचनवेगउद्धरियकुवहुलहउदारतहा ॥ सुजहुविसु
दनजुहुगरवजननसजहुचंधनगरहु तुजरउषारिनष्यहा
ग्रवहिवडमुज्जरउजरकरहु ॥ दो ॥ दोहा ॥ वडगुज्जरयहसु
नतहीपकसोकरचरहव्यहिन्यारेसोहांनगेसुमिरिपि
छिलीगत्थ ॥ छंदनुजंगप्रयात ॥ दोऊसंगिजुरउतेवड
गुज्जरहतकोरसोरसोरमारुत्रदोचढ्योवीरतोरचढ्यो
वीरतोरसंकुहसानेमहामेघसदृहसीवेगिजोतवे
तायसोतीषनीतेगधारीग्रनोषीलईकालरूपीकटारी ॥
कसीसोकसीतंकसीकमानेगहकेचरीकेवरीवेग्रमानै
षरेचायसोंतोवचीवेनिन्यारेघनेहैवनेसेहथीकोचवा
रियेकुंडिकुंडोगहेनुगनालोंपरीकंधरामेषरीचारुदा
लोंपवंगेपरीपसुवेरसुडिसोहैजिन्हेंदेषिकैंमत्तमातं
गकोहैकहांलोंकहोनोनईरीतिकोऊमुरेवित्तहैनाजु
रजंगदोऊहस्तोपैदीहदंगीतवैरवेग्रारावेग्रोरमचो
धूमधारातहांजहांजुहकीठोरजहांजुहकीठोरघोदी ॥
तरोपैनिरूपकेजोधकैरीतिगादीलषेचायसोचंडि
काचैनवादी ॥ उतेचेरिकंदलीन्हेगरूरेनईचायटं
कारतेसोनपूरेसुलेषगालेग्रगालेजंगमेतेकरूनलि
कैंनापरेपाईवैतेलरेन्नांतिपांहीसिपाहीघुनेरेतुरीमे
चढतेहनेंतोकितोहीरथीसोरथीवैरकीकीवानिवाही
करीकैधनीतेकरीग्रोरकोपेनहीसोहलेलोहलेग्रंग
तोपे ॥ ६३ ॥ कोटेकोपकरालउदलवडगुज्जरकेचाहिकुव
रकराचोलामहातहांतेजसोवाहितहांतेजसोवाहिकेवा

संकलन by मोहर सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

दवारी करी चोरहे का लकी डारदवारी चलाईतवेतोलकें
मांगिसोदी नुजावीमकोजेकेकं हदोईव नेवेघनेवा
हेतेकरनेजे कटेपारकी छदि केजेकरेंजे किराएमहास
सामंतकेते गनेजात कोपेपरे नमिएते गिरेहतुरीजेषु
गीकेकरेया गिरेसिंधुरोधुधुरोवेलरया पताकीगिरदु।
कछेकेंधनेरे गिरेवेलऊंटफिरेजेनकरे गिरीषचरेसं
चरेचीकाटेरहोआपुआपेगहेएककाटेदध नाली
देनाचोकरीचरमकपालीडारिवडगुजरकीदलहलई
जातिकेराजि लईजातिकेराजिनाहीघरीमें नचेनूतवे
तालकेंचेनुजामें नचीकालिकाजोगिनीजोरसेनाच
चीडाकनीनीमकोहारदेनी चंडाचलीनाचिकेंचीर
कोजे चलीजछिनीलछिनीसंकसाजे चलेगिदहेसि
हजेमेटनाथी चलेतेसवेंजेहिएसाठराथी चलीआर
तीधारिकेदेवनांहे महावीरव्याहोतिनेचाहिचाहो
नकोऊरहोतासमेंचलियाछें नयेयंघसेलाइकेआइओ
छेरहीवहेजहांचोगुनीचारुलालीपटीयोंकविदोव
दीसोनताली दध कलसाकटितकंधयरपरिअंअंधा
नंचतकवंधपुनिवरमतंगगिरिविसदअंग मुरकतन
जंग मुनिहरचमंडकरिंडतुंडप्रहासिउदग्गतहचीर
हारआमिषआहारसंचारयेछिजहंयहरीतिरावदूलहक
वरतासुचाहुवीरजचरनिदंडियउदंडचंडीपचरचि
सुघलषंडियमंडियधरनि दध दोहा वाजेवाजेजोति
केदिनदूलहकीसेनाबोलीन्हीदोसातवेंवरनीकरनी
केन दध दूलहरायदिनेसकीसुनियतआदभुतरीति
रेनीकररावीमहीदोसामेंआरिजीति दध ललिता
वडगुजरमहीपालुदेवतीहुतीजासरजधानी छत्रचले
जाकोवहियाविधिमुनिकेंआकहकहांनी पठईसेन
समरकेकाजेलग्योकदेजवदोसा दूलहरायकुमार
आनिकेजीतिलईजवदोसा दध छंदझुलना सच

संकलन by मोहर सिंह मीना

लहलदेवतितेंअतुलतासमेचलियचितचहतजोजंग
जुद्यो॥पचकिपुहिमीलवकिजातसिरसेसकेहचकि।
हियमेंरह्योसहमुदुद्यो॥नरथकेषंडमेकरथकेगनत
गुनअरथकेकरनकोऊटउद्यो॥चढियवहुसोरचहि।
पवनहलकोरमनउमहिचहूंओरतेंजलधिकुद्यो॥७॥
हीरितवजहंनपतिकोपूतहोकुवरुपुरहतकामनहु
दुरे॥सुक्रजलुकुवनकोनारुगहिनुवनकोदीहदल
दुवनकोकहयउरेरे॥धजनिपहगतिघनघटनिघहग
तनहिसहमुछहरातसुनिचलतहेरे॥चेतुगहियोचित
हिमानिहियमेहितहिअनियहुचोइतहिनगरनेरे
॥७॥कहतइमिधावनीहेमनहरधावनंहिलपटसो
झपटसोंचेतवीत्योधमंकिधोसनिर्वटंझमकिझिल
मनितकेचमकवरछीनवलुदुचनरीत्यो॥नुजनके
जोरकरवानझकझोरजहलोघोरघमसानवीत्योरा
चदूलहकमरबेलजसकीअमरनिकटद्योसासा।
मरफेरिजीत्यो॥७२॥छंदपादाकुलक॥मानसहतो।
निदारचारी॥रहसोदजिनकोरचवारी॥दूलहरायघ
न्नोलिषेतवही॥नृपहीअोरचुलायोसचही॥७३॥सोरठा॥
राजादियोतवसोददुलहरायकुमारको॥विक्रमजासअ्रसो
दवहुरिदियोजुवराजपदु॥७४॥छंदतोटक॥विचारुकियो
नवदूलहराय॥नहीवहुदेसघनेअठमराय॥वनेतकहूंम
हिलिजुयओर॥सजीसचसैननयोइमिडोर॥७५॥वडोगदु।
मोचिसुन्योंअतिवंकवसेगनमीननकेयकअंकनमान
तनेकुहिलीमदबाउ॥चलेनहीओरनकोजहसावु॥७६॥
चल्योतहदुलहरायमकुचमउमंडिसुधटीमनसुद्ध
निसांनरहघनज्योंघहराय॥रहीमहिअंवरमेलधाइ॥७७
कथासुनिकेतवहीसहरीतिवेगनमीननकेजिनीनि

संकलन by मोहर सिंह मीना

कढ़ गढ़ तेंवढ़िकेसव ठाढ़ धरोसरगंगहिकोचलिघाट॥७८
घनेकरषेवरषेवहुवान॥उडेमनुपंन्नगहेंग्रसमान॥चली
वरछीवरछीनतजोर॥मनोचमकीछनदांचहुंओर॥७९॥परी
किरवांनधरीचहुंवाढ॥चलेकवजाषयुवाजमडाढ॥मच्यो
घ्रमसानवडोत्यहवार॥उठीग्रस्त्रिग्रायसकीरनझार॥७०॥क
द्योनकहूंतिनकेतनरोम॥इतेंइनकेविचलेनटतोम॥ग्रचे
तपरेतहदूलहराउ॥घनेजितजूझिगएउमराउ॥८१॥गएघ
रमेपरतेरनजूथि॥कहीनहीजातिलईवहूटि॥उछाहन
योतिनकेंतवजाड॥लगेमदपानकरेसवधाड॥गईयहदे
वगरीफिरिचाहसमेतपुरीनयकेदिलदाह॥किएपुरधार
सवेतिनवंदपरेविलेपेप्रगटेदुषदंदाड॥तेरनुदेषनकों
वुटवाघ॥गईग्रधरातकेंग्रोसरपाड॥लषेत्यहघायलदू
लहराउ॥दईइनकोवसुधाहमतोहि॥हहांकरिकेंमहुपू
जहुमोहि॥कहोजमवाड़सदांसवकोउ॥विजैरनमंडल
मेंतुचहोउ॥नवैफिरिनाषयदूलहवेन॥गएग्रजीतिक
हंचिनसेंन॥सुनीईमिदेविगुनीउनगाथ॥धरेतिनसीरष
मेनिजहाथ॥मिटेतिनकेतवहीतनघाड़॥जिईमवसेंनउ
ठीवहराड़॥लहोवरदांनुकुमारग्रपोढ़॥गयोफिरिदेवगरी
सुतसोढ़॥मचौहलकंपतहांत्यहवार॥चिचारहिएग्रारिकें
यहधार॥कपाटनषोलिसकैदरवांन॥हथारगहेसिगरे
वरवान॥पिछांनिलियोजवदुलहवोल॥नयोसुषसोधं
हिएग्रनतोल॥खुलेतवद्वारडतेंपरफेरि॥मिल्योसुतकोंउ
तनूपतिटेरिसुमिरिसकतिवरुसाहसीदुलहसहितस
यान॥नोरनयेमीनानपरकीन्होफेरियान॥८०॥छंदम
ढुरी॥सजिसेनराउदूलहसमत्थ॥सुरथारथमेंपेषियतपथ
किएउचालाउगढ़माचिकाज॥रघुवंसग्रंसधारीसुराज॥
८१॥सजेउछाहउमगेउतंग॥सनमुषजोहतसवगनसं
ग॥चरनिग्रनेदचेतावीसेषि॥दंतीनदीहपंतीनदेषि॥
८२॥सरकरहचलेतेतातेतुरंग॥कहुजातदाहिनीदि
सिकुरंग॥ग्रवेलोकिदूधधिफलनिग्रेन॥सुरनी

समेतवद्यप्रसन्न॥८३॥कहुसिद्धअरथवरवसनकौल
निरखेमयूरकहुचाषिनोल॥सुनवचनइत्यअरसुमनु
जाल॥बालकसमेतअहिवातिवाल॥८४॥अवलोकि
अमितप्रज्वालितआगि॥जुचरजरहउआनंदपागि॥
८५॥कवित्त॥कुरमनरिंदराउदूलहसमेतसैनमांचि
ओरआवतहीकोसजववेढरहे॥रांमकविजहांअख
रनिजनैननिमेवारुनीलोंपूरतिपिपालेमुषछकरहे॥
सोढकेतनैकीधाकसुनतअचानकहीभूलेआकवी॥
कमहाधीरजकोंत्वैरहे॥आपुसिमैकाढिकैंकटारीकरी
बोलीकहूनैसुकनलागीवेरढेरसवछकरहे॥८६॥कोउ
कोउवाचेपुरथमैंमांचेकहिनाचेसारगहिकैंकरी
करकतहे॥मिटैजिनहाकहीतिंमदमहाकरिनकेधा
कहीतिंअरिनकेउरधरकतहे॥अडगपगनिराउदुलह
खडगवाहेतिन्हेंताकिपरसेयौंनेकुनरकतहे॥जातपर
मीननकेजालफरकतजेसैंजालपरमीननकेजालफर
कतहे॥८७॥दोहा॥माचिमगरसागरतहांनिगलगयोचि
तचाई॥मीननिकेअनगननगनराघवदूलहराई॥८८॥
कवित्त॥पापोजहांपहिलेहीवरदानुवासोजचषतमें
परेअचेतमहामोहमदछे॥रांमकविकहेताहीठोरचांन
गंगतटचनवायोमंदरहिएमेचैनवढते॥सुमतिनि
धानराउदूलहविधानसाजेदुनवरवचनविसेषति
स्नेंपढते॥कूरमनरेसकुलदेवीजानिजमवाइथापी॥
तवआए कोसतीनिमांचिगढतें॥८९॥दोहा॥मांचिकु
लीमीनानिकीपीठतवचहिठोरवसतरांमगदुअवध
जहांनाथतकविसिरमोर॥९०॥कवित्त॥देवतीमहीप
कोषजानोंघनेकामदारहुतेफोजदारमनवादेगाढेलो
हमै॥रांमकविकहेजहांकाहूकोचल्योनजोरुगोरजैतः

संकलन by मोहर सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

वारतेलगेहारहेटोहमें॥कोउदिनपीछेंगनतीगनाएसूनि
पतकोसधामनाकसीगिरीसहारयोहमै॥क्रूरमजसीले
राउदूलहेगसीलेदोरिलीन्हेंझारधारिमाडमारितेवै
षोहमै॥९०॥दोहा॥अमितउडांईश्रोचकेनपदूलहके
लोहमदश्रांधीअरिवरश्रनीश्रचलपरीजिषोहमै॥९१॥
तोमरमहिपालदूलहगयेयहनांतिषोहरपाएनव
फेरिसजियधारश्रचलोकिउतिमवार॥९२॥छंदझुल
ना॥जुरतजंहजंगछिनकरतश्ररंग वहमोदमुव
संगचतुरंगघाटी॥श्रविधिकतक्केसकेनविहिचरनी
परेसचिठिमेजांनिगदुछचिढिठांटी॥नीननुजचल
निकिरवानदलमलनिजिनषलनिकेपलनिमांपु
हमिपाटी॥नृपसिरमोरपहुचोउतहिश्रोरदिनषोह
कीदोरगेटोरघाटी॥९३॥नीसानी॥सानीसोनितनूमि
योंसाहसउनवंधो॥ज्योनारथमेनुजबलीयारथसर
संधो॥किरवानेकरिहांकरिविश्रसितकरालीचीचर
हीनमहीविनाजेहांनवडालीघंजरछुरीचिलाइतीचो
षीजमडाहैं॥नेदिसकतीवषदरोचिलतहमुहकोटे॥
फरीकरीगेडानिंदीफरसेश्ररुकेते॥सामंतोकहिकोस
किजौंजेमलफते॥रोसगहंदलंदुहुनकेयोनेमुहमिले
जौंसिधुरजागमदछकेपगटरतनछिले॥चंवचढीश्रस
मानकोंदुदुनिचहुचक्के॥डिमडिवहूदिसितेमनोंना
दोघनगज्जे॥गननाहदुमाचोतहांगोलीश्ररगोलो॥
वरषाईइकरीमनोतिरछोंहीश्रोलो॥धूमधारमेपोल
सेकिरवानोंकंती॥मनोंचिमकीश्रोचकेछनदांघना
येतीसांगिपरीधरनेदिकेश्ररियोंमतिथक्के॥श्रोसश्र
घानीसषिनोंमनडोलनिसक्के सुंडिकरिहोकीकंधी
मोरकिरवानो॥परेरहकलहेमनोगिरमानों॥घूमेश्ररि
घायलघनेंयहनांतिसुनीदो॥लिफागुफगहरज्यो॥
निसिनोरउनीदो॥कोउसीसकटेतहांधरनीडमिहते॥
पागवधेकेकाजएमानोकलवृते॥योंफलकेंफरमेंपरी

सोनाग्रनलेष्यो कूरमकूरमकेमनोग्राएदलपेष्यो दूलह
घगामहीलगोपरकेसरिदिन्नो जरासिधुकेदूकदूपंडवा
जनुकिन्नो जीतेसोढतनूजकोंजेजे सुरमंच्यो संगरसंगु
महेसकोदरषंवहनच्यो प्राचीतेलेकेहुतीदिसिनोईसा
नी जंपेरीचेकरोमेत्योकोविदनीसानी ८५ दोहा दूल
हरायमहीपकोषडगहंसंकीदोग मुकताहलममुचुनिल
एवडगुजरगेठोर ८६ छंदनुजंगप्रयात महीपालधायो
तवेंकोटवोरे जहांकीजिपेलंकसेकोटचोरे हनूमानसे
वीरसांमंतकेते नहांग्रानिकेग्रापनोंचतुचेते ८७ लेरस
मुहेछेडरेनाहिरचो परेसीसनूमेंघरेरुंडनचो ननेंसोढ
केवेलिते चोटिनोनें गणतासमंतेसवेंनेदनोनें ८८ तकें
देवनाहेधरेंग्रारतीहे सकेजासुनोंहेधरेग्रारतीहे वचो
कोटकेवंसमेंनोंहिएको नछोरोचडोसारजेहथेटको
१०० कवित्त साजिदनुदाहकोटवोरेतेंमहीपुधायोसाह
सकीसिद्धिसोंचीग्रमितऊनोरहो रांमकविकेहराउदूल
हसदाहीजाकेंकमलाऊसारदासंजेहुकेदुनोंरहो उतेंव
डगुजरगवुगहेगरवोलेमहाउदिनटनटजिनकेसुनो
रहो ग्रोरमंडरीकनसोंजीतेजेगुनोरहेतेकूरमनरिंद
जीतेसमरगुनोरहो २ दोहा कूरमकेंकखिरनकुलन
कुलकिएवरजोर चडगुजरगनउरगलोंनिरषेगहन
गुनोर २ छप्पै गहिरगाडधुजभंजसमरग्रंगनवि
चित्रजेंसारजारकस्त्रिगनिवेदिपरउतमंगतहे उरु
लजसुमक्षपरक्कनूरिसाहसहथलेवनि दुंदुभिसो
षोच्चारदपरगनिग्रावरिजेवनि नवलानिहारिवड
गुजरहनूमिलुहिदाडजलयउ त्पहसमेंनूपकूरम
कलसदुलहनिमिदुलुहनयउ ३ दोहा ग्रमलग्रा
पनोंकरितहींनपतिषोहमेंग्राइद्योसातैफिरिसो
रुग्रसुमानसलएबोलाइ ४ प्रायसोढतवषोहजे
वासीकेयकुजाम गोंनकियोसुनिकेसुनगदेवलो

संकलन by मोहर सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

कुकेधाम॥५॥राजफेरदूलहकियोषोहरचेसुनश्रोक॥
कोउदिनपाछिंनयोतिनहुकोपरलोक॥६॥राजादूलह
कुंभयोनृपतिकांकिलराउ॥घालकनिनकोंजानिफिरि
मीननिकियोदवाउ॥७॥क्र॥काकिलराउमहीपतिनोघ
नन्नोगनेसंकितमाननवेसवमीननिलोगनेलान्ही
दवायहुतीवसुधानिजघरिकैंछांडिदईविननृछजहां
नकुफेरिकैं॥८॥पद्धरी॥महिपालचद्योफिरिग्रंवषोहमी
नानश्रानिउतगंहुलोहगहिगहिउमंगदोकुनगोल॥
श्रमनेकश्रमितश्रंगदश्रढोल॥९॥नटनिरतफेरिगिरि
परतजथिनहीजातजहांनिजनिवुहिश्रायोमहीपकोकि
लेपतनमवाडरूपधरिधनुसेत॥१०॥वहिश्रानिकरीरक्ष
श्रसेषिउपरहदृधवरषतविसेषि॥कहीनृपचेतुगहि
षगधारयहचेरघेरिवैरिनविदारि॥हिन्यउनरेसा॥
नाकोसुनाडहिएकैश्रेरिनकोंजीतिजाइ॥नषियमका
त्रिधरनामटेरिसामंतश्राछजाहिसुफेरि॥१२॥सुनियेम
हीपकांकिलराउ॥श्रामेरपुरीइतहीवसाउ॥यहठोर
श्रंविकाईसदेषि॥करनीयनासुपूजाविसेषि॥१३॥नवधे
नुनईश्रंवरविनीनाउनउरउछहउपज्योनवीनमही
पालकहोजनजिनहिनाम॥हिचेतउठेचहुचलनिधं
म॥१४॥नवलीनमारिमीनाजितेक॥श्रस्त्रंवषोहवांसो
नएक॥दोहा॥श्रंवषोहयहनांनिसोंपाईकांकिलराउ॥
नांमधरेश्रामेरितहंसुचसवसायोठाउ॥१५॥श्रंवकेस
मूरतिहुतीछपीनचेंज्यहठोर॥विहिसमेतपरगटकरी॥
नृपतिवासश्रीर॥१६॥राजाकांकिलराउतेंजगतविस्त
श्रामेर॥श्रटलराजुश्रवनीनयोश्रमरपुरीसमहेर॥१७॥
छ्यो॥गंगाउतजादमश्रमेटनगरीविराटजहां॥श्रामेरि
नाउसुनिगोउफेरिउनराजथाननहंहुतेसमरसमर
थमारिपलमेंसवलिन्हय॥यहठोरश्रमितउत्तमनिर
षिश्रघरायकहंश्रप्पियउ॥हूजोतनूजराल्हनसमुजि
राल्हनवासहंथप्पिश्रउ॥१८॥दोहा॥हिगहीमेमान्योद्द

कडूंगर गढ़ कांकिलेरा राजा का किल राउत बत्राय उग्रो
पत्र मेरि ॥१९॥ करनि छंदु ॥ अरधा परा हन अस्व हनू क
वरतानि का किल्ल के गन्नू जग मैं जीत तन अरवर घेनं राज
चिन्ह लहुरे केवनें ॥२०॥ दोहा ॥ का किल के राजा हनू हनू
हरीफनि तें रि करिवर गही अरचरतनू तनू करीजंहन्नरि
॥२१॥ कवित्त ॥ महावाहु बली विरदैत नजिनौनतु जिगा
हतगंहनवैगहन काजकनू के रांमु कविकहे के तौ बल
नलपैरनू मैकोसकैसमाहिरोसकरधारेधनु कैं ग्रीषम
दहन कीलपटसमजाकेतेजुनीषमतपनपतराजहंस
वंसमनुके ऐउदारअोचकाहीअंवरनिमानेहोतसहन
कीसैलके निसानेहोतहनूके ॥२२॥ हरगीत ॥ प्रगद्योत
वैसुतहनूकेबलाविरदसंगरसाहसी परपुरीमिदाहु
कगुनिनगाहकजगमोरतिनाहसी कमनाघकित्तिसु
नावउन्नतचापुघ्वरसेवकौ ॥ अनिधानजानरदेवनां
घतसकलजानरदेवकै ॥२३॥ दोहा ॥ जानरदेवनरेस
कीसमतनाषैकौन नाकेफिरिनृपतिनयोमहिमंडल
पज्जोन ॥२४॥ सोफिरिप्रिथ्वीराज कीअनुजापरन्योनाहि
जातौचोसठरिमैंअरिअवनीअवगाहि ॥२५॥ कवित्त ॥
नोलेराउनीमगुजरातकोसुलंकीनृपजाकेतेजदा
पुहिंगपालनकौठारियो ॥ रामुकविकहैफेरिसकवंधीस
हुसकेविनवकसैहीनयोवानोंसिरधारयो ॥ नईयोंषव
रिएथ्वीराजकोंदिलीमैंअइनहीपज्जवनकोंलिष्योसु
ठीकपारियो ॥ नगरजहांलोदाहिउन्नतअगारदाहिक
राचोलीवाहिवाहिएसैंमीडमारियो ॥२६॥ दोहा ॥ चाकौ
तागधरोकहाअरसेनांसज्जोन नीमवांधिगुजरातनेला
उनोपज्जोन ॥२७॥ छंदनोटका ॥ अपनोंतिनकेवलसंगलि
योमहिपालपजोनचलाउकियो तिनकोफिरिकोंनसा
मानकहै जितचारहजारदमानकहे ॥२८॥ नरअोरनिअो
रहथ्यारधरे बलकैरसवीरसुनायुनेरे फिरिवासरकेय

संकलन by मोहर सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

कुचीचवसे गुजरातश्रचानकजाय धसेछ॥ ...
करिनीमजहांदरवारह्यो॥उनयोंदरवानपुकारकह्यो
दलदीहदरारनिश्रावतहै॥नपकोंकेउरा॥उकुसवत
हो॥३१॥इतनेंछिनम्पगयोतितही॥ठिगवीरसबैहरषे
चितही॥सिरुनाइउठ्योगुजरातधनी॥तवकुरमवात
विसेषभनी॥३२॥जनिघाउकरोयहजीवउरु॥गहिवे
श्ररजोगिनिघापपसो॥उतगोंगहिछोगहिछानिलयो
कुरागिरतेंनहिजानिगयो॥३३॥चलिकेतवजानरदे
वतनै॥समुहेवहुसोंनिजभेवतनै॥सुधिश्राय भई॥उरजे
जनहै॥महियालविचारियरोजनहै॥फिरिधायुगयेत
वहीवलफे॥श्ररिकेभटतुंगतहांतलफे॥३४॥छिपिगे
सवलेतहिचावुकहै॥ज्यहनांतिकवूतरकावुकहै॥
निकसोतवफेरिश्रमेरिधनी॥गुजरातनिहारनका
जंघनी॥उमहीजुवतीजननेवरनो॥सुनियोंपरवीन
हुदैकरनो॥३५॥सजिनीलनिचोलश्रटानिचटी॥दमकै
मनुदामिनिमेघमढी॥विलसैइमिसीसनिफूलघनें
मनुराहदिनेसउदोतवनें॥३६॥श्रलिकोंकलकसारी
श्राडलसी॥गुरुभेटतमांनहुहैंजससी॥जिनमोहनिनें
कुसमाननकी॥वहुरोचकपांतिकमाननकी॥३७॥
रुनीवडीवरुनीपरछी॥दृगदीरघश्रोपश्रमोलनकी
सवचंचलरीतिमोलनकी॥३८॥छविनांकनिहारि
नमूलनकी॥जिनमेसमतांतिलफूलनकी॥श्ररुनेंस
धरोश्रधरोसुनियो॥लजपाकुसुमेउकुतीगुनियो॥३९॥
तकिदंतमईमतिछीजनकी॥श्रवलीमनुदाडिमवीज
नकी॥वहूसोभनसोननकाननहै॥ठिगसीपसुमूरति
मांननहै॥४०॥श्रनिगोलकपोलचनेफलकै॥मनहूकुस
चिंदनकेफलकै॥जिनगीवनिहारनतेंमुषहै॥मनुकंबु
कठोरवहीदुषहै॥४१॥उरजातनिकोंइमिकैनकहा॥म
नुकंचनकेचकहीचकहा॥श्रवलीउवरोमसुनासिव
नी॥वलिमैंमनुजातफनी॥४२॥सिगरीतिनछीनिमहाक

रिहै कहिकौंन हिधांन धरेहरहै फिरिपीन निनंववि
षवनं गनतागिरसौंगिरिकैंमगनें ४४ थिरऊरुनको
अनुमानकहा मनुहैवहुरंन निषंमहा पगन्नाषतहै
गनपंचनके मनुपंकजफुल्लिनकंचनके ४५ इमिकौतु
कचाहतफौजचढी असमानिसोंन निवंववढी ॥छप्पै
केसचारित्यहचारजवहिकूरमदलआए समुझिसुलं
कीराउसाजिसैंनाउठिधायउ इतउतकेनटवीरकोह
गहिलोहअरुझिय बहुचितिपघमसानन्हानमंडलनहीं
सुझिय हरषितगिरीसहारनिपहिरिमसहारनिमनुरंजि
यउ यहनांतिपरथमपज्जोनवढिगुज्जरेसगनगंजियउ
४६ दोहा पावहिसौंकूरमउतहिजितआयोनिजगेह
चाउहांन चित्तहैचयनवाद्योसुनतसनेह ४७ छप्पै
संन्नरेसचहूआनचक्कचहुंआनअषंडित सन्नतवनिस
रयङ्कनेहिडारतिरमियंडित चसुद्धविदितवीराधिवीर
सोमेसुरनंदहा राजथानदिल्लीसुराजप्रिथीकुलचंदह
पज्जोनआदिछन्नीसपुनिजिनपठानउरुनष्पयउ सामं
तसवलरुद्धनआरथसुनगरनागवररष्पियउ ४८ गो
रीसाहिपठानउतहिसाहसउरधरयउ लष्यतीनिहैव
स्यलानपष्परतिनपरयउ कटिगजिनीध्वजिनी उदं
डरजनीदिनकिन्हिय धूरिधारिसंमरियनआनआसमी
ननचिन्हिय रिगतसकुधसनमुषइतहिचलफनिदे
नहिवधयउ त्यहसमैंमारुनतलसहितदोउनकूर
मकंधयउ ४९ छंदमरहट्टा दलदीघसजेसंगरका
जेसुनिपठानआवंत मिलिकैफिरिताघनयाविछिन्ना
षनलागेसचसामंत रहिवोनघरीकोधीरुधरीकोकरे
दूहांनेगोनु चालचाहनपूजेकौंआवहुजेआटेमेकौं
लोनु ५० सुनिकैएवातैंउरआनषातैंवोल्योफिरिया
ज्जोन मुषमुंदरहोगेकहाकहोगे चाहुवानकेंपासवि
नताहिवुलाएचितबुलायेगनियतमूंछनिघास ५१
कोउनउठिकोप्योवारजुलुप्योसामंतनितीस कैवर

संकलन by मोहर सिंह मीना

नमलनेहिमतहीनेरहेनवौएसीस॥उनपापुनपाइ
पोहलुकोंईचरनिसकेसुनबात॥मनतेंबडभाजेयंपन
साजेनेकुनजानेजात॥५२॥धरिधीरजसंचौनिजमटपं।
चौपंचसहसअसवार॥पज्जोनचुलोपेंचेटिगत्रोयेफि
रिनछोत्यहवार॥रहनेसोरहियोपानिगहियोजातिव
नेसोजाउ॥कूरमकेचालेवसुहालेकैहेसकलनसाउ
५३॥पुनपज्जोना॥छंदफुलना॥अरुनविनवरुनकीत्रो
रकरिकैउदोनांनअसमांनकोपंथतज्जे॥करुगिरिवि
द्धिपरवासकिनकुंनजोवहुरिपुरहूतजनिधरहुधज्जे॥
रामकविकेहतवलधामसदूलसवएनअवलोकिपा
गपरहुलज्जे॥टिगनकेदुरदचलिजाहुफनिनाहुपरिस
मरकज्योनपज्जोनभज्जे॥५४॥छप्पै॥पंचसहसअसवा
रपंचसामतनभछिय॥हहाकहोनियजानिहेमन
ज्ञनकहंरछिय॥समरभूमिजहंरोसेटकिनका
तुचछिज्जेहि॥नहांवढिकैपगवीससीसत्रोगंनि
जहिजहि॥कूरमनेरसपज्जोनसुनियुनिश्रमरव
सुधारमन॥दुज्जनदेरमनमेनयसुडुगरकहु
दुल्लनपवन॥५५॥गरबुजानिगिरवरनिकौनो॥
कचितरफरतनीसानचढिपनीसांनघोरधुनि
श्रमितकरिनसंचारकरनिसंचारसकेहुरवि॥
तनुफुहतजलधरनउतहिजलधरनरंवपुनि॥
पहनातिश्रानिदलुदुवनतवनगरुनागवरुरुधपउ॥
हिमतिहमीरपज्जोनुफिरिकरिवरुकरगहिकुधपउ॥
पंचसोरचारिनागोरमहादीरघरनुमचिय॥पंचसहस
श्रसवारदुविधिसेनातिनकरयउ॥पक्करहियनिजसं
गयकश्रनतहिपगधरयउ॥श्ररवरपठानुकरिवरचढि
यनितगोरीचितचिन्हयउ॥पज्जोनदोरिदरवरउतहि
सुजियतजाइगहिलिन्हियउ॥५७॥दोहा॥गहेतंगोरी
साहकेंनाजीसेनाश्रोरश्रायोवाहिलियेंतवेंफिरिकूरम
नागोर॥५८॥हरिगान॥गहिकैपठानहिश्रवनश्रानहि

समरजीतनजोनुहै॥चलिनोदिल्लीकोंवन्धुकैमहिपाल
श्रीपज्जोनुहै॥सुनिकैंकथायहनांतिकियेपृथीराजना
कोनामुहै॥दिननानिश्रादरंसहितश्रागैंश्राइयोइन
सांमुहै॥५९॥दोहा॥संनरेसपज्जौनकोंगेहश्रापनेश्रानि
कियोघनोसनमानतिनकाजवनोजियजानि॥६०॥
मधुभारछंदनववचाहुश्रान॥गोरीपठानासिरदंडुकी
नफिरछांडिदीन॥६१॥कवित्त॥कोउदिनपीछेंफिरिका
चिलकीश्रोरजान्योजचंनकोजोरज्यौमरुतचिनटाटीमें
रामकविकहैंजहांरहिवेकीहिमातिनहाथानधुमान
कमधजमेंनमाहीमौंनघतसराहीकैधोवतमा
राहोज्यंहश्रापनोंश्रमलुकीन्होंपरनिकीपाटीमें॥६२॥प्रि
थीराजमहावीरपज्जवनतिनहीकैमेंवरसमुझिराख्यो
केवरकीघाटीमें॥६३॥श्राएसंगसाजिगोरीसाहिकेगु
मिरुगहेपीछिलोचिचारिविरुडहेधिरवानकोरांमक
चिकहैतहांफुरमेपठानपरेकंधनिसमेनकंटेकोचि
गिरवानके॥केवरकीघाटीपरपाटीवीरनिरचिकेंता
तेहरिकरिजोरकरिमिरवांनके॥हलवलजीतेजेसंघ
लवृजमंडलकेकूरमतोंश्रिदलवुलकिरवानके॥६४
श्राईसमरसकेतमेंपीडितकरीपज्जौन॥गोरीसमगो
रीश्रनीगईसलज्जुतनोन॥६५॥चाहुहानपज्जौनकोंफि
रिबुलाइनिजपासा॥कूंचकियोकननज्जकोंचाहकर
नकीश्रासा॥६६॥छंदफुलना॥सहितसंजोगितहिचल
तकनवज्जतेंश्रिनकेवदनकरिकमलजोडे॥श्रमित
नन्निकातनिजफौजराठौरकीकहीपपृथीराजकोउहो
इश्राडे॥कामुपहश्रापनोंश्रटलपग्योपुनोंकहाचतुरा
यनोंपरतचाडे॥चंधुसतेरिचहुवानमुषहेरिपज्जौन
तहफेरनीसांनगाजे॥६७॥कवित्त॥महालोहलाछंड
तिमतिषांपुठानुश्रापोसंगसाछिसतुरंगीसमगसीकी
रामकविकहेश्रापुहीरघदुरदचढोकोविरदवरनुवर

संकलन by मोहर सिंह मीना

नतजामेममीको॥ताहीकोंनिहासोएकदंतश्रवनामेंका
द्योकरमनरिंदयज्ञवनुताकीश्रमीमो॥गिरोनवनीरद
केनिकरेतमेरेज्ञानश्रोचकहीनकेरुचिरपंडममीको॥
६७॥क्रूरमकरयवारेहिम्मतिहरयवारेनिनपनरषवारी
कठहराएहैं॥मकविकहेकनवज्ञकेनिकटथिरहैकेम
रुझरयरचीरननताएहैं॥गहलोतगोईरकोलोथिडारियो
छैनलोदिनकरनेरवेकेनरजितयाएहैं॥पज्ञवनपालह
नमन्नरथमहोदरएनीन्योंतहांसामुहेसमरकांमिश्राएहै
६८॥दोहा॥कुवरमलीमीमंगहपरतहोंचषत॥श्रानसवे
निउजरिफिरिज्ञानेजकेश्रचत॥६९॥नयापज्ञचनचंत
वेनपमलेसीनाम॥दुगचयासमिनुरंगचांधेश्ररिजित
धाम॥७०॥छप्पै॥प्रथमनितिनागोरहुतेगटश्रोरठारत।
हमोरगंनिगुजरातनंजिकयकुवासरमहपरिलीन्ह
यमेवारिउतहिरेवारजपहियाहोतीहदएसमाल
वरहवहियादुदारनाथकूरमकलसनएउमलेसीश्र
टलधुवराजाधिराजनुगवतनुवसुजनजोरपज्जो
नसुव॥७१॥छप्पै॥दोहा॥होतमलेसीकेंनयोराजावीनल
नाम॥राजदेवतिनकेनयोदेवराजसमराम॥७२॥राजदेव
केहोतनो॥कीलन्हनृपतिजोर॥राजनातिजाकेसदाजग
जाहरचहोंश्रोर॥७३॥मत्तगजेंद्रगत॥फैलरह्योश्रव
नीतलमेंजसुश्रोरतेंउज्जलजोरसवायो॥कोनुवचोगर
वीश्ररचीकरिकेदरचीकरसीसनवायो॥मिडवश्राना
जोश्रानिविनोंतिनकोगनपोजिमिवाकुचहापोदुज्ज
नकेदलकोंकरिखंडनकीलन्हचीलन्हमांसुषवायो॥
७४॥दोहा॥कीलन्हकेप्रगटनयोराजाकुंतलनाम॥
समरभूमिकुंतलजपेजसकुंतलश्रनिराम॥७५॥कवि
ता॥कूरमकेपुरषारथकोंगनेयारथलोंविरचेसरसाधे॥
श्रावतजेगएसंगरसोंमुहेंहोतनएतिनकेउरधोंधे॥ना
डलगाछितिमेंकिरवानुघनेंतेजसोंवाहतकांधो॥चिर
वधूनकेचूरनकुंतलकुंतलयोंकरेफिरनवांधे॥७६॥

कोएसालकालपसोमारवारनूमेंछोटेवडेननस
वहीकेघरघलिकैं॥रामकविकहेचेतहींतेंनिजनों॥
नतजिआएदुंदाहरकीसरनतकिचालकैं॥नईयह
खवरहजूरनृपकुंतलकेहुकमकीयोइहांराघ्योघ
नीलालिकै॥हरषसोवरघमेंसीवदेपठाएफेरिचार
नजहांलेपरिवारनकोंपालिकैं॥७८॥दोहा॥कुंतल
केन्यपजोनमीकित्तिजोन्हमीजाहि॥उदेकरनतिन
कैंनएमुदेकरनचितचाहि॥७९॥जिनिकेन्यनरसिं
घनोसुनियतपायुकमान॥अरिहिरन्यकस्यपदल
नकोनरसिंघसमान॥८०॥नयोन्यनरसिंहकेंज
गतविदितचनवीर॥तिनकेंपुनिउद्धरनिहोअवनि
उधरनधीर॥८१॥न्यपतिउद्धरनिकेजगोचंद्रसेनभि
समचंद॥जातेंनिसदिनरहितनोअरिसरोजदुखदंदु
८२॥सवेषधाईजाइकैंवहुपुकारेआमु॥घातिसाहु
मांडोहुतेनांउवेगराजासु॥८३॥चंद्रसेनकेचाटसू
नांषरोतसिकदारकाखानआईउतैंइनलूटीत्य
हवा॥८४॥कवित्त॥आनेमिधुपारतेंअपारतेंजपु
जहेविमोलकेसरसलिएनिकसेडगरमैं॥सांमुकवि
कहेपहिलेहीरासिगनिदियोहांसिउचुकायपरेनै
कुनजगरमैं॥दिनकरवंसअवतंसमहागरवीलेआ
मेरिकेधनीकछवाऐजेसगरमैं॥चंद्रसेनिनृपतिके
लोगनतहांईदिषौतुरंगहमारेलूटेचाटसूनगरमैं
॥८५॥करनीछंद॥सुनतफिरादवेगराचढ्यो॥दीरघ
दलकोलाहलउवढ्यो॥आयोनिकटचाटसूजवैं॥नां॥
षरोतउठिभागेसवैं॥८६॥कवित्त॥सुनिकेंषवरनां
षरोतउठिभाजेचंद्रसेनिआमेंसेंकढ्योचतुरंगसे
नसाजतें॥रामुकविकहेचाटसूमेंजायपहोंचोईच
लहलधरजतधरमगाजतें॥दिषादेष्पाहोतहीज

संकलन by मोहर सिंह मीना

वनजेतेजैतवारहीनभईहिमतनगारेजारेवाजते
हांथनहथारवाहिवेकोंगयोवेगरहीसमुझिसया।
नवेगरहिवन्यौनाजितैं॥७॥दोहा॥माडवकेनरना
हकोंपाविधिसमरनजाय॥चंदुसेनश्रामेरिमैंचहुरि
विराजेछाय॥८८॥चंदुसेनकोसुतनयोराजपृथ्वीरा
जा॥श्ररसोनितछितमैनसोहरिसोंनितजिनकाज॥
८९॥छप्पै॥नीषमजिमिधरिध्यानग्यानसोनकसम
सज्जिय॥श्रंवरीकपहलादरीतिसुकेदवनतज्जिय॥
वरनिपरसुरयुंडरीकरुकमंगदलघ्यिय॥व्यासवि
नीषनसदानेमनारदमुनिदेष्यिय॥चलितेंविसेषप
थीराजपुनिजपतरांमश्रारांमधुचे॥कूरममिहिश्रां
मेरिपतिपुहिमिपरमनागवतहुव॥९०॥पुनि॥मा
लती॥नएपथीराज महीसिरताज॥चडेहरनत्ताक्रि
यात्रनुरक्ता॥नपैनिसिजाम॥हिएडिढरांम॥कटीतनश्र
पासुद्वारिकाछाप॥९१॥छंदहिंडोलना॥चूपहोपथिराज
केंफिरिन्नारमलजिमिनोजा॥श्रोतसोनगवंतदासश्र
मेटपावकश्रोजमानसिंघकुमारुतिनकेकरतश्ररि
वरघातनेजियोतंहसमेपकवरदुहुनकोंगुजरात।
९२॥दोहा॥श्रावतहेगुजराततैंवहुरिदिल्लीपतिपास॥
श्रागेंनपपाठैंकुवरवीसकोसहोतासा॥९३॥छंदपद्ध
री॥तवषवरणापरानाप्रताप॥नगवंतदासश्रावंतश्रा
पदसकोसवेगितिनसोंहजाय॥निजनगरकेरिल्लायो
लवाड॥९४॥इतहोनलगेभोजनविधान॥सवनचसनो
ज्यपेपादिश्रानाजिजोवुलाइवहुसोंप्रतापनेवनार
सिंहनपचलहुश्राप॥९५॥नगवंतदासतिनधामजाइ
ज्यहठोरदियेश्रासनविछाइ॥चहुंनातिनईपासुसवि
सेषनपजेवतश्ररुठाकुरश्रसेष॥९६॥तनवीरषेरेकी॥
नाषुमानकरजोरिजोरिविनतीविधान॥प्रारोगिनु
श्रोइहेंनातिनृपमुषसुधिलईफिरिधर्मनृप॥९७॥

दोहा॥ आपौनपनिज सिवरमें कूरमकुलअवतंस॥
सुनूमित्रमुदिचिरमेंवाचतकहुगरवीन॥१८॥छप्पै॥
औरनपनगवंतदामफिरिचलियकूंचकरि॥सुनिपु
मानउहीठौरचेगिपहुचौसनेहभरि॥होनलगी
मनुहारसीसहौउननवायउ॥तासमएकूरम
नेरसरानहिसमुझायउ॥आइहेकुवरूपीछेइ
तहिमानसिंघयहनष्टयईं॥अरवरसुभावता
कोनियटआपुवाहिजनिरष्टयईं॥१९॥ललिता
दुरदरामपरसादनामहोमन्त्रमहामरदानौं॥मां
ग्योजहिसाहियकवरपरिदेतनयोनहीरानौं॥
सहंसतहींतेंदूरिकहूंवहरहतजवेसुनिपायौपंथ
जोगतेंमानसिंघफिरिदेषनकौंउतआयौ॥२०॥
घरावडोहुतौनिसिवासरतहींरहेंहूंछौकवं
रआपनौकरीदचायोदरयददौरियहजूटौकोउ
जतनमहाउतनिजिफिरितासुकंधछहरानौं॥हु
कमकियोतवमानसिंघघोडेरनिहीआवआनौं॥
१॥दोहा॥डेरआपनेंआनिकैंफेरियठायोमानना
समएपहुंचिकीपाईवचरिपुमानरानाउई
तआइकैंकराकवरूमनुहारि॥महिमानीचहुस्रों
रचीपहिलीहीअनुहारि॥रानासोंजोजनसमेंग
हीमानयहवानि॥हमकौंजेवेआपहुंजेवतहोकि
नआनि॥४॥कचरआयआरागियेरानाभाषेहरि॥
मोहीरानीसीकछूअचैजेइहौंकेरि॥पाकहीगिरानी
कीषचरनईगिरानीजोहि॥अटकनहीकरिदेहुगे
तूरनचूरनतोहि॥घरियोठेलिकासोचरउठ्योसहि
तनिजसाथचलुआइनरिहौंपोछिरूमालनहा
थ॥३॥मतगजेंद्रगतयोछिरूमालउठ्योनिजहाथ
सुन्योंधनुसाथजितेकतहींउतेंजतुमारूकुमारू

संकलन by अरविंद सिंह भाटी

संकलन by मोहर सिंह मीना

छिहोग्रवतेनगवंतकोमानकहाउंचतोरही
नहीएकउदेपुरमारकाह्यरमेवारदहाउंसंगरो
हासामुहेगंजगुमानहिग्रनिषुमनहिषोदिवहा
उं॥९॥सदनषुमानकेगुमानगहमानसिंघनाषेए
सचनरामलीकलांचीषांचहो॥चादेतेतरायतोए
बानेकीग्रनितपाहीठौरहालचिकरालषलमल
मांचिहे॥तादिनकहाउंनगवंतदासकोकुमारु
जादिप्रतायुगिरिवरिनमेंनांचिहे॥ग्रोरहीतेंसुनि
युतसीसोदिएहोतग्रायेमोसोचैरुकरिपैनसीमो
दिएनांचिहे॥२०॥दोहा॥दिल्लीमैंतवग्राइकैंमा॥
नसिंघवलनीमा॥एकवरसोकीन्हीग्रजलईषुमान
मुहीमा॥२१॥कछचाहेजेतेनयमानसिंघकेसंगा॥कूचि
कियोमेवारकोंकूरमसहितउमंग॥२२॥पाईषवरि
षुमानयहग्रावतकोप्योमांना॥समरहादुहग्रोउतें
जान्योजतनुनग्रांन॥२३॥कवित्त॥ग्रोरषमनोरकें
मनोरगहैंमानसिंघमेटिडारेग्रमितषुमानकेगरव
हैरामुकविकहैकोपिकीन्हेंकंतलांनग्रखिरदाव
दीनदीलोहूकीफरवहै॥रुंडमुंडदीन्हेंजोरिजोगिनी
वदलिवीरवाहनकैजानेयउकुतिसरवहै॥कूरकीम
ईजीतिगुनगाइवेकोचिंवग्रधरतुरंगमुषमनोगंध
रबहै॥२४॥संगरमांनषुमांनकेग्रचिरजसुनोहिहारि॥
जीवजितेसहघेनएमहघीसमरनिहारि॥२५॥सोहै
मानसिंघकेषुमानग्रायोजंगमैंतुरंगमेदवटिदरव
रहोरचढिकै॥कूरमकुमारकुकिझारीकराचोलीजोस
दैकैपैकरनिसेकरनिडोरगढिकै॥तहांतेपरानोपूता
पसिंघएसीनांतिउकतिग्रनूठीवरनतरामपढिकै॥
जानिउतपावजातजीवमनोतिनहीकेरांनांकोसरूप
गहैचेटकमैंचढिकै॥२६॥सोरठा॥रांनांवाचोनाजि।

मांनसिंघजीत्योसमरा॥उठेतूरजयवाजलूटिश्रमित्रा
ईतैं॥७॥घोरंदाकेजोरहरदीकीघांटीजहां॥हुतीनिकट
समनोरवागुंवन्योतहमांनको॥८॥दोहा॥वुरदरांमपर
सादवहपंठ्योपकवरपास॥अरजलिषीजवजीतिकी॥
मानसिंघफिरआस॥९॥करनीछंद॥नृपनगवंतदास
आमेरि देवलोकनेसुनियतफेरिराजतिलकतवपाये
मांन यकवरसाहिकियोसनमांन॥१०॥राजामांनसिंघ
न्यहवारषीचिनपरधासोकरिवारसाजसैंनघनीचतु
रंग॥करतिचीरविरदैतनजंग॥११॥कवित्त॥कूरमकरैरे
करषैंतजंगजुरेइतचितकेउमाहेमहावीरलोहअकरे॥
रामुकचिकहेउतेषीचीधारूवंसअवतंसआनितमकि
हथारहाथपकरे॥मांचीमारूमकतरकतराचीलालनू
मिवाह्योमांनसिंघनिजओरजातसकरे॥पाएतेंनिजदेस
यरिचरनतहांईविगचासोकरिचरनजजीरनसौंजकरे
॥१२॥षीचीकेनिहारिदलकोप्योमांनवाहुवलवाहीकरा।
चोलीजेगजातिरसपागिहै॥षेतमेंघपाएनिजभागहैसोनि
तसरोवरतैंनतगनकाढितुरीत्यौंउठीउकतिउदारउ
दारउरजागिहै॥मिनिकेमलहनिदुषदमनोजंतुनकोसा
गरतैंपकरिपछीवडवागिहै॥१३॥दोहा॥षींचीउमटमी॥
डिकेझालनकोझकझोरिरहीअचानकमालचेंग्रानमा
नकीदौरि॥१४॥पकवरमानमहीपकेउकुरुउठापोजोर
जगजोरावरजानिकैंपठ्योकाविलग्रेस॥१५॥काविल
ओरमहीपतिमानग्रमेटपठानग्रनींग्रवगांही॥नीवनि
वांचिगयोग्ररिएकुनदंतिनपंतिजितीसवटांही॥जोगि
नीग्रामिषसौग्रचकीतिनपासगिरीद्रमिडोलिनजांही
॥लीलनकीवनितंग्रलेसाइपरीमनोंषेषिपहारनछांही॥
१६॥काविलग्रवलपठाननजीतिगएजहोनारथसेवानि
गजनीलौंहदकीन्हीमांन॥किपोतहीयकवरकोथांन॥१७

॥दोहा॥ वाधोही कुपछांह के नृपति सहित सथांन॥ आयो
यक वर पास फिर पूरव किये पयांन॥२८॥ कवित्त॥ पूरव
की ओर मांन सिंघ को घयानु हेत को विरद कहां लौ गनिसु
कत सरहको॥ संभु कवि कहै तेज धां मही छिनावत नसैन
मैसहज को ऊयावत नराहको॥ कूपसर सरित के सलिल
मुषनें नारी नृपत्र कुलानें सुनें करत करा हको॥ सेस नर
होसंभारु कमठकी पीठ नारू पलु नपरत चैनु चलु नच
राहको॥२९॥ मनको धान धरत ही महामुनि सापन कीया॥
पन की नाती छाती दरकी अनारसी॥ संभु कवि कहै गुनगा
एतैं मद्दाही कलिजुग के दृगन जलधारहै या नासी॥ ह्यौरे
घट पुरादीन्ही प्रगट पुरांननमैतेचे पाकी पावत हिनेकुन
कनारसी॥ यहै जिय जानि मांनि त्रिलाष वानि कसी॥
की न्हो मांन सिंघ मांन मिटत्र कनारसी॥३०॥ दोहा॥
जादू किये विकुंठ पुर पटनामे फिरि मान॥ सुनियत जित
ही सुर धुनी छानि चे कुंठ समान॥३१॥ सवै॥ मांन सिंघ मही
पाल गयांत वजाइकै॥ पेतालीस सय धकिये चितु लाइके
दछिन मान सहो पुर भीतर मेरमे॥ नाहिव धायलियो सवि
सांत्यहवे रमे॥३२॥ चारण पा नगरी फल गून दीवी चिही॥ ना
तस दीं जल जासु वह्यो धरनी चही॥ मानपुरा फिरिपा रकि
पो न्यपमानही॥ कूरम की त्यहत्रोरभ्र जोत किन्हीं नेही॥३३॥
मधुमारतनव मानन्रप॥ मधवासरूपा धुरचलियपुच्च से
नांम्रपुच्च॥३४॥ अहीरन्रपतको फिरिमानु॥ हो जितही उस
मानु पूरव को मरनारा॥ जाहि कियो करतारा॥३५॥ कवित्त
दुवनदुनी के तिनपुंजलों जरत जात जाके परतापदाव
नल की लपटमें॥ कौंन कहां रोपे कोपे नगवंत दासतने
लोपे दिगपालनके साहस दवटमे॥ भाषे वारवारमांत
दीनेछ निकासि दातिजाहि दीन्हो वांछ्यो न जानै नकपट
मे॥ नागवंचि मेरथिर पगनरहैगो तेरे ऐसे उसमानु उस
मांन की झपटमे॥३६॥ छप्पै॥ प्रथम जिसे ना समत्थ उस

मांनविहंडिय विरचिमहाविरुधिवीरउमरदलपंडि
य मांनसिंघमहियालमोरिमसफिरिलिन्हयउ हनि
हकीमकतलानेकोपिकुतलूकहेकिन्हउ कूरमन
रिंदग्रामेरिपतिग्राचीदिसिनगवंतसुव किरचांना
युक्करनपथगहियंचदियउचलिदांनमुच ३७ जहप
ठानतवग्रानमांनपूरवसुनिपापुउ सकलराजसिर
नाजसाजसजितउविधापुउ गहिगरकिरवानपर
निकंधनिपरुरियानरनिवसग्रचतंसहंकिसागरह
दफारियजगन्नाथदेवतहनसहितविधिविधानफि
रिथप्पिउ ३८ कवित्त दिनकरकीन्हीदयाग्रसुनग्र
नृरुमांनिपरनांमसोऊभयोतिनहीकेसाथकोरांमुक
विकहैरांमचंदहूसरापतेछडापोहोकवंधुसोगनेमिगु
नीगाथकोपायनविनांहीकष्टदायनचलैगोफेरिजा
हिरतिलोकविनहाथकोमेरेजानियाहीतिंउडैसाथि
रथापिराजामानसिंघमहंतुचढापोजगंनाथको ३९
पाछैतैनहोयगोजुगुतिनिजियजानियतकीन्होंजचुसे
तुरांमहतुजाकोनलुहैकूरमनरिंदपुरग्रारथकीसीमसु
नौजाकेभुजदंडनिमेनामकैसोचलुहैपूरवकीग्रोर
छितिछोरलोंचिरचिचीकाटिकाद्यौग्रमितपठाननिकै
दलुहैलोहूंनसोषडागपग्रारोमांनसिंघनयोतवतेस
ग्रारोमनोसागरकोजलुहै ४० दोहा जगतसिंघकी
पोकचरुवांचौइसनुजाजि चढिजिहाजगोसमुदकी
टापूतजिगजवाज ४१ नासोंसमुद्रकीउकति कवित्त
ग्रापोग्राजमोमैंजोचतापोछोरकोनैइतग्रटलमवास
विईकाजनयोग्ररिहै ईसमपंठानसोचग्रानैएसीन्हांति
हाथजोरजलनिधिकोंहूंहांतेग्रवरहै रामकविक
हैएकवारनोपरसरांमलीन्हीछितिछानिपाछैगाढेगुस

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

संकलन by मोहर सिंह मीना

नरिंद्रो मांनीमांनसिंघकेक्रपानीधारिजमतेसत्रानी
रिसतोपैसोनजानीकह्यकरिंद्रो ४२ धुधरितधीरजेचु
वतमदनारनिसिदिनमारीनारनमरनकीरेछएत्रग
नितरोषदुरजनकलदोषीसवसमदकेसोधीहितनि
द्यकनकोमए नियटविलंदुमिठूमिकेचलतमंदजि
नपुरहूकेरविचंदएचलेगए नाषेपंचसतयोकुमारज
गतेसकोजुएकदिनवीचिपंचसतकरटीदए ४३ सम
रजहांकेवाकेपहिलेकुमारुदुरजनसिंघजूजोपथुरा
गवीतकोरामकवितेरहसेदीघदुरदसजेनिरषत
एकत्राठगहेंनाउनीतकोंदोरसाठिकोसकीसरोसा
मानसिंघधापोतहांहोनपापोनउदोसरोजकोमीता
कोनाकेत्रोरचारिवंह्मपुत्रकोत्रगाधिवारिलीन्होंहे
लामारिगदुपरतापदीप्तको ४४ छंदलषमीधरा नृ
पनाज्योतहां कोचढ्योनाचमें तासुदीवानुत्रायोमिलो
नांवमें कायथेजोतिकोनाउकेदारुहो दिसुतारूपुजाको
महाचारुहो ४५ मांनसिंघोतवेतासुचेटीलई होरवांकी
सुकेदारहूकोंदई नृपदेषीमिलमातदेवीतहीं जासुकी
जोरकोंदूसरोनांकही ४६ नाथकेसीसयोंनाषियोप्रीतसो
आपुकोपूजियेकोंनसीरीतिसों चोलिदेवीउठीआदिमी
देवली चंगकेविप्रपूजाकरैंगेनली ४७ हिनलीवातयो
नृपहूनाषियो तेसमोईकितेजामलोराषियो ठीककयो
हिनोकासरोकोदिनों न्यासराषेसदा पुत्रनेहेत्राजा ४८
छंदजलोधतगति सुमांनचिरचोरचोजुरिसमेसमेना
चुकहीकहीसमरजेउदंडसुनियों नियोगनकरीकरीचढि
जितेजिकेसरगी ४९ कवित्त जेजोसाहियकवरएलची
विलाइतकोमिलोजाइसुनिजाकीत्रकहकहांनीमें न
दकेंनिकटदरवारुकरिवेठोमांनसिंघमनुलायोचीरवि
रदैंतहांनामै रांमकविकहेनालगहिकेनवायोनृपहा
थलेवनाउवरनोनजातवनीमै सुमनकेसेकरनसरदा

Scanned with OKEN Scanner

रदृष्टि यो एक हो सु मन छूटि पयो जहां पानी में ॥५०॥ कुंड
लिया ॥ दोहा ॥ कै कै को कि कै रहै कूरम के गढ कोट मांन सिंघ को
रूचो विषम काल की चोट ॥ विषम काल की चोट वोट देवं
चो कोउ निरखत जाहीं और दसाए सीत हूं हो ऊ निरखता
जाहीं और ऐलची अचिरज चो को फूल काजन पर नीर नि
करत मुख हाको ॥५१॥ दोहा ॥ करी एलची की विदा वेग जा नि
पथ दूरि मांन सिंघ नृपति रह्यो उत हीं वास रूरि ॥५२॥ पूर
चहीं पर लोक सो जगत सिंघ बल धाम ॥ बल कए क तनूज
तिन महा सिंघ सेनाम ॥५३॥ रहि ता सु गढ़ आ नि फिरि घे सो
नृपति मांन बहु वासर चीतें लियो कर्कंचु धि निधान ॥५४॥
हूतें षा न षा ना रह्यो दक्षिन चर से पांच ॥ छूटी एक वरा र न हीं
पहुचीं ति नैन आंन ॥५५॥ पाति साहू जहांगीर हो आ सव षां
ति न सार कां मउजीरी को करै दो उन कियो विचार ॥५६॥
आ सव षां जहांगीर सों भाष्यो जतन न आन ॥ लेहु क्यों कर
दक्षिन ही व सुधा सुर चि न मांन ॥५७॥ पाति साहु न प मान ॥
कोंलिष पठ्यो मतंगह चेगि आइयो वूझनो तुम कों कछू
संदेह ॥५८॥ रूक्का वांचत ही तवे मांन सिंघ फिरि आ स कूचु
कियो आ एउ तें दिल्ली पत के पास ॥५९॥ मीन मरा ति वेदइ
के हे हाथी सिरपेच ॥ पाति साहु न प मांन सों यों भाष्यो गिर
यंच ॥६०॥ मछि मपूरव जाति के को वे हे कछु दांन ॥ लीहे वि
नांवर रकेंना को जतन न आंन ॥६१॥ दांन अरथु सुनि कै
तवे मांन सिंघ प रवीन ॥ वसुधा सुर हित समुझ ति न दक्षि
नमग मनु दीन ॥६२॥ सिला मात आमेरि मैथा पी नृपत आ
इ ॥ करआई करि हे चहुरि कुल मे करत सहाइ ॥६३॥ कुंड
लिया ॥ घोरे डोरे तापनी नदी जाइ फिरमान ॥ टिगवु दान
पुरकें नयो पारधरी पर मांन ॥६४॥ पारधरी पर मांन मांन कु
लनृपति नारी सुनिवरार को पाति साहु गढ़ेगढ धारी ॥ सु
निवरार को पाति साहु पलिच पुर ओरे ॥ ना हिदवा पो दो मि
दीहदुंदुभि घन घोरे ॥६५॥ कवित्त ॥ जालिम जहां को पात

संकलन by मोहर सिंह मीना

साहुजगजेतवारुओरहीतेंसुनियतगुमिरुगरबमें॥
रांमकविकहेषांनषांनांकेपोवरसवितांईजितेसोई
रहोलरतकरारमें॥सुधाकेवरनकेकेंसुरधुनिहिमा।
गिरिकोंनजसुकूरमकोअखिलधरारमें॥पलमेराजामा
नहांकोकरिचांकोगटवेहदविदासोवीरविरचिवरा
रमें॥६५॥होउनकोयहओरमेंआवनुहेनमलोदुषदान
करेहोनाहीकेवंसमेंकूरमकेंसुनिपेधुनयेनिजसीस
परेहोनासमयेमिलनावतनेसवदक्षिनीकेरहेप्रान
जरेहोनांनकेतेजतोजाडुनछटतमानकेतेजनिजात
तरीतेमारिपठांहपठानलएजहकेयकुजारथसेरनवी
तोरामजितेविरचोजगवंतकोमानुकरचितकेसषची
तो॥६६॥मारेजेईमांनतेईजोहिगएनांनरहेहैनकोउत्रान
अवअवनिकेओकमेंरांमुकविकहेऐसीनांतिकीचल
तसुनीश्वरचाजहांईतहांगुनिनकेथोकमें॥कूरमअवरु
नसारथीकोंनिजपूरवनहारिविनअपराधपसोजानि
सोकमें॥सोईविरुकाढ्यैकेंकाजउनअरिंनसोंदक्षिन
ढेधापोमेरेजानसुरलोकमें॥६८॥दोहा॥दक्षिनमेंन
पमोंनजेदेवलोकतवजात॥महासिंघकोंराजदेजसा
अवनीअवदात॥६९॥सुरसरिलाजहीतेगिरिपरीगिरपर
कोसकेसाषीसकटिरहोचेलुधावेरो॥रांमुकविकहेसु
नोसुधानिहिकलाहीनहरिहिनवरनुविनूतिहूकोफा
वेरो॥कूरमजगतसिंघतनेमहासिंघजसकीन्हीअधको
ईजानोजोरुनउपावेरो॥अमरहोजीवतोवचोपातेंमे
रोजानतवतेमहसविसुषाइनपोवानरो॥७०॥दोहा॥
महासिंघकेनृपनोओमिरजाजयसिंघ साहनिकोंयह
नांतिसोंलेषतजोंगयसिंघ ७१ साहिजहांकेचारिसुता॥
अरुवरजीतनजंग दारासाहिमुरादअरुसोहिसुजात्र
वरंग ७२ तिनमेंसाहिजिहांनकेप्यारोदारासाहि रियो
पातिसाईचहैनाहीकोचितचाहि ७३ साहिजहांदिल्ली

हुतेदारासाहसमेत॥पूरवमुनामुरादिग्रसुऔरंगदक्षिनपे
ति॥७४॥वकसोदारासाहिकोंसाहिजहांनिजछत्र॥दिल्लीकों
मांचौचलेसाहिजादाद्विग्रन्त॥७५॥साहिनहांजयसिंघसों
पोंनाघोसुमिलेहु॥पूरवतेंआएसुजातासाहिनआवनदेहु॥
७६॥कविनाजाकीधाकतेंऔरहीतेदुसहमहीपनकोजे
सेंधोजराजनकीभटबलचुनाकोरामुकविकहेमहासि
घंजेसोलेजयसिंघसेनसाजीचतुरंगधारिधुजाकों॥ता
हीकलपद्रुमकोंकीरतिलतापरसिउनहींअनंतकलि
मुगहदकुजाकों॥साहिजहांहेतदौरिहांकेदेतचेतगहे
सेतवनारसिकेनघाघोसाहिसुजाकों॥७७॥इतेआएदा
क्षिनसोंऔरंगनरादिसाहिजातिजसवंतकोंउजेणि
औरआजिकै॥रामकविकहैदिल्लीतेउमडिदारासाहिसो
केदौरिदोऊतेसमोगरकेगाजिकै॥नयोघोरघमसान
छुटेगोलीगोलावानसूझिनपरतभांनरह्योघूमराजिकै
मेदपूदसोंनमांचोईसकोसमाजनाचोहिमतिकोंहा
रहजरतिवांचोनाजिकै॥७८॥दोहा॥औरंगसाहिमुरा
दकीनईतहोंफिरजीति॥आएदिल्लीमेदुचोवढीघने
रीप्रीति॥७९॥छंदवृतानंद॥ईमिनघान्यपठानसहितआए
नरहतहुतोछचासहरनजिगोदारासाहिमिलेकैतादिना
इमचासीनोउतहि॥८०॥दोहा॥समुदिवनारसितेचलेम
नागयोपराड॥फिरिकैतवजयसिंहजादिकेआगेरआड॥८१॥
औरडआजसिंघकोभोजदियोफरमानतुमहहजूरआवयो
इयोवांचतहीपरमान॥८२॥अरजलियोतवसाहिकोभूपति
गहेरगपान॥कोनजांतिसोंघगाडेरहतएकहीमान॥८३॥सु
निऔरंगकेचेतभोपकयोसाहिमुराद॥मिलेआइजयसिं
घतवदईदिल्लीपतिदादि॥८४॥औरंगजेवकहोतवैआमि
रजाजयसाहिछठेसुभोगनीमुहेगहिआनोंअवताहि॥८५

Scanned by Shree Shree

Digitized by Singh Sahib

॥कवित्त॥ वावीलौंविचारछांतहांतेनिकारिवेकौंदू।
सरोत्रमीरमंत्रमैनियुनपुनिश्राहिकोरामकहेजन्हा।
नियमिचलाएसरसवनिश्रचनिमैंगनायोगुनजाहिको
महासिंघतनैमिरजानरिदजोगजानिमंडलमैंघर।
नतोदेतवचुदाहिकौं॥ज्योंगाहिलेतजैमैगारुमर
पमिश्रोकूर्मकीझपटदरपदारासाहिकौं॥६॥सदाहीम
वासजोरछतरह्योश्रोरहतेवनिगईघातेकोऊदिनकेव
हारतैरामकविकहेदिल्लीपतिकेदवाइदलकेयोंवरजी
तेसहिमुनियेनहारतैमिरजामहीपतहींनाइकेसमर
पाछपटैघनेवनेश्ररकाछसेत्रहारतै॥नगताकोश्राजुलौ
गानावैश्रवनीमैसाहिजगताकोवांधिश्रान्योजवूकेपहा
रतै॥७॥कीरतिकेकामैकामैनगरुचसायोजिनकामेएतीहि
मंतिरहतउतश्राएकैरामुकविकहेकोयकाढीकराचोली
वीरविरचियहरीश्रोरममरकेदाइकोमहासिंघनैमहारा
जाजयसिंघजसजुहाईरह्योहारहरषापकै॥छोटेवडेश्ररि
नकेश्रगनितटोटैनएसमहारीमोटैनएमचनिकोंघाइकैं॥
८॥दोहा॥श्रोरंगजेवमहीपकोवकस्योफिरिकिरवांनक
ह्योश्रोरदखिनकहूंचाचेश्ररिविरवांनै॥९॥गरजतश्रीज
यसिंघकेउतहींदखिनश्रोरसुनियतयोंसुनियतभयोकि
तहूंसिंवानैठोर॥१०॥क॥चैत॥मिलेहीवनैगोमिरजमही
पकोंप्योश्राजसमुदकेसलिलसुधानैंतेजश्रांचतैरामुकवि
कहेजोंजंचकेपहारपरजगतारह्योनजुकीन्हींमातपां
चतैसोवतसिवासोंएसीनांतिछैनवांनिदुजाइकैजना
योजोरषलचलमांचतैंसाहिजहांतनैसनमुषछैसकैनज
होंसाहितनैतोहिमेलषोनयलुचाचतैं॥११॥कैतोजोगीजो
तोछैकैजंगमसुरूपधारिहारिमानिहिएमैंदिगंतदिनभर
तो॥रामुकविकहेकैजोषोटेदिनहोतकहूंजहूंवांधिमुरचा
मरोरिकैंश्रैरतै॥ईसकेगरेमैंसीसताकोसुनियजीचतारी
हिसईसकेवसतजाइधरतै॥नारकूंचलिकैगटवाचनकी

सीवाजोनमिरजामहीपतिकेपायनमैंपरतो॥९२॥रीतिरघुवं
सकीग्रचिरजकीसीदेषोएकतैंसरसएकमुन्योपरजागहै॥
रांमकविकहैनिजकटकमैंग्रावतहीग्रजकेसिलीमुषसहा
सोमहानागहै॥दसरथनंदरांमचंदग्रनुचरपोनपूतकीस
कीसकियोनुजवीसवागहै॥महासिंघतनैंजयसिंघजूकेमी
ननिविरचिलईसरजासिवाकीपिलिपागहै॥९३॥सहजमेस
रजेषांसारिषेसंघारेजिनवीजापुरवसुधावरनकरीचोलुके॥
ताहीजयसिंघछांतेसिवाकोंपठायोनिधरकग्रायोसाहसेस
मेतविनतोलकेरामकविकैतेरामकूरमकुमारजाकीनैकुटे
टीनौहंनविचास्यौउमांडोलिकौनतोवांचिवेकौंहुतोनौरंग
केरोसंपरमिल्योताहिसरजानरोसेंवांहवोलकौं॥९४॥नेजा॥
साहिनौरंगसिषाईसोनजानयवैडराकिएघरिकैंटरीनके
हूटास्यौहै॥कूरमकुमारलीन्हीजामिनीकटाइनिजग्रवक
हाकांमुषाकोताहिकैदपास्यौहै॥रामकविकहैताहीसमैंवलु
वांध्योसिवासमुझिग्रमहाईएतोकिरवांनजास्यौहै॥निका॥
सिंगोसरजानिकासेरांमसिंघजूकेरहीमुरझाइमुहुवाइ॥
चौकीचास्यौहै॥९५॥दछिनतैंग्रायोजोयठायोमिरजामहीप
जान्योंरांमजगतग्रमेटनाहियनमैं॥वांहगहीकूरमकुमा
रकोमिलायोदिल्लीपतसोग्रमीरनकेगनमैं॥केरियहोंचा
योदेसग्रापनोविचारवोलुसुनिसाहिजहांतनैजहांतापोत
नमैं॥कहिगयोकछूनांहिउसेरांमसिंघगोरहिगयोनौरंगसू
सेमारिमनमैं॥९६॥दोहा॥रांमसिंहराजानयोनुजवलस
हतविधान॥जगतजहांलौंजानियेचौसठिकलानिधान
॥९७॥दछिनम्रोजयसिंघकेदेवलोककोजातासुनिनौरंगग्र
वनीकियेउचिग्रगनिउतपात॥९७॥कवित्त॥महासिंघत
नैजयसिंघविनहोतेंनमिसारीहिदुग्रांनिकोपस्यौहोदुष
सहनों॥जवनजनायोजोरतीरथपुरांनपुन्यपूजाहोमज
ज्ञकोकुपावतनकहनो॥कालीकोदेवालोगएसवनिसि

सलाहकीन्हीं अवडहांकौनकैनरोसेनिरवहनों॥तवतें
गोविंददेवमदनमोहनअरुकेसोरापछाओवृजमंडल।
कोरहनों॥इति॥अथचौसठिकलानामानिरूपो॥नृत्यगी
तवोंदित्रगनितपहचोमतिलेषन॥रिद्दिदानविष्यानन्या
पव्याकरनरुदेयन॥अलंकारअभिधानछंदफिरिधातुकर्म
गनि॥उच्चारनसुचिवचनकामअरथेविचारनानि॥पगट
हुवस्तुमंत्रीनकुंसुमईद्रजालजानतमहत॥सूचीसनेह
परयोगसुगंधकलौवत्तिसकहन॥धीवसनरत्नफिरि
पत्रदेसनापितवनिज्यकहि॥विनयजुहआयुहूनिरुहगो
अखहस्तलहिनरकरितुरंगवद्दयसमयनारीवर्त्तनतरु
चित्रलोपपाषानछद्मपद्मीसुकाठअरुउतरविलासनेप
थकविकहतरांमरत्नाकरनु॥निद्दोहसत्वचौसठिएक
लाजानिलिन्ह्यनरन॥२०॥दोहा॥औरंगसाहिविचारिकै
रांमसिंघुवलधाम॥दीनीताहिमुहिमुफिरिदिसिपुरहूत
असाम॥१॥किरटछंद॥कूरमरामनरिंदअसामकीओर
षिद्योगहिकेकरधूपनि॥रामतहांचतुरंगचमूंकतलां
मकरीचडुडीअरिरूपनि॥लेकरिकाननभूमनरेमुकता
हलकुंमतेंरोचकरूपनि॥गिरूकीषानिगिरेगिरपैमुक
नामनुझीलसकेलतिसूपनि॥२॥कूरमरांमनरिंदअसा
मकेसंगरयोंपुरथकीन्हें॥डीठिपरेगरवीगनगोत
झिंगंजिगिरावनगोछिनिचीन्हें॥नालनिसांनकेछदिकै
मुंडउठाइतहांहसिभूतनिलीन्हें॥जीतेअरातिवलीम
नुजानिमरातिवसंनुसिपाहनदीन्हें॥३॥घनाक्षरी॥रंगा
माटीनिकरिविकटहलदुज्जनकेसुनेजैवैसारगहिसामु
हेलरतेनोरामकवितेवेमहाराजारामसिंघकोपकीन्हेक
तलांनछितिछीनछेपरतेनमानमकीअंतकरिंतअरा।
काइदूजेदरदविषानजाइनूतलेधरतेनमांनोतुंगनिरषि
पहारनकेतटकोऊनाचिवेकेहतनटवाधतवरसे॥४॥दोहा
कूरमरामनरिंदजूगहीकरतीरकमान॥अरुउठाइदीन्हेंगुवा

Digitized by Singh Sabha

हाटीसुवासमान॥५॥रह्योभूपुकोऊंचरसिवहपुत्रकीजो
रा॥नाजेउरिओरिजुगुतिसोंजितजनाइजलजोर॥६॥कीन्ही
अधिकाईअधिकाईजउमास्योतासुनिपान॥रांमसीलुरा
घेरह्योवहपुत्रुजियजानि॥७॥प्राचीमेथिरअमलनौअोर
नमकतडुलाइ॥नोरंगअीनपरांमकोलीन्होंतवेवुलाइ
८॥कवित्त॥मीरमुरादइगेअमीरहारिहिम्मतिकोवीरन
केउरमेदुमहदुषुदोहेको॥अापेोफेरिनोरंगनिरासेहेह
सनअवदालेतेंपठांनजोरुसुनिषगवाहेको॥नासमैं।
हिलीसभाषोराजारांमसिंघजूसोंअवकीविकाविलअ
मुलचितचोहेको॥इसरोजतनुजानियतनाहिनेंकुएकु
रह्योभारीभूतलअरोसोकछचाहेको॥९॥दोहा॥कोऊदि
नदिल्लीरह्योकूरमधनीअमेरि॥मातिसाहिमेज्योसमुझिति
नहीकाचिलफेरि॥१०॥कूरमरांमनरिंदकेकेहरनामकुमा
रु॥क्रिपासिंघताहीजगतजानैतेजतुमारु॥११॥कवित्त॥
राजारांमसिंघकेजसीलेकछसिंघजाकीधाकहीतेंरु
युगेहअस्त्रिवधूतकोरामुकविकहैवडीसंपतिकोगरवु
गलितनयोधीरधारीधनकदकेपूतकोंनाकीसमकाह
छितिपालको॥छवानिकोंनुगनैसुरतरुसमसाषीकह्योतूत
कोचेतनसुन्योहोमीनकेतनकोचितकहूवेसुमारहेरह्योकु
मारपुरहूतको॥१२॥रामुकविकहैजाकोतेजुअहनिसिजोरजा
गेजिमिग्रीषमसमैंकेतेजधामको॥संवरकेंअरजोहोजादि
नेतेंजगतमेंकेहरीकुमारुवाहुवलीसिंघरामको॥नतोक
हापहिलेहीहुतोनगुराईलियेंजानैहहनेदुकोऊकैसेमति
छामको॥रूपकोगुमानुगपोसोचउरुअोंनिजयोमेरेजानत
वतेंवरुनुकारोकांमको॥१३॥अोरंगअमीरनकोंहुकमसि
कारकोहितकीन्हेजचेलीन्हेंकिरवानेवनीचाटमों॥रामु
कविकहैकापैनेपाठोरसनमुषहांकोजातगातनेसिथ
लतजिहाटमो॥बोल्योवाकोवचनअडंगीरामुसिंघजूको

संकलन by मोहर सिंह मीना

हजरतिष्यालएवनतचलगाढसों॥ताही ठौरकेहरीकोंके
हरीकुमारहालदालसोंढकेलिकैदहापोजमढाढसों॥१४
लागेतीरगोलाकराचोलीवरहीनहूकेअंगजिनकेतेंनक
टतलालचारीहै॥रामकविकहैजिनउपरमुहीमलैकैको
नसोअमारगोनहिमतिकोहारिहै॥केहरीकुमारपाइहु
कमदिलीपतिकोकीन्हीअसीसमरसितावीवलुधारिहै
दृधोतेअमलजसकौंनजागेजगतमेसूधोगहिलीन्हों
उधोपथिनकौमरिहै॥१५॥कह्योजातकोपेमजकूरसुनि।
जहांकोसुएसोआनिपेचुकोउओचकअरुझोहारामका
चिदघिनमैंउमंडेकरालदलआपनोंपरापोपरतनचू
झोहीतरलतुरंगघुरतालनकेलागेजागेरनुअसमान।
नानमंडलुनसूझोहीहांकेंदेतदुचनकोदौरकराचोलिन
केघायघायकेहरीकुमारुतहांजूझोहो॥१६॥दोहा॥केह
रिकेएकेकुचरुविसनसिंघचलधामलाषवरावर
गनतनोजाहीकूरमरामा॥७॥सोवतनामतेरेनदिन
जुद्दोहोननहीदेइरामसिंघविसनेसकोसमरथकी
होंसेइ॥१८॥कवित्त॥विदिलविहदएकेलाषनांतिकै
केजिनसाषमेंसिपाहीगावगएकूरकणेकोरामुकविए
किमुषमूंदिमुरझायरहेनोरनोनताजकेनरोसेदुरकन
कोएकेनूलफालेदेहरीनलांघसकेकेहरीनकेदवाए
लोसमानरुरुकनेकोराजारामसिंघजूकीधाकसुनि
काविलमेपरिगईओचकतरायतुरकनकोरधीजासो
विरुवांधिवांचोभ्रिनअसानओरुसामुहेंसमरजूझेनर
नघनेघायलेरामकविकहेरामकूरमनरिंदजिनवाव
तिसिवाकीदिलीपतिकीन्हेकायलेआपोआपोसोईयों
युकारेछोटेवडेतहांईसचजईनसोगईनतेगतायलेआ
पुसिहूमेनकोउछेसकोपछांहछांहजवनसुनेहनए
पवनतेंपायुले॥२०॥प्राचीमिहुकमइतेराजारामसिंघ
कोउतेअधिकाईपेसउरजमेरोहमे॥नईआनतलक

विलाईतहूउतरीअमेटतेंवैनेटलेमिलेईआनमोदमे॥
दछिनहथारहाथरहोनदुचतिनवधुनकेवालकनग
रजनगोदमे॥कविजनलालीवादगजनमिंसुन्योदलकी
होंरामआकरोअमलुचासोंकोदमे॥२१॥दोहा॥जिकाविं
लोमआनकीमांनतनेंकनआंनतेसवरामनरिंदकीसेवा॥
करतपठान॥२२॥कवित्त॥कूरमकुमारकराचोलीकरक
रतहीकोहेकरेतकोपिसनमुषहांकरे॥रामकविकहेआ
रईसवजईजहांलोंपगपरसतनेविचारुनावचाकरे॥मे
टीजिनकेयकुअमेटीएंउदानेकीगिरनमिघूमितेसमां
नसूषेलाकरे॥सिंघजेसेवाकरेपठारतविलोकिविसन
सिंघतेसेवंगसपछासोटोरिवाकरे॥२३॥दोस॥दछिन
तेंनोरंगलिछोरांमसहितनिजठाटमारिदरिकरिपोउने
जरवारेमेजाट॥२४॥नटचोरकेवृंचकोहुकमकियोजम
रोददेवलोकदाषिलनपोनृपतिसहतचिनोद॥२५॥ता
समएसाहसुगह्योविसनसिंघबलनीम॥अरजलिषीअ
वरंगकोछअगईजाटमुहीम॥२६॥करनीछंद॥विसनसिं
घअयोधनवदेस॥दलभरसोथाकेमिरमेस॥इतहीनपोराजअ
वधकानिगमरीतिमवमहितविवेक॥२७॥कवित्त॥वाहुवली
विसनसिंघनृकेराजकोतिलकजादिनतेंनृपोजागेघरघर॥
जागेहोरामुकविकहेजाकेतेजतेंतपोवनमोजगतनिहारो
मिटिगएरोषरागहेषेमसोंपियतपांनीएकेंकुंडअहनिसि
जानेनविरोधुकहामगवरछागहे॥मोजनकेहेतमदगज
तुरीतातेषुलेनूतलविषारनकेनागहे॥२८॥दोहा॥अनि
कियेडेरावहुरिवसुवामेविसनेस॥फोजहोनलागीतहां
यकठोरनिजदेस॥२९॥कवित्त॥पसोजोरजटवारेषलन
लअरोचकहीनाजोनाजोनाजोरमनेहुतजिजोनकोरामु
कविकहेनतोहालहोनचाहेहालएसोपानीमेपषिलेज
सेंलोनको॥अमेरिकोधनीमहाराजाविसनसिंघवंसघु

संकलन by मोहन सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

वरपायकुहोजाकेपूतुपौनकौचेदारवषतनाहियौंहीउ
छिजांहिचहआयोवसुचासौंवसुचासौआवकौनको२३॥
जेचेजंगजेतवारआनउमरापनकेमगजननवाइबोलि॥
बोलिकैचचनचोषमेंरामुकविकहैसाहिजादेनिकीपो
जनिसोंसनमुषरहेगढतेनिकरिजोषमेंकेहरिनरिंद
तनेरघुवंसअंससधारीआमेरिकोधनीआमनेकुराजीचो
रोषमेंराजाविसूसिंघतिनजाटनकीकीन्हीहानिकराचो
लीपानिआलगारसोषमे३१सोषसरनईमारिसोगरघ
रामिंलईवाचेनसमोगरकेहुतेजेबेगनीमेंरामुकविकहै
सनिसिनीकेसधीरेसूरपीघोरकेहलाकैषपायेघोरषनी
मेंकेहरिनरिंदतनेराजाविसनुसिंघकोयकैसेकैवच
तआरिवरआनआनमेंजालिमजटवालीरहीनतेनट॥
वलीकिएंघनेकरावलीविलोकिवेगिवानमें३२की
नेराहकेतकेनुदेईजेदेषंडतवआवराहकेतकेउकेत
जिनषंडलैनवकरहंडलैचराईवसुधामगाईतवचा
हीठोरवसुधामगाइमंडलैसोईविसनुसिंघपहेमेहम
नजानोरांमउकतिआषंडलैपानिकरदावादारगोपनि
कीराषीआवदावादारिमारिलीन्होंराषिव्रजमंडलै३३
दोहा॥तरनितनूजावारकेवाचेएकनजाट॥दिलीआग
रेवाचिमेचलीनलीविधिवाट३४आवधिपुरीकेभूपवे
सुनियतचाह्योकोदविसनुसिंघजिनमधुपुरीकीन्हेंआ
नविनोद३५॥विसनसिंघतानहासमेंदुदाहरनरतारवि
सनुगंजमथुराकियोकालंदीकेपार३६॥कुंडलिया॥ला
षोदैनेमसोंलाषोमगनगोत॥किएआजाचीमधुपुरीदि
नदिनवद्योउदोत३७दिनदिनवद्योउदोतनांनवसीग
रवीलो॥विसनुसिंघजिनजाटकोपिकाटेकरबोलो॥विसु
नसिंघजिहजाटनवीसांचहेनराषो॥कहकहसंकरहयो
होतगहेआनिलाषो३८॥कवित्त॥कोउनामजनबनउडाई

के गुमिरुगह्यो गोहूं नांहिजानौनमिलै गोचूनुगवारिको
आजुअरहरिकी निवाही निवहैगीटकउरदहैमूगोरहिसुनै
लोगुधारिको नंदाजाटकीवधूसिषावैतादिवूदीवूदेतरुनी
तरुनवालवाचिंहैनक्कारिको कूरमनरिंदविसनेसकोपुकी
न्हींकंतआजोकिंनजोंनतेंनरोसोकहाज्वारिको ३८ आरि
आचिलाहैकिंनदीनीसमुझिमलाहैंकंतआरजेकलाहैकि
नकरौचितचावतै लगपनांतिहैकैनूमिलोटनिकीली
न्हीवानिकोटनकीवोटनवनैनपाकुयावतै रामुकविा
कहैमहाराजाविसनसिंघजूसेवाचिहोनवीसविसेविना
सिरनावतै ३९ तोसमिवनाउसलहैरितैसरसपैनगरवी
सारीभूमिदलुतविसापैनगरवीगनीमगहिसकैमहाउर
तिंरांमताहीतवीसापैतासमैमवासेआनतेजहीनरतजौं
जयासेमेघझरतें दौरमथुराकीमहाराजाविसनसिंघजा
इमाडिमारेजाटतेरहेजेज्वारिआरतें ताकोजसजगतमै
नांकौमूंदिचासौंआरहांकौकरिलीन्हींगटचांकोज्वारिआ
रतें ४० आराधेंचिराधेंविसनुकोदरसुहोतयहवेदनि
वताईविधिविधिनुगचाटकी रामुकविकहैसोतोमै
हूंजियजानीआरहीतेंसुनिसुनिआवउकतिनिराटकी
जोसुदेवद्वारिकातेंआइदुरजोधनकेमेचातजिविदुर
कैमाजीपाईछाटकी आमेरिकोधनीहैकैकौतुकनि
हारोफेरिमथुराछांडिदौरिलीन्हींज्वारिजाटकी ४१
दिल्लीआगरेचीचिरचिकैवारहोरहरिजानतेईकर
तटलावतो रामकविकहैतहांपूरवपछांहकेपथिकपा
हपरेदाहदुपसोंजलावतो राजाविसनुसिंघविनांकोन
मेमकतएतोहाथलेमकतिहांकिहुमाकिहलावतो
साजेमवठाटनकोवृजउदघाटनकोंमारितिनजाटन
कोचाटनचलावतो ४२ दोहा जाटमचैतेसरजपेय
इजानतयरमान दिल्लीपतिविसनेसकोलिषपठयो

संकलन by मोहन सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

विलाईतहूंउतरीग्रमेटतेंवेनेटलैमिलेईग्रांनमोदमै॥
दक्षिनहथ्यारहाथरह्योनदुवतिनवधुनकेचालकनग
स्नानगोदमैं॥काविलजलालीवादिगजनामैंसुन्योदल
कीन्होंरामग्राकरौग्रमलुचासोकोदमैं॥२२॥दोहा॥
जेकाविलमेग्रानकीमांनतनेंकनग्रांन॥तिसबरांमनरि
दकीसेवाकरतपठान॥२३॥कवित॥कूरमकुमारकरा
चोलीकरकरतहीकोहैकरषेतकोपिसनमुषहाकरै॥राम
कविकहैग्रोईमवजईजहांलोंपगपरसतनेविचारना
र्युचाकरै॥मेटाजिनकैयकुग्रमेटीएंउदारनकीगिरेनूमि
घूमितेसमांनमूषेलाकरै॥सिंघजैसेवाकरैपछारतवी
लोकिविसनसिंहतेसेचंगसपछासोदोरिवाकरै॥२३॥
दोहा॥दक्षिनतेंनौरंगलिग्योरामसहितनिजठाटसारि
दूरिकरियोउनेजटवारेमैंजाट॥२४॥जटवारेकेकूंचको॥
हुकमकियोजमरोदा॥देवलोकदाबिलनयोनृपतिसहि
तविनोद॥२५॥नामएसाहसुगह्योविसनसिंघचला॥
नामग्ररजलिग्रेग्रचरंगकोग्रगईजाटमुहीम॥२६॥क
रनीछंद॥विसनसिंघग्रायोतवदेसादलनरसांथाकेसि
रसेसहितहीनयोराजग्रनिषेकानिगमरीतिसचसहि
तवचेक॥२७॥कवित॥चाहुवलीविसनजूकेराजको
तिलकजादिनतेंनेयोजाघरघरजागहै॥रामकविक
हैजाकेतेजतेंतपोवनसोजगतनिहारौमिटिगएरोष
रागहै॥पेमसोंपियनयोंनीएकैकुंडग्रहनिसिजानैनवि
रोधुकहामगवरछागभंवै॥मोजनिकेहेतमदगजतुरी
नानेंबुलेभूतलनिषारनकेनागहै॥२८॥दोहा॥ग्रानिा
कियेडेरावदुरिवसुवामेविसनेस॥कौजहौनलागीतहां
यकठौरानिजदेस॥२९॥कवित॥पसोजोरजटवारेष
लक्खलग्रोचकहीनाजोनाजोनाजोरसेनेहुतजिनौन
को रामुकविकहैनतोहालहोनचाहतचाहतहैहाल

फुरमान ॥४५॥ नलोकामकीन्होहमैंअरिघनेसमा
थ ॥अबहजूरतुमआईयोलिएसेंनसबसथ ॥४६॥ नृप
मथुरामैंरह्योआपुसेनदेसंग ॥ दछिनपछोकुवर
कोंहुतेजहांअवरंग ॥४७॥ दछिनअवरंगसाहिकोमि
लोकुवरुजितजाइ ॥ पातिसाहुवातेंतिन्हैंपूछतनृपोसु
नाइ ॥४८॥ पकरिदोओकरकुवरकेपूछ्योनोरंगसाहि ॥अबे
तिहारोवलुकितोलघ्योचहतहैमआहि ॥४९॥ नासगहतए
कोसकेकोवलुतासुवषानि ॥ कूरमकह्योहजरतिगहैमेरेद्
नोपानि ॥५०॥ अवरंगजियमैंजानिपुनिकुवरुबुधिकोधाम ॥
कह्योतासुनयसिंघयहसहितसबाईनाम ॥५१॥ कवित ॥
पूरबकोबांधिठीकमकुसकबंधीमाहिजादेछ्रापोइतंकू
चिकरसहितउमंगही ॥ रामुकविकैहमहाराजाविसनुसिं
घताहिमिलेमथुराकेंजिनजीतेअरिजंगही ॥ चाहतहोय
हिलीपछांहकांमकूरमकोसोईलघ्योदछिननेंकेरिअब
रंगही ॥ केहरनरिंदतनैंएसीजांनिछैकैकीन्होंकाविलय
यानसाहिबहादुरसंगही ॥५२॥ काविलमैंकोउबरसिंजि
तिजिनअरछोकविसनुसिंघमहिपालकोंनयोतहांपर
लोक ॥५३॥ दछिनतेंदिलीसकीपहिलेपाइनिदेस ॥ व्याह
काजआपोहुतोकुवरतासमैंदेस ॥५४॥ कुवरवलीविसने
सकोबुधिमानअवनीमा ॥ बनहेराव्याह्योप्रथमवेटीरानीप्र
पद्मडींडादेगौडाकियोछोडाजगतैरोर ॥ मंगनतिनमंगनत
ह्योसज्योसुनयुजिमिश्रोर ॥५५॥ रूपनगरकमधजकैव्याह
नयोफिरआइसुवरनकीवरषाकरीअगिनतहरषचदा
इ ॥५६॥ कवित ॥ चारिचारुरूपाननकीपुलीछविआनना
कीमतिगिरचाननकीमोहेएकअंकनी ॥ रूपकीउजारीस
कलगुनआगरीलिएहीरीतिनागरीनपूजेसमनाकती ॥
कूरमकुवारपोरियारिकैंसमेमुदितकीन्हीदेदरसरूप

संकलन by मोहर सिंह मीना

नगर निसांकती ॥ डीठ रसपोष मजुरीजमा तिजोषन जेषो
उसीसरोषन फरोषनतें झांकती ॥ ५९ ॥ दोहा ॥ ब्याहन्येपर
नृपकीआई षवरिश्रमेरि ॥ चिठमातमेंमंतचेंनईसुध
तापेरि ॥ ६० ॥ चौपई ॥ तापछिंसुमहूरतजानिकरिश्रनिषे
षसवनिमुषदानि ॥ नेजेसिंघसवाईनृपघरघरसजेजन्न
केजूप ॥ ६१ ॥ फिरिजयसिंघसवाईग्रास ॥ दष्यिनगौन कियो
सविलास ॥ चिव्याहकरिकेनिजग्रोर ॥ सोपरतनपाउत
मगोर ॥ ६२ ॥ तापछिंपहोंचेवहठोर ॥ जितग्रोरंगसाहनसि
रमोर ॥ यातिसाहकोग्राईसुपाइ ॥ लागेनृपषेलनेजाइ ॥ ६३ ॥
॥ कवित ॥ एकैरोषेलोटनकवूतरलौंएकनउडायोजो
रगहिज्यौंनिसावरी ॥ एकैलंकीसमएकैघरनीलोदीन्हे
घरिएकैंगनिगहैंगोलदिवसविभावरी ॥ गाडिकैंनिसानें
पहिलेहीमारिलीजियतन्नमिग्रासमदजसधावरी ॥ जैसिं
घसवाईमहाराजवालपनेग्रामकोसकेवषानिषूवीषेल
नेकीरावरी ॥ ६४ ॥ चालपनेग्रोरमहियालनकेसुनिषेल
रंगमेंचढाइचंढोरिकोदिलावनों ॥ रामुकविकहेनए
पंजरमगायनांतिकेपनंगरषितिनमेंहिलावनों ॥ ग्रांए
मनमोजकहंदेषोजोतमासोंचाहेहुकमकरतहालह
रनफिलावनों ॥ ग्रटपटोष्यालुसोष्योजेसिंघसवाईदो
रिषेलानांसेगाढेगाढधूरिमेंमिलावनो ॥ ६५ ॥ ग्रोरनिके
ग्रोरतेंमुमाहरहिगएजानिमहामुसिकिलिनाकेसोहा
पगुमेलनों ॥ बानगोलीगोलनकीवरषागनीनजहांहांक
हेहजारिनकोकीन्होंग्रवहेलनों ॥ रामुकविकहेजहांर्ष
जरकटारीछुरीकिरवाननोमरसकतझारिफेलनों ॥ क
जग्रवरंगकेसवाईमहाराजदीन्होंमनुपुरषारथमेली
न्होंगाढषेलनों ॥ ६६ ॥ चौपई ॥ गहुजेपसिंघसवाईलीन ॥
ग्रोदिलीसंकेहरषुनवीना ॥ कूंचकियोकरदुंदुभिनाद ग्रा
एफिरग्रोरंगावाद ॥ ६७ ॥ नवदिलीसकोग्राईसपाइ ॥ नृप
बुदानपुरपहुंचोग्राइ ॥ जितेग्रारषरगोनिगनाम ॥ नहां

जयोरनु नारथजीम ॥ दुधा ॥ कवित्त ॥ आईफौजैउमडिगनीम
कीगुमरुगहेताकिनिनेसुनीजैनऔरसोपराईमै ॥ जयसिंघ
सवाईकोपिकाढीकराचोलीआवएतीछैकौनऔरवाट
कीधराईमै ॥ कहूनाचेरुंडकहूंफरकतपरेमुंडचानिवी
निवेधिनजेसुनगसराईमै ॥ कालीनईमुदितकृपाली
नईपूरीसाधलालीनईऔनिषरगौनकीलराईमै ॥ दुधी
दृष्टिनमेषेतषरगौनकेनिहारिनहांजेसिहसवाईए
सीकीन्हीमनचटीहै ॥ रामुकविकैहैचाहुवलीवरगौन
कीचनीआनीआमेदहरवरदौरगटीहै ॥ सूतकोउदौउ
औरआंतकेपकरिनूरिधूरिलौयसारकनिचितचटीहै
पाईपहिलेहीअसवारीकीषवरपरवतपातिसाहकी
मनौजरीवकटीहै ॥ ७० ॥ महाराजाजैसिंघसवाईकोपि
दृष्टिनमेषेतषरगौनकेआनीगनीमदहाई ॥ रामुका
विकैहैघनीमेदगूदकीचमांचीसोनितकीसरितांवि
कटैतहांवहाई ॥ निपरचिसालमुंडमालगुहिगुहि
पंचवदनकोकालिकांहरषिएतीगहांई ॥ गोरांभरा
नारनपौवोराकंधमारूजानिदौराजातकांपैथाकि
धौरागयौंतहांई ७१ ॥ दोहा ॥ नजिगनीमषरगौन
तेंफिरिवुदानपुरधाय ॥ लूटिलगौकरनेंतवैपहुचौ
कूरमआइ ॥ ७२ ॥ कवित्त ॥ लीन्होंघेरिसूवाजिनसेपदनि
जावतषांवरगाअसीहजारअसवारदलसों ॥ रामुकविक
हैनारनारपरीवेसुमारआनिकेवुदानपुरचासौंओरफ
लसो ॥ पहुचौतहांसवाईजैसिंघआचानकहीकौनकरै
कूरमकरताईकलसो ॥ कीडलोकवरिपीडीआरिकीअनी
उडाईटीडीज्यौंउडावैमंत्रवादीमंत्रचलसौं ॥ ७३ ॥ आंन
समैजैवैगांवगिरहवुदानपुरपहिलेहीसहरसमेतला

संकलन by मोहन सिंह राजपुरोहित

संकलन by मोहर सिंह मीना

इलूटिगे॥ जिनकीऊरपसूचासैयदनिजावतिषांसकोन॥
सभारिसारिसाहउछूटिगे॥ क्रूरमकेअमितअरावेकीदग
निनाहीठोरफेरिदष्पिनीगनीमसीसफूटिगे॥ चरगीअसी
हजारअसवारआईकैंसवाईजैयसिंघसमरहारछुटिगे
७४॥ चौपई॥ फिरिमहीपालषजानोंनितै पहुचायोअोर।
आपुटिकेअवरंगावाद॥ घरघरजागेमंगलनाद॥७५॥ता
पाछैंफिरिनोरंगासाद॥ नातीकोनायवुकरिताहि॥ क्रूरम
कोपचयोउजैनि॥ जानतसमरजीतिकीलेनि॥७६॥ आजम
सुतजोवलधाम॥ जिनवेदारवषतयहनांम॥ ढिगउजैनि।
चासोगुजरात॥ चन्योसंगईनहूकोजात॥७७॥ दोहा॥ यह
जाइगुजरातमैकोउदिनएरांम॥ कियोगनीमनिआइकै
जोरुजहांपरनाम॥७८॥ कवित॥ साजिदलदष्पिनतेरेवा
कोउतरिवारआएघाटप्यारेकेअडोलमहारारिमो॥ अहम
दावादतेंसवाईजैयसिंहधापोपरवीनोसामदानविधि
नेदवारिमों॥ क्रूरकोहोतमुहमिलेजैवेसमुहानेवरगीमि
लेतेधूरिलोनजिमिदारिमे॥ एकेलिएधारिएकेतेजहीसों
डोरजारिएकनिविदारिएकैंमारेवोरिवारिमो॥७९॥ ललि
ता॥ राजविराजीकीतापछिंचाहफेरिइनपाई॥ कूंचुकियोवे
दारवषतअरुअजैयसिंहसवाई॥ आजमसाहिउतैदष्पि
नेतेंवालानहासमेतै॥ आएतिनसवहीमिलिडेराकिएधो
लपुरषेतै॥८०॥ इतपछांहतेसाहिवहादुरसहिजादेनिज
तानो॥ पूरवतेंआयोअनीमजोचीरषेतपरवीनो॥ नृपअमी
रअोरदोऊदिसिकोयेजातगनेहो॥ जितजैयसिंघअगनित
अरविरहांकिहनेहो॥८१॥ कवित॥ अवरअनेकनीरदनकी
घटालोजैसेभादोंकेमहीनामेंपछांहयोनवाजतेरामुक
विकहैतुगपरवतकीसिलाज्योंसुनियतहैनीपुरहूतगा।
जतेजैसिंघसवाईतेरधोसाकीधुकारनातेंधोलपुरषेत
मेउरीनतेवैलाजतैं॥ गजकेगजाएसरवरमेंसमानकाई
साहिनकीफौजेकारांडंडीमहाराजतें॥८२॥ आजमकीअ

नकिहरोलदैकैहलाकीन्हों होतवीरपनेकेउमाहमहाउ
रकोसमरमेसामुहेसवाईजैयसिंघजूकेदूजाओरसाहको
रह्योजोविनामुरकोरामुकविकहेकहापाकैअचरजसुन्यो
सिंघकीगराजआजचेतकाहूसूरकैंजोनिनीछकाईकहि
कोसकैचकाईऐसीफौजैअधाधुधिकीधकाईधौलपुरके
८३पाछैडारिआजमेहनाकैहांकोचारषेतकाहैएउदारु
जाकोमुमुनतहांफिरयोजयसिंघसवाईकोपिकीन्हीकमनै
तीअरजुनकैसीअरितामेजूझिअरियैगिरयोकैवरकटैतेपा
रदीरघदुरदकेचलतलोहूधारमनोगिरिझरनाझरयो।स
सीकीउजारीकैवरनजसुजसीकोजुअसीअसवारलै।
असीहजारमोंनिरयो८४दोहा॥सुतसमेतआजमति
नैंजूजितहांऊजात॥फिरिहांकोकूरमघनेघायआवतै
गात॥८५विधरचनांपरवलकछूमेटिसकैकोताहिन
षतवैठचोनालेमेलिष्योवहादुरसाहि८६साहिवहा
दुरआजमेमारआगरेआइछत्रधरयोवैठतषतनषत।
सुभघरीपाइ८७साहिवहादुरसोतहांमिल्योआनूपफिर
आनि पैदिलीसुदिनेमेंरह्योअनुपरारिकोमानि८८॥
कामवकसतिनकोसमरजीतनकाजदेरि॥चल्योदि
लीपतिदष्षिनैलीन्हांपंथआमेरि८९कूरमषालीकरद
ईतवआमेरिचनाइ॥साहिवहादुरदेषिनिजथानोराष्यो
आइ९०कवित॥आगेहीसगाईकैरहीतीमहाराजावि
सनुसिंहजूकेआगेंसुनियतसतिभाउकोंरामुकविकहै
जोगवनिआपोनांहिरह्योजोविचारतमुहीमनकेदाउ
कोसामोतनेसांमांकीतयारीकोमपोढुकुमुनेसिहय
वाईकेसराहोचितचावकोंविसेसमेवाईजीकोव्याह
करिदियोवलाचंदकोधनीजोहाडावुधसिंघरावको९१॥
कुंचुकियोआमेरितेंसाहिवहादुरवीरनूपआमेरलिएस
वैपहुचोरेवांतीर९२चौपई॥नोलाईतेंपुनिआनषाइ

संकलन by मोहर सिंह मीना

उठि आपो जे सिंघ सवाइ ॥ सहित अजीत सिंघ त्यहवार ॥
यह विधि को सु निर्णय तनि धार ॥ ९३ ॥ षवरि षु मान तवै य
हपाई आगें को सवारहक जाई तिन्हें उदेपुर मे फिरि आं
नि लीन्हों नागर आपनों मानि ॥ ९४ ॥ दोहा ॥ व्याहन पो जे
य सिंघ को जगत विदित कुलमान सहित जितलषि
नसुता श्री अमरेस दिवान ॥ ९५ ॥ कवित्त ॥ दछिना
को जात वीच नो लाई केडेर नि विसरु किपो व हादु
रसा हि को नअट को रा मुकवि कहैत हीं जहां लो आ
मेर भूप दिल्लीपति सी स निज वी सवार पट को जेय
सिंघ सवाई की अचाई यो उदेपुर तें पहुच्यो भरमया
के आसो उरपट को ॥ सेयद सयानों त्यह जानो न जननु
श्री था नो छांडि आमेरि को सांझ हीं तें सट को ॥ ९६ ॥ दोहा ॥
अमलु न यो जेय सिंघ को पहले ही आमेरि पहसु नि के छां
तिचल्यो आपु जोधपुर फेरि ॥ ९७ ॥ कवित्त ॥ करा चोली कर
नासो दछिन मे गाढे गढ षेलना से सहज गिरा पहोरे धूरि
को रा मुकवि कहै उदेपुर तें उमहि चल्यो सा जि गजलेत पर
धर निकेत रिको जे सिंघ सवाई महा राजु आपो जोधपुर सूत
चांधि की न्हें मन सूवा मन भूरि को ॥ या पे जसवंत के सदन मे
अजीत षंन आगें सु नियत मे हरावचा हि दूरि को ॥ ९८ ॥ दोहा ॥
ता पी छे अज माल निज सुता व्याहि वे जा नि ॥ करी सगाई
भूप की टी को दी न्हों आनि ॥ ९९ ॥ कांते हो ऊ भूप ति न पंथु लि
यो अजमेरि सूवा हो उ नही हन्यो ता हि न पो ते फेरि अजवि
रंचि को नाउ अरु ता की हि यहमेर ॥ सो उ तहीर क्षा के रसूवा
गन्यो न चैरि ॥ १०० ॥ कवित्त ॥ जोधपुर तहीं ते सुनत कुंचु कूर
म को इतें आपु ढिके मावधान गढ न सौहै रा मुकवि कहै
जितें फौज दारु हुतो सोई औरनि को औरतें अमलु जु हटा
सौहै पहुचे त्यहघरीच्यारि करीरा सौहै जे सिंघ सवाई सर

तानिश्रानिसांन्नरिमेपहिलेहीजानिकैंजवरमारमासोहे
३०॥जूझेदोउश्रोरकेघनेमहानटवीर॥चटीश्रनीन्यप
सोंमिल्योहाथवांधिनिजमीर॥२॥महाराजतांहीघ
रीदंडकियोसिरतांहि॥फेरिसुनिकेकाजीकहोक
जीमोरश्राहि॥३॥कवित॥यानोंछाडिश्रोमेरिकोजा
नोविनहुकमयोसुनिकेरिसानोहोदिल्लीसताही।
चारमे॥रामुकविकहेवहादुरसाहिदष्पिनतंनेजीचु
रावमनजनोनेएकलारमेसेयदहसनएरचांचिवो
तिहारोतऊकेतोएपहरिगहिरानिजेसीदारमे केता
सोईहोरुफेरिकाईमकरोकेमरोगवीरषतकेपरोग
जायनारमें॥४॥छंदललिता॥मिलतसलाहकीन्ही
श्रापुसमेसमरकी॥ताहीलाजहसनगोरतषांत्रसु॥
हुसनएतीनो॥मिलिसलाहकीन्हीश्रापुसमेसमर
काजमनदीनो॥फेरिसुनीतिनसांन्नरिकूरमकेनिसां
नफहरानें॥नारनोलतेकालश्रचानकजहांसेदस
वक्रोनें॥५॥कवित॥गोरतिषांगरवीलेसेयदसेयद
हुसनषांसेकार्यंकहीजातीनिनहिममतिहियतहे॥
जैपसिंघसवाईमहाराजतेवेकोपिकोटसांन्नरिकेष
तकोऊचांचिनजियतहे॥सोनितकेसरगजघायले
करांहेजोरनिरषतनाषेरांमउकतिनियतहे॥गरजि
गरजिमनोगोलवांधिएकसाथिजलधरयानोपरो
वारमेपियतहे॥६॥महाराजाजैसिंघसवाईषतसां।
न्नरिकेसेयदसंघोरजिनकरिकेहलाहकेरामुकवि
कहेफेरिसिंधुरदतारनोरमारिकेहलाहकेविडरवेग
योनज्योंवलाहकेसोनितनदीमेहेरिवेकोसासूत।
छोटचूडेउठेऊंचेकरकरनिसलाहकेमनोमिलिएक
साथउरधिपसारिवोहीथांहीलेलमोंजिधारवालकम

संकलन by मोहर सिंह मीना

लाहके ॥७॥ सिंधुरनंधनकीमालसैनसियदकीनिपट
करालघनघटाजिमिचाहियै ॥ रामुकविकेहेतवेजेसि
घसवाईचुजचलराच्योलिनसोंकाविधुकिंदाहियै ॥ स
मरमेकमरसमांनतहांढरलागेचरवेरयईकथाजगत
निरवाहियै ॥ सांनरिमेलागनिकेत्रारकीप्यारीदीठाडि
सांनरिकेमोलमुकताहलचिसोंहियै ॥८॥ दोहा ॥ सांन
रिसेयदजातिकेभूपतिसहितअजीत ॥ आपोतवआमे
नेघरघरमंगलगीत ॥९॥ छंदपायकुलक ॥ वंधीतहो
फिरिवंदनवोरे ॥ गोपुरकोटअादिदेद्वारे ॥ सुवरनका
लसनीरजसाजे ॥ उपरदीपदसावहुराजे ॥१०॥ पुरनारी
चिरषीतिनषीलै ॥ रोचकरीतकरीजिनजीलै ॥ नीलक
वसनवजारुछवीयो ॥ अलकातेंनोरुपसवायो ॥११॥ हा
टेधनपूरितकहीऐसी ॥ द्वारवतीसुनियतहैजैसी ॥ सूर
जचंदपवरिकोंदेषै ॥ कोउतिमनिजजनमुनलेषै ॥१२॥
न्यारहदरीवषानोसोभा ॥ हुतोदिलीमतहोंचितुल्लो
भा ॥ पवरिगनेसागिराजिनछारी ॥ विधनदूरकरि
डारतिनारी ॥१३॥ जयमिंदरकोजुगतिअनूठी ॥ वे
जयंतस्वनामचहूठी ॥ सोसोठोरसचलेषै ॥ एकएक
प्रतिविंवअलेषै ॥१४॥ आगेहोदफुहोरछैवे ॥ अंतरि
क्षूनचूछविलूटै ॥ वागवन्योउतहोफिरिसोभा
हूरचीविधाताकेसो ॥१५॥ नांतिनांतिकेरोचकरूषो
किलपतरोवरमेटतभूषो ॥ सेवाजिमीसुनीजगतीहे
तेसवकहिवेकोंनगतीहे ॥१६॥ सुमनजेहोंजानभू
लि ॥ सपतवर्गगेदायोसोहे ॥ अष्टवर्गजिनकेमनमोह
॥७॥ कवित्त ॥ सीतारामहुरोदेवीद्वारोवडेमहलनिप्राची
नमहलनरसिंघजूविराजहो ॥ जगतसिरोमनकल्याण
रायमोहनजीलछमीनारांयनएनामजिनवातहो ॥ नगर

केचीचगिरधारीश्रीरदेवघनेहनूमानकोटदरवाजेसो
नासाजहो॥श्रीमेरिपुरीकीरखवारीकरैश्रीरहीतेश्रंवके
समहादेवदेषदुषनाजहो॥१७॥दोहा॥पाविधिकीश्रीमे
रिमेसोनालषिश्रजनमाल॥श्रानंदितकमध्वजनोमन
मिमरुधरढाल॥१८॥तापीछेश्रजनमालकीमहमानीकोठाट॥
किपोनृपजयसिंघजीसामांश्रमितनिराट॥२०॥कवित॥
श्रीदिनश्रनेकनांतिसकलवनाईदारिलालनाजीश्रमल
उचितरीतिगनीकी॥कतरासाजरिकवछलालरानिका
कद्रुप कोरारमरंगीषाटेजोरवनीकीवरावरषरिकाफल
कावाटीघनयोसिषरनिजाकेश्रागेंसुधालागैननीकी॥
जैसिंघसवाईमहाराजश्रानिश्रामेरिमेकीन्हीतहांमहमा॥
नाजोधपुरधनीकी॥२१॥पुरीजोरपातरीकचोरीकचराकीमी
ठीषाटीश्रोरवेसनीवडाईजिमढालकी॥इकुनूश्रथानेंश्रगि
नतनाजीतरकारीघोहादधिकंदमिसिरीजोषंडछलकी॥
लाडूमोतीचूरकेजलेवीदानेचंदसनीघाडापानप्रपचीमिठा
ईवनीहालकी॥जैसिंघसवाईमहाराजश्रानिश्रामेरिमेकी।
न्हीश्रेसीनांतिमहिमानीश्रजमालकी॥२२॥दोहा॥प्रातिदुहू
नरनाहकीकहेकहांलगिकोंन॥पीछैसिंघश्रजीतकरिकूच
गएनिजनोंन॥२३॥चौपई॥सदावासजिनकासोभाहि॥परयरि
तह्याकेवेश्राहि॥देवनदसुवतपकेधाम॥गुरुहुतेरतनाकर
नाम॥२४॥न्यायनयुनियरवीनकनादा॥करिकोसकेमिमंसास
चाद॥वैसेषिकरसनांकेश्रग्र॥पाटजिन्हेंवेदांतसमग्र॥२५॥पा
तंजलकोमयाश्राहि॥कूरमकरीप्रतिष्ठाताहि॥वहुर्सोतिन्हें
जानिसरवज्ञ॥कहतभएकरिवेकोजज्ञ॥२६॥तिनहूतवसुम
हूरतदेषि॥वाजपेयमषउत्तमलेषि॥कीन्होस्यामचागऊरारं
भ॥गाड्योविमलश्रानिकेषंभ॥२७॥कुवांतहांरचीलगिदूरि
श्रगनिकुंडतामेफिरिनूरि॥सामग्रीश्रगनितवेश्रानि॥समि
धगनीगनतीमेजानि॥२८॥प्रथमश्रध्वरजकहियतजहां॥उ

संकलन by मोहर सिंह मीना

दृगताहू जेफिरतहां॥ होता निपुन वरनुतिन कियो॥ अधि
जनेहरषतजिनहियो॥२९॥ अछसद्स्यआरतहओर॥ आमि
क्षलषयतजहजोर॥ उपाकरतनाषेवेजिते॥ निकटपरे
विधिपूरवतिते॥३०॥ पढतस्यामधेनानुपवित॥ एकैली
न्हेंकरनिधिवित्त॥ आहुतिपरनलगीतहेजोर॥ तिलतं
दुलजवमेवाओर॥३१॥ कहूंदहीघृतमिलेसमान॥ होम
तनएकहूंपरमांन॥ त्रिपतिनईतहंतीन्योआगि॥ सिषाजा
वूसुरपदलोंलागि॥३२॥ अमतअसनकोजान्योनेव॥ तर
सतहेजाकोसवदेव॥ चासोवरनछतीसोयोन॥ नोजनजा
हिदियोनसुकोन॥३३॥ नोतवजज्ञअंतअसनान॥ तीपीछे
कीन्हेसवदान॥ करवायोपहिलेइमिजाग॥ जातेजगेदुज
नकेनाग॥३४॥ कवित॥ चासोवेदवेताधनुआपोहाथजेता
कहिकोसकतएताअवनीजहांलोदूरसा॥ रांमकविअंतिजा
अनेकआचारजओरगनतीगनवेकोनकेहेमतिऊरसा॥
जज्ञकेविधानवाजपेईरतनाकरियोंदीन्हेदानवादकिति
सुरसरिधूरसा॥ पाईतहांपीछेंजिनिदक्षिनाऊभूरिसीनिहा
रीतिनधामनिधनदकेसीभूरसा॥३५॥ नंदनतेनाकेजहांआ
भूषनषटरितुवनकवनाएवनवागतें॥ रामुकविकेहेजहं
देवसेनिहारयतकेतेभूमिदेवनिजगुनपरभागतें॥ जैसिंघ
सवाईमहाराजनिसुदिनजहांराजोगजराज ऊंचेऐरावत
गनागतें॥ आमेरिअमरपुरीतातें कोनसोहेआजकीन्हें जा
हांजागतेंअधिकसतजागतें॥३६॥ दोहा॥ जज्ञसमापतभो
जनेभयुआरतीभोन॥ कूंचउदेपुरकूंकियोलेनकाजनिज
गोन॥३७॥ जायउदेपुरमंतहांकोऊदिनरहेफेरिगोनो॥
लेआनंदसोंआपोनएआमेरि॥३८॥ रहतरह्योआमेरिमे
अवनीकोसतजाग॥ कियकुचासरवाचरीजहांअनूपमा
चाग॥३९॥ कामवकसकोमारिकेऊतेचहादुरसाहि॥ दा
घिनतेवहोसोंइतेभूपसुन्योफिरताहि॥४०॥ चौपई॥

श्रीजयसिंघसवाईतवै॥ कियोमंत्रमिलिनेंनमिलिसवै॥
पातिसाहश्रावतश्रजमेरि॥ ताहिजंगजीतैकिनघेरि॥४१॥
कूचुश्रमेरिपुरीतैकियो॥ कालाडहरांडेरादियो॥ चासर
पाचचारिरहितहांगयेडीडवानाहेजहां॥४२॥श्राइश्र
जीतसिंघफिरितवै॥ सांमिलिनएकहतयोंसवै॥ होरी
षेलतहांईवनें॥ टिकेश्राईफिरिसांनरिकनें॥४३॥सां
नरिमेयोनृपतिचारि॥ पहिलेंहीकरवेनहिरारि॥ तवदीवां
ननिधारीदास॥ पठयोसाहिवहादुरपासि॥४४॥नृपत
वेछांसौंकरिकूंच॥ टिकौरामसरपाघसमूंच॥ तबै मार
हटमेफिरिजाइ॥ तहांश्रजीकोश्रमनकराय॥४५॥ताको
वहुरिसोहश्रजमेरि॥ डारसकलदुवनजिनयेरि॥ वाचि
हिवानविषारीदास॥ पहुचेश्राइनृपकेपास॥४६॥करी
श्ररजतिनकरीसलाह॥ नाघ्योहुतोवहादुरसाह॥ श्र
सवारीमिलिचौटिकुमारि॥ उतहीसीघचहुरिनिधारि
॥४७॥कवित॥ श्रापोलेनकाजहौंतेजिनकोमहावत॥
षांनेजोसाहिवहादुरमहूरतहेरिहै॥ यामुकविकेहेता
केसंगमेश्रमारछितिपालकेतगनतीगननिजातिफेरि
हैजेसिंघसवाईवामोवालिकेंचचनुपहिलोहाकीन्हो
कूंचुश्रोरदुवनदरेरिहै॥ निराजानिकटकूदिलीसकोघ
निरातासिंघरावचिश्रानदियोडिराश्रजमेरिहै॥४८॥श्रा
मदनीसुनिकेदिलीसकीउतहिडतेकूरमनरिंदैमन
सहितसजीमहै॥ दिऊश्रोरकोरवाहिमगमेटिकाइचा
लरमुनजायाकहासरमुधनीजहै॥ छूटेगोजरकोसंगम
सहसटीलरह्योघांनिषानश्रोरनिकेहरषुनजीमुंहसा
हिजयसाहकेमिलायथालिघ्योतमामकीन्हांजहांईत
मामउतश्रिनीमहै॥४९॥दोहा॥ साहिवहादुरयोंक
ह्योनिरषिभूपकीश्रोर॥ सांनरिलेनीहैनहीछाननुमेह
करजोर ५० पुन कूरमसवाईजयसिंघश्रजमालचो

संकलन by मोहर सिंह मीना

उत्राए अजमेरि मेअमेटी गहिजो मनें॥ रामुकविकहे
तहांमगमेमुलाजमि मईघरेकढि निजफौजनकेतो
मतें॥ कीन्हीमनुहारघरीचारलौदिलासवहादुरसा
हीमलजमापोजनुमोमतें॥ छहहजारीमनसबघो॥
रामरणावकरीकलंगीसमतसीषदीन्हीदेदेनोमतें
४२॥ दोहा॥ कूंचुकियेअजमेरितें तबचोऊनरनाह
आपेपुहकरमेचहुरिन्हाचेकीकरचाह॥ ४३॥ साढोर
कीओरउतसुनतगुरूकोजोर॥ साहिचहादुरहुंइतकूं
चुकियेउतमोर॥ ४४॥ कोसछसातकमूषअिारापुहा
करआगेजाइ॥ चहुंओडतआमेरिकोंन्यकमधुज्ज
यछाइ॥ ४५॥ हैंनरयतिफागई टिकोनचाईआइ॥ दि
वसचारिकोंकेचलेरहे झिलाएंआइ॥ ४६॥ कटकस
हितमहीपालकीमहिमानीकुसलेस॥ करीनलीवि
धिसोंतेचेकरीनजरकरचेस॥ ४७॥ आएणेंनरनाहा
तबआचतनोआमेरि॥ चोइकियोनिजदेसमेंजनदु
षसकलदेरि॥ ४८॥ राषीकोकवित॥ सांचनसुदि
नपून्योनषतसचनजामेंजेसिंघसवाईमजलसिंघी
कठानहि झवामुकताहलनिवारीहाथराषीराषीआ
निदुजनिपदिपदिवेदचालीहे रामुकविकहेतहांनि
करनिहारतहीकेतपाहीमांतिएकति उरआनहि म
नोफूलफूलनिसमेतगहगहीमनोकलपतरोवरमे
लतालपरानीहे ॥ ४९॥ कवितदीपमालकोकों॥
पूरतसनेहसोंसमानसमानदसासवनेकीरामजो॥
तजागतेविराजमानगातहे॥ जंदुकुसपुंकरपलद्ध
साकसालमलिकोचेतहांएईचीहपछिसोहषातहे॥
जेसिंघसवाईमहाराजाआनिकीजेन्यावसुनींतेंनिहारी
सोचमानियतचातहे॥ दीपनोअनंतदेषागनतीगने
नजातपंडितअजाननउनाषेदीपसातहे॥ ५०॥ बांन।
कसांचनेंआलचालमिलिनाजनकेंजिनमेनरेस

नहसलिलकेसूलहै॥रामुकविकहेछविकोपैंकहीजा
तीपांसवारसेतवातीत्रोंकमनीयतूलहै॥नारसोनेनि
नहीकेछोरनमैंनिजोतिजागतहीकीन्हेतेविचारु
एउक्तिउरउलहै॥नारसोंनमितमनोरजतकेअंकुर
निफूलरनिफूलरहेत्रगनितसुचरतफलहै॥६४॥ल
लिताछंद॥सचतमत्रहसत्रडसछिमकातिकसुभग
महीनो॥कुंचुकियोत्रामरिपुरीतिंनृपजोरयरवीनो॥साह
वहादुरहूतेनहीउरतासुहजूरेजानो॥तासमएफिरिन
पोरटेराचोथोत्रानिमिल्योनो॥६५॥चौपई॥त्रजायसिं
घरटेराश्राय॥तिरवेनीतामेंचलिन्हाइ॥हुरदश्रादिदे
सिगरेहांन॥करवाएतहंजगपविधान॥६६॥कहीसी
तनानृपकोजहां॥परसनभईनवानीतहां॥वीतेउते
महीनासात॥करिचलेगेकुंवकीवात॥६७॥तासमत्र
एत्रजमाल॥मिलेभूपरघुवंससमासाल॥दोउनछोते
किपोयपान॥घनीत्रनीसचसहितसपान॥६८॥नारनो
लकेपथछेचले॥निवरानेमेनिकमेनने॥डेराजायचा
दलीपरे॥जहांमुकोमघनेश्रटकरे॥६९॥दोहा॥चितेवा
दलीमतेवचरषनृपउदार॥सरिसरितेंन्हाएचलिकुर
षेतमेलगेमहीनाचार॥७०॥कवित॥कृपसरिसरित
समेतजनिधिजहाउठपतिजानियेरतनलाललोनेकी
रामकविकेहवनगिरपुरीऊपलजितेकतिनहूको॥
नांनत्रानेगतिकोनेकी॥सालवनहूत्ररिकेकारको
महीनामेसचाईजयसिंघत्रापहीसोयहहोनेकी॥जाय
कुरषेतमेधरमहोतमहाराजहीन्हेभूमिचेचनवनाइ
भूमिसोनेकी॥७१॥त्रतिश्रधकाईभूमिवसनतुरंगता
तेमुनित्रनुहारिविधिसंकलपदेकरी॥रामकविकहे
कहवकोजुगजुगचातभईसकलमहिपालनेत्रा॥
करी॥मानकुलकसचाईजयसिंघजसुक्योनफैले
कातिकहीसरदनिसाकरी॥जहांपंडवनलोहनीरव

संकलन by मोहर सिंह मीना

रषाकरी हीजहांग्रापुसुचरनतीरवरषाकरी॥३०॥
दोहा॥गएलुहाउरनोहिएकरितहांतेरामासादोरा
मेजाइकैंकान्हेघनेमुकांम॥७१॥कवित्त॥कूरमग्रो
कमधुजदुचौछितिपालनिसादोरहिलगजातेसा
हिचहादुरकोपदुचीग्ररजैंयहजातसुनीसचवोतें॥
भेजेहिलीसलहाउरतेलिषिसूवाउतलग्रएमुजा
रातें॥ग्रजयसिंघसवाईउजेनिकहोग्रजमालतिन्हें
गुजरोते॥७२॥सादोरातेपूरवकीग्रोरकोसतीनुको
सरोवरजुगलरहेरूपसरसायकै॥रामकचिकहेम
हामहनकेवीचमेविराजमांचुरतजेड़ारतनसा
ढुकै॥नोउरिनमोचनसुन्योकपालमोचनरहतकहे
सोचनहरसजिनघाइकै॥कूरमसवाईजयसिंघतहां
दीन्हेदानसहितविधानकीन्हेग्रमनानजाइकै॥७३॥
दोहा॥सादोरातेकूंचुकरिगंग्रान्हानकीचाहग्राए
तवहरद्वारमेतेदोऊनरनाह॥७४॥कवित्त॥परम
पुनीतपुहकरकेसलिलपैठिपूजेदुजनएग्रिरथी
मतेवेद्वारमे रामकचिकहेसुचरनभूमिदानदेकै
सोईरीतिरचीपैरिकुरषेतकारमे जैसिंघसवाईम
हाराजकोसुजसफैल्योचरनसुधाकेमलनिधिपा
खारमे चीधेनिचकनिघनेकरिहरिद्वारमेतहां
ऊंजाहिग्रावतसहजहरिद्वारमे॥७५॥दोहा॥न्ह
इतहांऊंजाहिग्रोचैतसहंजेहरिद्वारमे कूंचुकियो
नरनाह॥चीचसामलीछेनचेयहुचिवाघपथमाह
॥७६॥पोसुकुछोड़ेरारहेउतहीपरवगा॥कालिंदी
ग्राएउतरिदोऊकूटकपगार॥७७॥कोऊहिनफि
रिसंगहीग्राएदुग्रोनरेस॥तापीछेकमधुजगोउते
ग्रापनेदेस॥७८॥तालकिषछेकैतेग्राइनरूकनि॥

और ॥ श्रीजयसिंघ पहार पर दुरग उडायो जोर ॥ ७९ ॥
हिनदुतीनकों तेवहुरि वसुवा मेरहिन्प ॥ आइ कि
येअंवा चक्तीघेरयन्न केन्प ॥ ३८० ॥ आरंभ्यो ताही समै
पुंडरीकतिन राम ॥ जातैरत्नाकर न एपुंडरीकइह
नाम ॥ ८१ ॥ चौपई ॥ गसमए सतरिके साल ॥ तकिब
संतफूलेतरुजाल ॥ वागवावरीछचिकोधाम जैनि
वासन्नाम्योनयनाम ॥ ८२ ॥ कवित्त ॥ सेवविहीषारिक
वदामघिसताअनारनातपांतीदाघनकेपातहु
नवागमे ॥ आतकटहखडहरसहतूतचेरआडु ।
सविनालूसोहैपरनागमे ॥ कमरखनारंगीचिरोंजी
अषरोटनारकेलअोरमेवातगनेंसमेतरागमे ॥ जा
हिकेजलूसजहांदेवनकेगोतमदाकेनिवासरहो
चाहैजेनिवासवागमे ॥ ८३ ॥ सहितसिंगारहारक
खीरकोचिदारवछलतिलकचारनिरषतिला
समे ॥ चरुनअसोकतनीसेवितीसिरीषसालपेंच
पकतमालतालहींतालहैपासमे ॥ चोलसिरीचं
दनअगरुनागकेसरधकजंचूजटीषिरनीनके
विलासमे ॥ श्रीफकदंबकेथसुरतरुसमसाषीछ
हूंरितराषीजोतिनाषीजेविवासमे ॥ ८४ ॥ फूलेअंब
अनिमांतिलकमहिमाहेन्योहीनयोपतझारलषि
मानकहेआजको ॥ वकुलचिसातिगरमोंतोगनि
लीजयतआपतिसुगंधजोलतानिसुषसाजको ॥
श्रीफलप्रकामकुंदइसितेनिहारियतवसितसि
रीषनषनपोरसमानको ॥ श्रोसरवसंतअनमान्योपर
नजान्योकिधोजेसिवासकेनिवासवोनिवासराजरा
जको ॥ ८५ ॥ वाधेजेवेलालनकेनेहवहजिमे ॥ रामकवि
कहेकुसविदुमरकनरोसगुलनतेंगन्योसालेमार

संकलन by मोहन सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

सहिनमै॥ हीरनिजटितहोदचाचचेठकनिषंनसोहा
तपदमरागलागपहलनिमै॥ चेतरथआपदतजैनिवा
सलेतआजईदकेनिकेतकीनिकाईमहलनमै॥८६॥
दोहा॥ बंधुनिकटआमेरितैजैनिवासकीराह॥ इंदावे
नरचनारचीफेरिनूपजयसाह॥८७॥कवित॥ उतही
करारकुंजलपटीलतानगुंजइतहिरसालचोलसिर
विलिआनते॥ उतहिफिरतरहेकामरीकलितकोन्ह
आपुहीआकेलेसदानंदगाइगनते॥ इतहिसवाईजय
सिंघथापेथिरकेगुविंददेवचननविरजितरतनते
धरमकेयनतेंप्रगटिहोसमनतेसकीन्होंचंदावनमें
सरसचदाचनते॥८८॥दोहा॥ नईचहादुरसाहकीरा
जविराजीफेरिराजुदिलीकोमोजदीलह्योदुचनदा
लयेरि॥८९॥करजयहिलेपोषमैतासमएजेसाहिकूं
चकिपोआमेरितेंआएसांगरिमांहि॥९०॥सांगरितो
सुनिकेतवेकूरमनपसिरमोर॥आएसिंघआजतफि
रिमिलिवेकौंत्यहिठौर॥९१॥गेसूषांसेपदइतेआइ।
हिडवनिआरालग्योकरनउतपातसुनिकोप्योकूर
मजोर॥९२॥कवित॥मेजीफौजसांगरितेसाजिकेस
वाईहिडवनसुन्योसेयदुजोआकहकहानको॥दौरिदे
षवेकोकुकोआंचरआमरतोमेराचतसमरनारीनार
तसमानको॥कूरमकेवाजेसादिआनेफेरिवारकमे
यादवीरजोगिनीजमातिवनावांनको॥मसहारीह
रषसोंजानिगेपचजहांआननसमेतगोगरवगेसूषां
नको॥९३॥दोहा॥कातिकमेंछंतेतवेकूरपुहकर
जाइ॥करातुलाजीकोउलाकोआवसकतकहाइ॥९४
॥कवित॥कातिकमहीनापुनातपुहकरतीरसोधि

सुमहूरत पून्यौ तिथि आकरी ॥ रामु कवि कहै महावारेजात
वारतहां दांन पंडिताईतैं समान कोउ कारी ॥ अमिता
उमाहन सौंगनेको उवाहन सौदी हे धुधुरित गजलेषि
जिमवाकरी ॥ सिंघरासि माहैरहुतीजेरासि तिनहीकी
जैसिंघसवाईचुधिवलसोंतुलाकरी ॥ ९५ ॥ दोहा ॥ पुहा
करतेआयेतवेमांभरिथानतरेसा तापीछेकमछजगो।
उतेआपनेदेस ॥ ९६ ॥ कांतेकूरमजाईकैहसतेरामेफेरि ॥
थानोराष्योआपनोआएतवआमेरि ॥ ९७ ॥ कैयकुदिनआ
मेरिमेतासमएरहिरांम ॥ नृपचाटसूजायकेकीन्हेतहां
सुकाम ॥ ९८ ॥ सहितउपायनआइकेमंडराकतिनगोत ॥
पाघनपरिमहिपालकैंनएकतारथहोत ॥ ९९ ॥ आयकरी
आमेरिमैहोराफिरिमहीपाल ॥ पाटलवरनआकासूजोजु
टतआवीरगुलाल ॥ ४०० ॥ कवित ॥ सतरिकेसालजोरका
लपसोचासोआरआसरूलिपोविचारिधरमकेका
जकोकंगरनिहेनघनेलंगरनिवाटिचेकोआयसुनो
जैसिंघसवाईमहाराजको ॥ ठौरठौरपरगनेजेतेजानु
घरगिनेंपहुचायोभोजनचूसनपूरेसाजसों ॥ सोगुरहो
महामहचाईकिहिएमेजतेलोगुरहो दुनीमेदुषनको
छीनाजको ॥ १ ॥ ललितछंद ॥ ग्रीषमसमसाजसतरि
केघरासांझसुहाई दलांमजोवागवन्योहोभूयति
आनिउहांई करीघरीचारिकलोमजलिसिलंगफु
होरछूटैनाछिवकोचरनतनेकविगेपाविधिसो
मतिउठैं ॥ २ ॥ कवित ॥ किंपुरषनइअस्वरूपको
हिरन्यमयहरिकुरुकेतुमालनरतउदंडकोरामु
कविकेहत्योहाईलावृतपठाईग्रीषमकेश्रीसरूप
रनहारछंडको ॥ जैसिंघसवाईमहाराजकेरिझायवे

संकलन by मोहन सिंह मीना

केहेतजिनप्रगटीउमगब्रह्ममंडकी॥हाजरनहुईहे
दिलरांमवागवीचनौहूनरनिकेमिसिएनजरितौह
षंडकी॥३॥ललिता॥फरुकसाहीदिलीपतिहोयहसी।
वनलगेमहीनो॥मिरजाईकोलिषिविनावयोंपठेनृप
कोंदीन्हों॥नाकीचासुकरासादीफिरिमोहरसुपेपनि।
टरी॥सरोपावघोरामोजनिमेकदेपठेमतिमेरी॥३॥कः
महाराजजैसिंघसवाईरीझिमोजनिमेसोजनिसमेतए
तुरंगचितरतहे॥रामुकविकहेजिनचटिवेरघेरियतफे
रियतवानिकसोंचांधिकेवरतहो॥परसतरागिनिप्रगट
परनागनिजेचागनिकेलेनलाइलेतसेपरतहो॥फरक
तरनवीचनारजनरनवीचकुंडलीकरनवीचिकुंडली
करतहै॥४०३॥काहेकोगहतमीनमानको दुवनिदोरि
ग्रोमरकोहेरिसुनेंनाषतगनकमे॥रामकवित्योंहीदि।
नकरहकीछांहकोंनपावतोछुवनफेरिवासरवनकमे
जैसिंघसवाईमहाराजकैसेंदीन्हेंतुरीजूपनेंरथनिदो
कुफाचतेफनकमे॥रांकतेनहोतोकछुझांकतेरहतुराह
नांफतेनिकरिजातेहांकतेछनकमे॥४॥मारिमरुरगरु
रनिकोतजिसुरजसातहूंनारिवनाई॥पोनकेगोनकी
रीतिघटीनिघटीचितकीसचचंचलताई॥जीनजरापा।
जेरकलधौतकीचासुषलीनसमेतपचांई॥तेचेतुरी
कविलोगनकोंवकसेमिरजाजैसिंघसवाई॥५॥चोपई॥
तवजैसिंघसवाईपोसा॥करीउजेनचलनकाहोस सूव
प्रथमवहादुरदियो॥फरकसाहिहुकुमग्रवकियो॥घ्रुं
चुकियोकूरमनरनाह॥चलिनेमालपुराकीराह॥तहां
मिल्योवूंदीकोधनी॥वुधिसिंघरापनिकीमनी॥७॥लीन्हे
वुधिसिंघकेसाथ॥वूंदीमेंग्रायोनरनाथ॥राउतिनैंहिफि
रिग्योतितै॥कूरमचल्योउदैपुरतितै॥८॥ग्यादिवानराज

अमरेस॥ देवलोकनेसुनीजुदेस॥तिनकेमानमजैवेगने॥एक
पंथदैकरजवर्ने॥९॥उठोलालगिनूपहीजात॥सुनिसंग्रामसिं
घयहवात॥कोसचारहकआगेआइ॥मिलेमहाराजहितव
धाइ॥१०॥आसरओरउदैपुरगए॥सबहीकैउरआनदभए॥
दुरदलरापेवहस्यौतहीं॥चलतहैचौगानेजहीं॥१५॥पाविधि
रहेमहीनांपोसु॥गौडादैकीन्होफिरिगोतु॥होरानईचीचि
तवराहु॥पहुचेचेतआवंतमाहु॥१६॥वीतेमासतहांछैसा
त॥किपोसहेलनिजवउतपात॥पुरेनूपडेराकटिफेरिदी
न्हींसकलयहाननघेरि॥१७॥पहूंचतभयोउमदहनिओर॥
अमुलतहांकीन्हींनयजोर॥धीरजसिंघमिलेतहंआइ॥
सुतासगाईकोंछहराइ॥१८॥नूपतवैफिरव्याहनकाज॥
गयोकोटरैसहितसमाज॥भयोतहांमंगलउतसाहनि
रूपकदानपायनिरवाहु॥१९॥जाइतहांतेझालनओर॥आ
हकिपोनूपतिसिरमौर॥तापीछेआएउजैन॥लागीवर
षाचहुसुषदैनि॥२०॥सूरजगहनसुन्योत्यहसालनपो॥
नसोविधिकोकछुघ्यालगह्योराहसासिकोद्वैवार॥ताकै
यहजान्योनिरधार॥२१॥कवित॥सागरमेपियतपियू
षइनमंजकरिहरिकोवनापोनेदुनिजबुधिचंदसों॥
रामुकविकहैतातेसमुझिमानचैरुदोऊनसोदाउली
न्होचाहैकेपोछंदसों॥वाकेवंसदेपिकैसवाईजैसिंघ
तोहिबोलिनसकतवातेंडरपतदंदसों॥पाहीकोगहन
वारवारपूतैमेरजानसूरजकीकसरिनिकासेराहुचं
दसों॥२२॥दोहा॥कूरमआजयसिंघजगतविदतउहचात
अरघोदैसमएदएसुचरनसागरसात॥२३॥कवित॥दू
नमोलमोहेरेचिकानलागीजगतमेपाइयैकहूनहे
रिहेरिघरपरतोजैसिंघसवाईसातसुचरनसागरतो॥
वनवापचांद्रोसुन्योंअरधोदैपरतो॥जलविधिपानीमे

संकलन by गोपाल सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

मिलांनी जांनी द्वारका ही लंक तो चक सिद्ध ई पीछे रघु
वर तो ॥ होतो कहूं निकट तो मेरजानु महाराजु सिंधु एकु
सकल सुमेरहू को चर तो ॥ ४२० ॥ दोहा ॥ पुरा नूप उज्जैन मे
किपो सवाई नाम ॥ सिद्धा के निकट द्विज हां महल वनेऊ निरोम
२१ ॥ करी जाइ मिलिकें उतै सकल रुहेल नधम ॥ चहुं सुन्यो
घल नल पसो छत्र साल की नूम ॥ २२ ॥ सांहिजे हां पुर के तवे
कूंचु किपो उज्जैन तें कूरम सुनत कहाउ ॥ पंचम को इह चेर
मे करने जोगि महाउ ॥ २३ ॥ साहिज हां पुर के त चे नूप धरम
के धाम ॥ सागर पुर सरिता निकट की न्हो जाय मुकाम ॥ २४ ॥
गायत्री उपदेस जित लियो जने उठि जगन्नाथ जो सीना
ए जाने फिरि सम्राट ॥ २५ ॥ ता पीछें आगे चल्यो कछवाहो क
रि को हु कहूं तें नेजि पठाने जिन की उतिपत राह ॥ २६ ॥ मिले
नूप सो आइ कें छत्र साल त्यहवार ॥ कहो रुहेल नि की कथा
जो जातें निरधार ॥ २७ ॥ जानि रुहेल नि को तबे नूप नेल सा
और ॥ घरी चार लागी न फिरि करी तहां की दोर ॥ २८ ॥ कवि
त्त ॥ आपे नेल सा की सरहद सैन साजि के दलेल षां रुहेले
संग जे न काले तें उरे ॥ रामु कवि के हकूरम उमंडि ते वे का
टि काढे चाढ धरा सकुंन से टरे ॥ सोनित के ताल चिकरा
लमे निहोर तहां मोर करा चोलि नसों के यो करंडी नरे ॥
ईद सम जे सिंघ सचाइते सकुन दी मनों फेरि पर वत पा
राचार ची चिमपरे ॥ २९ ॥ दोहा ॥ की चक लोजन को दुपद
सकल रुहेले जाति ॥ भुजदंड निवलु भामसे की न्हे कूरम
आनि ॥ ३० ॥ कोऊ चा सर नेल सेंर हो नूप तवजाइ ॥ नदी वे
तवे पास मे जलु पुनीत सुखदाइ ॥ ३१ ॥ मिले नूप सो आइ त हां
मडरी कजे और ॥ रहो न को उमाल वे ग घरगहे मरोर ॥ ३२ ॥ उ
तरि नर वदा को उते दछिनी न की सैन ॥ चोथि और उज्जैन
की लगी अचानकलोन ॥ ३३ ॥ सोपूनि नो पति नेल सा तेतव
साहिउमंग ॥ पहुच्यो आनि उज्जैन मे छत्र साल हे संग ॥ ३४ ॥

दौरिकरी उज्जेनतें ॥ कूरमगहिवार ॥ दुसहवरगवरगी
नकेकीन्हेंरवांपार ॥३५॥ कवित्त ॥ पोहवाकुचलीवि
सुनेसकेसवाईगढगादेखेलनासेकामज्योभरगहे ॥ वि
रामुकविकेहपाहीविकरालकोपुकरिभुजवलनेजेम
वेसेपदसरगहे ॥ विरुवनितीननकेचदनएईचातेपासे
वाचतनकंतकिरवानलेकरगहे ॥ पाहीडोरिडारेमारे
दौरिकेंदलेलदलपाहीमीडमारेवरगीनकेचरगहे ॥३६
चौपई ॥ तहांमानधातोभुजाइदियेदानरवाकोन्होइ
आयोनूपअवनीफेरि कीन्हेजअविप्रसवेरि ३७ मां
गेोछन्नमालतवयहु गढयहएमोकोलेदेहु महाराजु
बोलेयोभली चलोउहांईकोफिरिचली ३८ गढयह
रामेयहुयेफेरि लीन्होंघरीचारमेघेरि देवहछन्नसाल
कोठार कूचुकियोइनवामनऔर ३९ आइदसानस
रितकेंपास तासमयेंचितयोचोमास होकलेसवेरिन
कोजहां ४० फिरिफरमानुयहोच्योआनि फरुकसाहि
लिष्योसुषमानि अचतुमचेगिआइयोइतै नायवुराषि
अवंतीजितै ४१ पूनितहांदसराहोनूप कियाकूंचुआनं
दसरूप षुरहीवासोधाकेकेनं नेमुकामसिरउजदिन
घने ४२ फेरिकरोनामिनरनाह कीन्होंआयआपनों।
व्याह हुतीसगाईपहिलेभई तेवटटरांजोमुनिलई ४३
गोडदेइतहांउमलो जावकरोरजोरदलमलो आयो।
नूपआमेरिहीसोइ रहिकेंतहांम्होनांदोइ ४४ चालेो
दिलीकोकरिवेग मदोअरमलरकेतिनतेग चीच
व्याहवजरानैंनयों गोंडानूरिनिषारिनदयो ४५ आ
वतहीआगेफिरतचे मिलेअमीरआनिंकैसचे डेरा
कियोवादलीमाह नईईदगहआरपछांह ४६ वासरा

संवत १९२१ मोती

ओर जाइकै किले निधि रूप फुरूक साहि मिले किये दि
लीस चडो मन मांन कहि को हि कूरम सन आंन ४७ दिये
ईजाफा अंबर जरी मनसे वाहन घन सेकरी अगजरा
उघंजरदाल कलगी मुकुताहल की माल ४८ दोहा
ताहि मोहल्ला नृप फिरि सजि निज संगडीठि यो दिल्ली
सकी के सरिया सचरंग ४९ कवित्त दिलीतें अंग्रेज
वी ओर को रवंधी फौजन की तुजुक तन वाचवि करतल
गो लागमे वपतरपो सपषरे ता मिलमन वारे गोल
गनिवे कों गनती कहू न आपामे धंरांधसकतिजा
तिमांनियों दिल्ली सली न्हों नारुगहिवे की सकतिम
हानाठामे गडिगए गरदअमीरन के गोतहोतजय
सिंघसवाई को मोहल्ला मोचीवागमे ४५० नाथो
रामहरषित का दिल्ली सचारवारवचन उचारत हो
सुनें दोउ ओहमें दीन्हे जात को नयें मोहल्ला आज ए
सी भांतिजोते मे दुनी दिगपालन के जो महे जे सिंघ
सवाई के निसो न फहरात वान गरजें दुरदभांन पर
सतसो महे जहां जहां न नृपसारियतचा सो ओरतु
होतहो कूरम की फौजन के तो महे ५१ दोहा नृप
नजरि की न्हों तवतु रजवाहिर पीलजो दिल्ली सराजी
रह्यो दिनदिनचाढतसील ५२ आयो डेरां नृपके अ
वदुल्ह घांफेरि फुरूक साह दिल्ली सकी चाह चो गु
नहिरि ५३ या विधि सों वातो तहां वरणा समयो दे।
षि फुरूक साहि महीप सों भाष्यो वचन विसेषि ५४
जाट मवासी के रहति न्हें विदारन काज साहस को उ
गाहिन हिंता को कहा ईलाज ५५ कवित्त साहनि
तगीर की न्हों ओलिया ओरंगजेव रा मुकविओरो छि
तिपाल तिन्हें गनी को नेऱ्यो महाराजा विसनु सिंघ को
विरचिताहीतूं खोजटवारो जेतवारुअस्त्रीनी को

यातेसेरफरुफरकसवाईजयसिंघसोवषान्योत्राजु।
तोविनविदोरेचरामनीको॥ जालिमजटानकेजलाव
चनकरिवेकोवलपातिसाहनकेंत्रामेरिकेधनीको
५६॥दोहा॥ याविधिवचनदिल्लीसकेसुनिसनेहस
रसात॥ क्रूरमजाटमुहीमतचलईचितेवरसात॥
५७॥ अमितअरावेंत्रोरऊदईवांइसीसंग फरुको।
साहिमहीपसोनाथोसहितउमंग॥५८॥कवित॥ के
वकरिचारहंतरफदेदरेरकोजोनकढिजानपावेंहैके
घटवारेमे॥ रामुकविकहेयाकोतेहीसमरथघरगाउ
पुरचरचाचलतहटवारेमे॥ नाथोसेरफरुकसवाई
जैसिंघत्राजुरावरेंचुजनपरिकेतेनटवारेमे॥रूपोच
चैादिग्घमेनदिग्घजीवचूरामेनचूराचचैथनिमेना।
थूंजटवारेमे॥५९॥दोहा॥ तहांपूजिविधिसोतवेदस
राहोनरनाह॥जटवारेकूंकूंचुफिरिकीन्होंसहितउमाह
६०॥ होदिलतेंसिंगारहैकामेडरांकीन॥जटवारेषलन
लयस्योनेत्रारवदनमलीन॥६१॥ईदरोलीतेंकोसहेत्रा।
गोंत्रायोफेरि॥नएमुकामतहांघनेगएदुवनपुरथेरि॥
६२॥कातिकपून्योन्हयतवहांतेंराधाकुंड॥न्हाइचहुरि
त्रायोतहांमाडिचीचित्रारुंड॥६३॥कूंचुतहांकेवीचिव
सिनयनहरिकेतीर॥नोरनगरत्रायोतवेसगरवंसरन
धीर॥६४॥वहुदिनडेरानगरमेरहेतहांतेफेरि॥मुंडहेरा
कीत्रारंभेलागेथूंनिगरेरि॥६५॥नयोघोरघमसानदोमुं
डेहरात्यहवार॥महिपालीयलत्रारिनकेगहिक्रूरमकरा
वार॥६६॥कवित॥ राषीनेंकसीमनांहिजिनवृजमंडा
लमेंत्रोरहीतेत्रामितनगरगाउषेराकी॥रामुकविकहे
तवेजोमचोरजटानकेतोमकीन्हेकतलानकरीतिजि

संकलन by श्याम गोयल

मिकेराकी॥ जैसिंघसवाईकेसुभट चिरचेतेजहांचढ़िच
ढ़िताजीतुरकीजुरंगएराकी॥ सोतिनकोंपारावारचाह्यो
गहेकिंवारभूमिकोउतासोनारमारुमुरहराकी॥६६॥
करिकरिकहजहांजैसिंघसवाईहावादागनिकेकाढ़ि
काढ़ेसोचरिकै॥ चाह्योसमेईसकोंहियमहारुपहिरत
जोमगंगजलचिंदआनिरहटरिकै॥ रामुकविकहसु
रसरिकोसुनाउदेष्योआईमुंडफेरिउनरुंडनिमेपरि
कै॥ वेलघढ़िचढ़िमुंडहेरातेचलतभएसैलकीडगर
जरासीसजहाधरिकै॥६८॥ चौपई॥ चढ़ेरिदांतलोठी
कीओर॥ आनियसोजारनकोजोर॥ तहंजोरावरसिंघ
पहोंचि॥ करीकराचालीनिजऊंचि॥६९॥ देवसिंघरावा
तकोतनेआयोराषिआपनेपैनेभजिगेअरिवरहिम्म
तिहारि॥७०॥ कवित॥ इतेओरअपनीकेउतैअनीजा।
नकोवनीतेंनिकरिघनीगानीगाढ़मनकी॥ रामुकवि
कहेगोलागोलावरषनकावारुविरुद्धनकरषनिपूरे
पनकी॥ जोरावरसिंघसिववृंदपोताकीझपटितकला
जीनाजीयाउकुतिहोताजनकी॥ छयरहीगंगनसघन
जेसेचलिजाहिंजोरझाषोनकाझकोरघराघनकी॥
७१॥ चौपई॥ व्याहकिएनयचितचाउ॥ प्रथमभतीजो
वृंदीराउ॥ दुजोचेटीहाडाजीम॥ दोउगनियतेजोगनती
म॥७२॥ माहीभूपतहांफिरकीन्हो॥ मोहनरूपअनूपसंचर
जरी॥ नलकीपारिषचलकीतुरी॥ हीन्हेजलकीगतिनि
जिपूरी॥७३॥ कवित॥ सुधाकेवरनछकेसारदावसन्
जातिसुजसवितानभूवर्मडलपटतहे॥ जेवेउजराई
हिमहारईसकोपहारचंदजातिसुरसरिधारतेंच।
टतहे॥ जैसिंघसवाईमहाराजकीजलसचारीकोस
केवषानिरांमरसनारटतहे॥ सागरसुलिलदोरि
जीनेनिजराउघोरजरजरीजोरसाझीमोजनिकट

तहे ७४ चौपई कोंतेंनृप दाहिनाओर डेराकियो
वाघिगदुपोर मुंहेरा कोपी छेडारि लीन्होंदुचनज
हांतेमारि ७५ कूरमसिंघचहादुरनाम जितआपोपा
आउतकाम करिकरिलेजगएधरदला वांधतहीं
तहांमरदला ७६ सोयआरमुखाफिरिलगे निकसि
जातासंगरमेपगे मांचीजोरहीतेउठिगारि वरयालोह
मईमनुहारि ७७ जझिआरिउदमटवेघनेजनाजे
तेजातनगने दीपसिंघसेघाचतइते घाउलगेपाति
नकेंहोजितें ७८ ठाकतहांमुरचांनिजनए वांदजो
टनकोंदुघनए यूंनिघरिलीन्हेयोदोरि मिल्योतवे
चूराकरजोरि ७९ दोहा नृपतवेदिल्लीसकेपासप
ठयोजाइराहचलाईपथकतेंहीरघतनएनिराटु
८० महाराजतचथूंनेतेंत्रसांनेछआइ जज्झमकपु
रीमेकिए दिएदानसरसाइ ८१ कवित्त वाहीमेदूर
दगटगंजगनीमनकेअंजनचरनकुमुदंजनेसचन्ह
है वाहीमेतुरंगवाहियतनिजचटनेगअहनिसिरहे
वेगयोंनकेसलीन्हेहै रामुकविकहेवाहीमेरतनवा
सचसुवाहीमेपठाइतनकोजनेउदीन्हेहै जेसिंघस
वाईमहाराजरीतिनिगमकीएकमथपुरीमेंअनेक
दानकीन्हेंहै ८२ चौपई कूंचुमथपुरीतेनपकियो
पंथुसेरगटकोगहिलियो पहुचेनिकटिदिलीकेजवे
आइअमीरमिलेफिरसवे ८३ मिलेपातिसाहफिर
जाइ फुरुकसाहप्रतिसरसाइ नपकोंचेगिईजाफा
कान वहुसोमानमराचतिवदीन ८४ नायोहेफिरि
फुरुकसाह डेराआइ डुटाहरनाह महिमानीपाई
अरुटिकेमनोहाथकूरमकविके ८५ दोहा फुरुके

संकलन by मोहन सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

साहिमहीको जोन्नूपनकुलजांन दिपैराजयोजेंद्रपद
किपैचडोसनमान ८६ दखिनेमैसेयदहुतोहमनत्र
लीषांनांम ग्राप्सविनादिलासकेग्राचतसुनित्यह
राम ८७ ग्ररदिलीपतिसोकरीकूरमधनीग्रमरि हु
कुमहोयतोचाहिउतग्रवहीदजिफेरि ८८ मतिपल्ल
थदिलासकी नृपकोकह्योनकीन सेयदकीप्रतीतति
नमानिग्राइवेदीन ८९ सेयदकरनमुलाजमतिस
कोग्राइत्यहवार ग्ररलिषादिलासकैपा विधिसोनि
रधार ९० कूरमकैदसीषजोह्यंतेदेहुपठाइ निधर
कतोमेरावरेचरनविलोकोग्राइ ९१ फुरुकसाहिमही
यकोछमहनाकासीष ह्वईविगिताहासंभचचनवोलि
जिमईष ९२ चौपई उतरुचेगिदीन्हींजयसायताहि
हजरतिसमोसीषकोनांहि मोमेछलुजानोग्राप इ
निसंचनविचासोपाए ९३ नातेमोहिवनेनहीजात
ह्यांग्रवएकरिहैंउतपात पछितावेपरिहैफिरिग्रा
सुलाषमांनडरुतजीनचासु ९४ फुरुकसाहिको
ह्वायहफेरि ग्रापुसुचितपहुचोग्रामेरि ९५ चाकरवि
यरातनकरेसेयदहैतुमतयोडरै ९५ नलीवातयों
कूरमकही हजरतिहुकमकरेसोसही दिलीतेउ
ठिग्रायोतवे वरनतयोकोविदजनसवे ९६ कवि
तो नोहीलोग्रदचुदसोंदिसिदिगायालनूकेतोहालो
हुकुमतेजकिरवानकताको रामकविताहीलोमुर
मुरस्रोनषतकोतोहीलोग्रमीरनकेनावसिरताको
सिमतिहमीरमहावीरविसनेसतनेजसिंघसवाई
तोहीलोसंसूकसताको तोहिउठिग्रावतेदिलीते
दिनच्यारिकैमेंउठिगयोग्रालमतेंग्रमलुचकता
को ९७ दोहा स्वारीलोनृपकोतासमए फिरिजे ।

न सेयदपकरि दिल्लीसकोलियोजा निजियघात ॥ ९८ ॥
कवित्त ॥ कहादेषिसनीतिसहसचलुदूनोगह्योगह्योमाहि
छलुकैरह्योनहिएउरतो ॥ चिललाइवेगमेवघनयहवै
गमेसुनायोतिनसेयदकोलेषिजीवजरतो होतोकहइते
एउदारधनीआमेरिकोजेसिंघसवाईतोविरचिरोसनरितो
तवतोहिजानयतहसनअलीषांएरेएतीवातआगेजवकूर
मकेकरतो ॥ ९९ ॥ दोहा ॥ सुनतचाहियहराहमेआन्योकूरम
कोप ॥ कह्योसकलसेयदकरोसहितजानिमठलोप ॥ १०० ॥
गयोनाहआमेरिनपद्योसांडराकीन अनीघनीराघीतहो
फिरिदिल्लीचितदीन ॥ १ ॥ फरुकसाहिमारिउनकियोदिलीप
तिआरयहसुनिलगेविचारिमेकूरमनयसिरमोर ॥ २ ॥ मि
टिफरुकसाहिअवओरपायोकोइ जातेछुद्रनिकोमहतुहि
तिमेंनकुनहोइ ॥ ३ ॥ उतेआगरेमतवेसीसछत्रनिजधारि ल
गेपापतिसाहीकरेनेकूसेरविचारि ॥ ४ ॥ महाराजतोहीसमै
पाविधसुनतकहाउ नाथोनेंकूसेरकोकीवेजोगसहाउ
॥ ५ ॥ दिल्लीतेंसुनिसेयदकीआमदनीकोसोर पलनलेनेकू
सरकेपसोआगरेंजोर ॥ ६ ॥ चौपई ॥ नृपयहचरचाफिरिपाइ
हेासोतेंआमेरिहीआइ तहांवेगिमम्रतकीनराजसंकल
पेविप्रनदीन ॥ ७ ॥ तिनसोंयाविधिकोठिकुपारि जोहमजीति
आगरेंगारि फेरइतेंआवैज्यहवर तिहिमिलाइदेइधनु
हय ॥ ८ ॥ नतोतिहारोहइहांउ चाहोसोकरियोवलिजाउ
योंकहिकियोकंचुगहिचैन टोडाजायटिकोलेसेन ॥ ९ ॥ हि
लेहसनअलीषांआइ मारिआगरेलियोछुडाइ ॥ १० ॥ दोहा ॥
तषतचेढवोआपुहसियदचाह्योठाटि लिषियठयोतो
कोंतहांकूरमयाविधडाट ॥ ११ ॥ कवित्त ॥ जाकीसेलकदे
तेंसहजदविजातमहादीरघदुरदमदखरसमदीवके
देसिपतीदहसतिमानचेचिकतउगडगडोलेंनगरनि
कतकीनीवके जेसिंघसवाईमहाराजकीधरामेधाकही
तराषोधीरजदुवनधरिजीवके कीन्होकोपसेयदपैकी

संकलन by सोहन सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

न्हौंजंगजीतिमनलीन्हौंमननीतिनफौजनकोमहोछाडो
डानीवकें॥१२॥दोहा॥हसनअलीषांआगरसुनिकैविष
साह॥कीन्हीनयसौंआपुहीताहीसमुझमलाह॥१३॥न
ईपातिसाहीतहोनईमहमदसाहि॥कछवाहेकीयेड़ि
तेकोनहिकहतसराह॥१४॥दाडातेंआमेरिमेंनवआय
नरनाहलीन्होगजमिलाउदेविप्रनकोकरचाह॥१५॥ह
तनपोआमेरिमेनपकोउदिनआइ॥फिरिचालआउजो
धपुरहतुव्याहचितलाइ॥१६॥कियोव्याहतहंजायकेन
यसहितसुनमाजनहींदाउदीरघनयोजाचिकदादिना
ज॥१७॥इतआगरेतेंहसनअलीमहमदसाहि॥कुचुकि
योआजमरिकोंदुदाहरकीराह॥१८॥महमुनिकूरमनोध
पुरतेचालेआमेरि॥यदटोडानीवकेउतरेआनग
रीं॥१९॥मिलिमुगलनिवहेसयदकोमासोटाडामाहि॥प्र
वरघुवालीकीतचेमुनीराहनरनाह॥२०॥माहिमहमु
मदमुगलसवआरूकूरमकीसेन॥दाडातेफिरिचलतने
दिल्लीकोगहिचैन॥२१॥आवदूलहषांसाजिकेदिलतिस
वटानिकरिमहमदसाहिसांनिसोसरगढवाट॥२२॥
पूतेमहमदसाहिकीनईतहांत्यहवार॥आयेआयेकर
ह्योकूरमगहिकरवार॥२३॥कवित्त॥काहूकोनमान्योकी।
ह्योसवनउमेड़रह्योगरबुआनंतगह्योआरहतिहठको॥
छाडिनिजधरमेंदिल्लीपतकीहरमेंनिजोटीपैठिधरमेंक
टियासाहिकठको॥मारतमोजुधजहांचीतगोतहांनजू
ऐोजीवतपंकरिआयोवैरीदवमठको॥कुतवलमुलकआ
जानजानजांनसठकोसुमेरजानयाहतिकबेानजानिस
ठको॥२४॥दोहा॥साहिमहमदजीतिकै चिकटसरगढ
रारि॥आयोदिल्लीमिलियंआवदूलहकोधारि॥२५॥सोरठा॥
छांतेभूपतिफेरि॥आयोनाहआमेरिमें॥छकेंसांगानेरिपहू
चेादिल्लीकेनिकट॥२६॥सुनतमहमदसाहियहयोमहा।
मदअलीकोषंनदिल्लिकेाहिआगटरिलीज्यईन्ह॥२७
॥दोहा॥याविधिनृपदिल्लीससांमिल्योजायतयहवार॥साहि
महमदसचनतेंकीन्हीकपात्रपार॥२८॥चूराकेपाछिउतथू

निमहमौजांनि साहिमहम्मदकोंलगी फिरमुहमकीवां
नि २८ वदनसिंघकोमोहकमाछल्लुकरिलीन्होधारिता
कलोगनिनूपसोंकरीफिरादयुकारि २९ महाराजतव
साहिसोंकछीकथायहजाइ हुकमुहोयतोथूनिफिरिदीजे
तूरचहाइ ३० सुनतसाहिचितचेतनभोदईचाइसीसंग
योजाघ्योमहिपालसोंकरोजाटकोजंग ३१ कवित्त
महावीरमुगलमुदफरषांआजमषांनातीजोफेरिवो
कोमुन्योहिनआजकोंचंगसमहमदषांसावितषाको
लवारोजंगजुरेअलसमानहोतगाजकोंइरादतिवंद
षांनिहासोमीरुमुसद्फकरीनीरफौजनकीवीरतुरेवा
जेकंसाहेवनौमतिएतेउमरायओरघनेसंगचणेजसिंघ
वत्सचेंईमहाराजकों ३२ हाडावुधसिंघवलाचंदको
नरिंदरामजेतसिंघकामाकोधनीजुसचलाइकेनर
वरछत्रसिंघमनोहरपुरीसकतेसवाकाउतलचाइनि
चितचायकोजेसिंघसवाईमहाराजकेमहीपसंगएते
रामचंदराउदलपतिरायकों ३३ दोहा दिल्लीतकूरम
कियोजटवारकोगोनरेनुमलिनुश्रेचरलगीनिसिवास
रमेहोन ३४ वदनसिंघकोमोहकमांछांड्योयहसुनि
चाहमहाराजसोंचेगिवहुआनिमिल्योतवराह ३५
कवित्त श्रीजेसिंघसवाईषिऊंनिहचेयहवीसविसे
ठिकुठाटौ जानिमिल्योजयसिंघथूनिराजसोनाजिदि
गंतनिमेदिनकाटौ आपनेचासोंतनूजतिनेअसुरुआर
निसीषसीषाचतिपाटौ गोनहीजानोपुकारतिहोंश्र
चेषोश्रसीकीपरोजननाटौ ३६ दोहा परषोहरीजा
येकेनपकेंडगफेरि लियोजहांतेवेरदुकेकेनगरुगुर
रि ३८ नयोघारघमसानजडमुडहेराकीचाटजितही
जानिमुकामगेउपरिपरीकरिजाट ३९ महाराजकीन्हो
नलोमनसूचायऊटलीजोगदओरसवेथूनिरहेगी
दूटि ४० कवित्त विहवलवेरदूनगरतेनिकसिगए
तसीमेतरासहतिमनोमोरमोतनोलूमेगलितगात
नटकेनटावलीमेवनीमेवनीनसिनसिनीविनओत
जेजेसिंघसचाईमहाराजतहींतेरतेजसोषमेसदय

संकलन by मोहर सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

टानजाटनकेगोतमेंहांकहीतेहिममतिहिरानीएउदा
रनकीधाकहीतेगरदगनीमगटहोतमें५४०॥दोहा॥
लग्योनृपतवजाइकेंघरिजनूथरओर॥नईरारिहिन
चारलोमारिलईनुजजोर॥४१॥कवित्त॥वद्योमारजय
सिंघसवाईचद्योसंगमाजिसबलसुनटनिजतनके॥
रामुकविकहेमारिमुरचाउडायदीन्हेहतेआइउन
आमेरजेवनके॥लीन्हीघेरिओरचारहतेगढीगाढी
करिगाढीकरिगएजाटकेकहीनयनकेछुटतजनू
थरकेथूनिगटछूटियोजाटीछूटेंप्रानछूटजातजैसे
जसेंजनके॥४२॥समरथनंदरामचंदकोधनुषपर
सतसिंधुसेतकेपषानजिमफूटिगे॥रामकविकहे
जोहीकीन्हकेदरमयपचैरावसुदेवधारकेकपाटघ
टिगे॥चारषेतचानगंधरवकेचलायेजैसेंअजकेअरी
नकेअमितबलटूटिगे॥जैसिंघसवाईमहाराजतेरी
धाकहीतेऐसेंमहागाढगटजाटनकेछूटिगे॥४३॥ओ
नागंगद्वारहांतेसेवाकरिजतनसोंपीछिलेपितरका
जतिनहीकीगटीके॥रामुकविकहेतेवेआपनेवडे
विचारिजेसिंघसवाईआजुऐसीरीतिटीकेजैसमां
हिमंडलतेजालिजटाउषारकोनेंधोसंधस्विानिरष
तओरनटीकें॥होतीजोनगारथकीनेकुनकजाव
डीतोमिरजानचीचतेंजटानधूरजटीके॥४४॥चौपई
देगचालिथनृपकीनदुरगवनोनिरषीसवडीनतहां
जाटधरषरहरचलोकेलावीजबवायोंलोहांतेआर
सचेउमराउविदाकियेकहिदिल्लीजाउदेदेतोराकरी
करिंदयथाजोगिजयसाहिनरिंद४६महमदघोंवंग
सफिरिगनी॥छत्रसिंघनरवरकोधनी॥चोकीराउबुधि
कीओरईंद्रसिंघनृपसोपुरगोरारामचंदृदतियाकेराउ
वाकाउतरनओटलसुनाउ॥महाराजएराघसंगचलम
धुपुरीदलचतुरंग४८चासरिएकदीघमेरहे॥चदनसिं

घकेनेचितचहे महिमानीतिनकीनपकरी नजरिमहो
रचांहनदेकरी ४९ राधाकुंडरह्योफिरजोर आयोमथु
रानपसिरमोर ५० उतेकलीजघांनहोयपसौ नौरंगाकी
दिमित्रटकसौ सुनतनवावसमेत्यहआइ नयसोंमि
लौप्रीतिसरसाइ ५१ दुहूनकूचुकीन्होउठिजोरडेराइं
डीपुरकीओर नएमुकामठसतकजितै पातिसाहिलि
षनेज्योतितै गोपवारयाटीनजिजादु उटैनचांचेकीजो
ठाटु ५२ चलतकलीजहं दष्यिनरीह छांतेकूचुकियो
नरनांह आइसांकरीडेरायसौ सुनतमोहमांवहुसौंघु
सौ ५३ नज्योतहांउतेग्रकुलाइ निकस्योउतेघोहरी।
जाय छ्योकहूंवहमरधरुमांही सोचहप्रगटभयोफि
रिनांही ५४ छैकेरुपवासचलधाम नृपपयानकेरमु
काम नहांसिकारचाघकीनई थोरीवहूतईनोमेदई
फिरिफरुमांनपुहोचीओंनि समाचारजियमेन्यजानि
वेगिपयांनतहांतेकियो जाइसुनाउरडेरादियो ५५ घा
सरिन्नरिसुनावरिचितै रहेमहीनकुमहुवाजितै झपट
वाजकैसीफिरकरी मोरामीडतलागीनघरी ५७ छांते
नाजिगेयेचहूंहांन कूंनाजिनेवेदियोठिकांन वरवारामे
होराठोर करमकरीतहांकोंदोर ५८ ताहिदवायोसो।
अकवका मनजाचेंलीन्हेंतवटका रहेओरजोगहिगहि।
किले दैदैदंडओंनितेमिले ५९ चेलानिजनाहरयांनांम
साहिमहमदकोउकांम पठयोहुतोजोधपुरताहि हन्योग्र
जातसिंघतववाहि ६० आपउमडकीन्हीफिरिजोरचल्यो
साजिदलदिल्लीओर सुनतसाहिउरउपज्योकोप सजी
वायुसीदेवहुनोप ६१ सोवहैरवारीलोंग्राइ आगेचालि
सकीनडराइ इतेंग्रजीतसिंघदलवंडो तिरवेनीकेझाडो
गडे ६२ लिषिपठयोनपकोंदिल्लीस नोचिनहाइहांमि
सवषीस नातेवेगिग्राईयोआपु गोइनसकलग्रमीरनि
दापु ६३ नपसुनिवरबोरतेचल्यो दलकेभारभूमितलु

संकलन by शेर सिंह मीना

हल्यो आइरहेद्यो सादिन तीन रहनांन गढकीगहिलीन
६४ निकसतनएअजवगढन्हां हरषुवायसीकेसुनिता
हां ह्वांतेआईनईसराय पेउवैसांमिलनेजाइ ६५ दोहा
आपअमारनिनूपसोंकीन्होमनुविचारि तिरवैनाकमध्य
जदलुहैसमयोंइहरारि ६६ महाराजउरआंनितवैवैवच
वेकेनांहि तातियोकरियेनउ ढिसआपनेजांहि ६७ कूंचु
किपोतहीघरीलेसवसंगअमीर आंतेलाकेआइदलउत
सोतटनीतीर ६८ लिखिपठयोअजमालकोनपतिआपुउ
छिनाहु समरैअबराषमुकै परेनविलंब ६९ क्रातेकीनो
जोधपुर कोउनवेगपयान वीविराषअजमेरमे गढउपर
निजथांन ७० महाराजकुतामसे सहितसवाईफेर को
महारिआंतरिटिके घेरिजाइअजमेर ७१ कीयोवाहि
गढवीटलो सुरवाप्यांकूं ओर सकलउमीरनपेउ कै नै
कुनपोप्योजोर ७२ महाराजअजमेरतै तामसए मु
नजोग चित्रकूट पठयेपुरा करनकाजनिजलोग ७३
वातपगीओरवै नेउरषारथहीन महाराजगढवीटलो
वातनहीओलीन ७४ सुनतअजीतहि मेरतो नृपअम
सवउमराउ कुंवकीयोअजमेरनें चलिनेचितउतल
७५ कोसअमारअजमेरतें कीलोतिलांमुकांम वातकहो
उकमथक्कोहोनलग्योपरनांम ७६ बजदिनवीत
गयेतबौ वत हाउतलंबीक कूंचकीयोचलिमेरतै
कोफिरगएनजीक ७७ मालूपतकेसटपटी कीअजल
टपटीजांनि मनसुगलनवटपटी लगीअमरकीआन
पुर हूरमकोनोआपने मनविचारयहसुध जोगिरा
षिवेयाअमे पोकटारा हुध ७८ कोउनकोउयोइते
इनकेमनउकजार महाराजवलबुधके कुअफलाहको
पारि ८० अनेसिंघअजमालको कवरआपनोबांहु
मिलियोउमरायनितहां फिरकरमनरनाह ५८१
कवित्त जानेंजोरवाईओकोअजमालमेरतातेउठग
येवेगपडपवतहांमेलके हेतवालीमोरवेकोमुषमुग

संकलन by मोहर सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

संकलन by मोहर सिंह मीना

मभे नृपआगरेआय अमलआकरोकेगयो सूबाइ
तमबजाय ९३ चौपई महराजफिरिआवनमाभ आ
एमथुरामहितविलाभ नादोजनमअष्टमीभईवाई
माहसुतनिरभई ९४ कुंवरअजीतसिंघकोवडो
पातमाहकीसेवाअडो टीकाजाइदियोनृपघनो मा
हनभुआशोकेवनो ९५ अनेसिंघयहजाकोनाभ
सुंदरतामेभरवरकाभ नयोआहमंगलसुनरीति गो
डादेलानोजसुजात ९६ रूरमताहिदायजोदीयो दे
वेकोजेतो किनहियो दम्मोदम्मवडारीधाइ चितको
उपियामोहरेताइ ९७ मनगनलालजलितअंहरि
सुगताहलजिनमेबकुनीर नूषनवभनवनेबकु मो
ल करनरकरीवाहनसुमगोज ९८ शिवकारथवरु
लेपटघाभ अजनहोलोसुनेजलाभ याविधकोन्हीवि
दावरात लगेनृपवनउपवनजात ९९ तेषांनामा
निभधुवनताल कुमुदवनकहोबकुलाकांभ षादिर
कोवहोइंदावेलि नइनंजीरलोहमलावनवारहवीर
६०० उपवनमथुरागोकुलअकबरमानो राधाकृं
उगोवरधनजानो परमदरानंदगाउभकेतो मांटभ
नभरहेफिरखेतो ६०१ रूखा वनउपवनतिनजात क
रिगहीन्हारकीवाट मेडूकेनृपस्नानगो सुरभरमोरो
घाट २ आयोगंगभनोइके तापीछेनरनाह जजको
योफिरआपनो उंडरीनकेआह ३ सुथरामेकोन्हो
उरा अभइंदावन पाभ देववआए फिरितहां नजि
गेकुतेउदाभ ६०४ अविधपुरीकोतामभे सेवकपव
यनृप पुरावआयोजाईतिन तकितवोरअनूप ५
नफफागुनहोरीकेभभे इंदावनभेआइ इजनाइक
तोफागुनृप षे[illegible]साथिभआइ ६ क्रीडिला।
षेलीफागुआयइंदावनभेआवजेघपटधामषरे

Scanned with OKEN Scanner

संकलन by शेखर सिंह मीना

काजि देपारहै अंबरअबीरधुंधरितनोगुलालकी
वअतरफुलेलमृगमदघनसारहै ठौरठौरकठत
वठनपिवकांनतोनिहारीकमनीमवेकुंकुमजल
धारहै जंत्रमंत्रिकामेकारीगरनिकरानिजोरदेके
मनोपंवनमेंकंचनकेतारहै ७ दोहा मोरोगोम
हिपालफिरि गंगस्नानकेकाज तकिनरकुलमे
वनमेंजहां हनेघनेमृगराज ८ कवित्त क्षितिपति
नारायनदेऊंनमैनेउ नांहिऔरहीतेमुमतिपुरान
वीकवाहरै रामुकविकहै यातेजोसिंघमवाईमहा
राजरावरेकोमनुपस्योजानिजाहरै जगतकजीवपा
लीवोधरमआपनोईवहीकोवैरीकालुसोनहुहरै फे
रिरकरिकैमिकारकोवहानोमेरेजानयातेहेर हरि
मारयतनाहरै ९ दोहा आरतहांतेमधपुरी राहिफि
रिकोऊजाम तबआमाग दिल्लीवत्यो महाराजब
लधाम १० परवरमेंकोन्हेऊते बकुमुकामातिहि वे
र नृपमिकारषेजीजहां तकितकिदीरघमेर ११ लि
षिपवईतागादिफिरि माहिमहमदजानि महारा
जइतवेगिअब क्योपकुंवतनहिआनि ६१२ क
वित्त अरजलिषाईपरवरतेमवाईजयसंघजाके
दलनारफनफनीके नमेहुजरतकांतेजोमजोजि
याकोमुनियतलोगमकुंवतएकांकमाधनोहुमे
तापरदिल्लिमहमकतकीन्हेअमांतमाफहे
तरावरेमकलजोताहुमे नृपतिजलामसस्वोम
वकलामताकीजिमोमलामस्यामुलाजमातिके
ममे १३ दोहा याविधितोमहिपालतव पठ्यौदि
ल्लीजाइ मिल्योषांनदोरातिहे वमहुउलकेआ
इ १४ तापीछेनरनाहफिर करीमाहमुनेव नर्म
लामजोजियकोमुंडुनकीटेव १५ वीतमहीनोगो
नई षबरमहीनोषंड दिल्लीपतिजियजानयो कूर

संकलन by मोहर सिंह मीना

मकीयोघमंद १७ साहिमहमदआपुही उमरावन
कोमाथे दईजेजयाबांहित्यह उपजैनईउपाधे १८
कविन्द्र रूपमकेकोपकोहेधीरजधरैकोआजआंवे
रिकोधनीरांमउथपनथापनोजेसिंघभवाईकेमुखा
हिजेतेमाश्कीनेनाकेतेजयोषमरतिकेसोतापनो
तापेमहमदसाहआखिलअमीरनसोनाहकिनजो
नआनिपनजरिकापनो तेअलाहदहजोजियान
बांहिवेकोजेयानवाहेअबजोजियानवाहेआपनो
१९ उकतिउवाइथाकेधूरतपनेकोदिल्लीवरषवसा
यासीकेवलीनखुगनकी कीन्हेहेदिलीसदमतअरना
पेजाघरीतेबांहीजोजियानईसोकुगलनकी जैसिंघभ
वाईबाजराजकीकपटितिनभवनविचारमतिगहिखुगु
लनकी ओरकोनआजउतेकोरिबांधिकोजनकीजोर
करमेद्योमरोरमुगुलनकी २० दोहा रूपवकीयोजैसिं
घपुर रूपभवाईआंनि जामेकेअंबरनषत परेविकाने
जानि २१ रथवनाइनिजबुधबल उरदजुपनरनाह न
जरकीयोदिल्लीभकी लियोमहमदसाह २२ पकुचत
नोआमेरिमें कुकभनूपजैसिंघ मलवीलगोरावने वाम
रउनमचाहि २३ जेगढताकोनामयह नाभोफेरनसभ
करतीअधिकाजिते वरनीजाननभभ २४ आएगंगान
हयतव कोऊदिवभविताइ उरोनहरिकेआनिव कोफि
रकिभोउपाइ २५ मकतसिंघभहितेअवल भुजभुईंडभ
मभेत श्रीजयसिंघपुरानहरि आंनीपांनीहेत २७ कवि
न मुरिमुरिअधिकारईआनिमनिआपनेमेजमुनांतेनकुक
वनजरी अंचीआंघरीमेरीगतिकीनकाईगाईतिकुंलोकन
मेताकीसुनकहिकोनकेनकेनभोनमेपरी तेरोतोमहत्त
अवनीमेमोहिसजिहेनकहनभयोबलतेअकाभफिरि
जोटारी नहरिकेमिभकेकेमेरेजानियातेदिल्लीजेसिंघ
भवाईभोत्रिपथगामिनीकरी २२८ दोहा नहिप्रयागनहि

आगरे नहि दिल्लीके जोर कुरमको पकियो पुरा
कोकहियेअमओर ६२९ कविस एकपहिलेही
कुतौमाचिनपुरांनिदिल्लीरहिगोपतानुगहिग
हि नाकीओटहै हमरोअलेमआहरमोजमुनां
केवीचपकुवैअदोजोमआलिजअदोटहै आ
हिजहांतीजोआधिकुदिनअवाधोतहुतनवआइ
कअहकुवांधिजोटहै जेअंघअवाईमहारानतेअस्व
कियोजेसिंघपुरामवोथोकमनीकोटहै ६३० ओर
वाचोराओकेआलनामीवदिवेआषकी कुवकीयो
महिपाल दिल्लीनेआमेरको ६३१ बारहचुलांमुकाम
अएमहीनाएकके आएताहीजाम उरहमकतकेके
जहां ६३२ करवाईतिहांआति निगमरीतजेमीकही
होमआदिवकुआंति कानेजपतपआहुजन ६३३ दो
हा कांनेउराआय नेषोजाकोसुमराइ गपारहवाअर
वातगे सुषसुंताहीजोइ ६३४ पाअकरीदावादनृप कि
योपरअविनआंनि पाराअरतपकानही जितेकुंअव
कुपांन ६३५ कूंवपरअवनिकेरही दाघोजाअसेन
परवरआईअिकारफिरि षेलवाघकोवैन ६३६ को
तेवांवमिलात नोहिछिलकेमहिपाल दिकोअेषआ
ईन कंदरअहतगोपाल ६३७ राहगहीअषरोटकी श्री
वृंदावनआइ नांनहांनकीनेघते देवदरअवितलाई
६३८ आंवनवदिनौनाहृपति निरषकवंअकांत
कनकउलामधुपुरीमे आईकरीविश्रांति ६३९
कूंवतहोतेनोरउवि पतिकेकियोपहार नयोमिला
नोआइके दछिनओरअहार ६४० वदनअंघजिहां
ठोरमे आईमिलैगोहोनाट लायोनृपकोदीघफिर क
रिमहिमानाघाट ६४१ तापीछेवअकेनगर कोउदि
नरेराह वसुवाआइकुमारनिज हरषलिभोनरनाह
६४२ कूंजकीयोउअनोस्वलि टिकेनांनगढपाअरा
जालोकआंकेरको पढयोअमएतात ६४३ ओरम

संकलन by मोहर सिंह मीना

Scanned with OKEN Scanner

संकलन by मोहर सिंह मीना

नाहरउरनयो आवतनूपक्विार क्रंतागकगटीज
हो उनपैहलेहोरारि ६४४ नगरमनोहरपुरनिकट
पक्रयोआजेमाह वनीअनातवराइकी कुंवरमिसी
होताहि ६४५ जोजोकोनोनृपक्रकम जानवहेउनमे
नि नतोक्रारनिजहाथते जेहेयहजियनोनि ६४६
पत्वरंगक्रमाजाइके गयोतहातिहवार क्रंतोमनोह
रपुरयहे नाषतभवनिरक्षार ६४७ करीआंवनीआ
यके क्रातेनूपआबेर नईविजेदमनीउते दोपूमा
लिकाफेर ६४८ नोदरकेआयोनृपत नाथसंघकेत
सावतसिंघजुकारकी गनिमनमातमहेत ६४९ के
वकियोआमरते तापीछेनरनाह घोमाकेवसुवा
रहे बक्रवासरकस्विाह ६५०॥

Scanned with OKEN Scanner

संकलन by मोहर सिंह मीना

॥श्रीगणेशायनमः॥अथनोमेरवांकी१०ताजलि
प्यते॥नमीहतेनोमेरवांआदिलकीयेमीलिका
यतकरतेहुजोनोमेरवांनआदिलके१०ताज
थेमोनोमुरषमेजवाहरबकुमुल्यजडेकुवेथे
नित१ताजउनमेंमेमिरपररषताअरषलक
तकुंएकवीकरदरबारकरता अरमदषडाहो
जाता जोऊपरउमताजकोलिषाहुताउमबु
कुंउनआदमीयोंकुंमुनाताऊपरकंवकरने
अरअमलकरनेउनकेकोमिझादेताअरन।
फाउमकाजाहरकरतावोयहुहुताथप्रथममे
एलिषाथा वोमनुष्यजोआपकुंपेवानउनको
ऊरमतरषीयोअरगरीबकुंपेमावोहुतदेनाका
मकामकेपेहवाननेवालेअरअकलबंदकुंफुर
मावना बताएमेनागना अरआपनेताईऊपर
बताएकेअरजकरनाअरनमीहतलुकमान
कीअरकामअकलबंदोकामुनना नकहणीवा
तकुंनकहणा नापानीकुंनहुंहणा अंदरकाम
कीमतावीनकरणी कामोकेतांईविषतमेनयुद
रावना कामोकेतांईजोवाहुनावीचलेनेआका
वतउमकीकेदेषनाआदमीयेकुंआजारदेनेमे
वफाईनजानना १ताथजहुमरेपरयालिषा अंद
रकीमोकेमलाहुकरो आजमायेहुवेकुंनआज
मावो आजमायेहुवेआदमीकुंविनाआजमुदे

कीमतदो विनाआज्ञामायेलुकेकुंमतफरमा
वो मालफिदायअपनेकरो अपनेताईबीव
जवानीकेनेकनामकरो अपनेताईबीचमवो
टीकेमअक्सरकरो दोलतवंदीवीचछुआकेअ
रांकिनायतकेजांनो वेआजारीअरवरदवारी
कापेआकरो उनमनुष्योकोजांनोजोअंतोषहो
य २ ताजतोअरीपेयालिषाथा ऊपरदृष्टिकुवे
अरगिरेकुवेकेगमनषावो रोटीअपनीकेताई
ऊपरथोनाकिआकेमतषावो बीचघरओरोंके
कुकममतकरो साथलडकेअरनादानोंकेम
तषावो बीचघरओरोंकेकुकममतकरो साथल
डकेअरनादानोंकेसलाहमतकरो साथकहु
नेंओरतोकेकुबकर्ममतकरो बुलीजुगाईवेगा
नीकेताईबीचघरअपनेकेआनेमतदो मकरअ
रईषाईजुगाईयोकोआनिफरमतरहो अपनेता
ईकेदीजुगाईमतकरो वातअपनीकेहेनवातओ २
ओरांकी साथसाहिबदोलतकेकीनामतरषो
३ चोथेताजपेयेलिषाथा ऊपरमरनेलडकीयो
केगममतषावो वोरटेअदातारीमतकरो साथ
वेवकुबअरवेअरमकेमतवेगो अवगरअदब
अरवगरकुंनरकेषिजमतमुलतांनकोमतकरो
अरआदमीनिजअअरबोटेअकुषमतउठावो वा
बजमीनओरोंकेदरषतमलववजावो बीचषीरज

संकलन by मोहर सिंह मीना

मीनके वीचमतवोहो हर गिरोहु आदमीयोंके
सेमतमिलो पड़ोसीआदमीषोहसेनाजो न
डाईआदमीयोंकीऊपरआपनेंमतषेवो ४ऊ
परताजपांववेकेयेलिषाथा जिनहुनईदीलत
आपतऊईहुउनसेकरजमतवाहो वेअसलो
सेलडुकीमतवाहो वीचउसमजलसकेवात
अपनीकटजायवहुमतवेवो वेदयानतअर
चुगलसेआषेवफाकीमतरषो लालचीआ
दमीसेमिचाईमतकरो जोकोईफुगनेअरम
रनेसेनमरेउसपेहरहो मादेकेतांईऊपरन
रकेकायममतरषो वीसषरायतऔरोंकेलाल
चमतकरो विनादेषेआदमीयांसेअगतमतरषो
वेगुनाहोंकेतांईअपनेंसेनिमरसरषो ५ ताजवेद
परयेलिष्याथा थेथेअरकूवेकेतांईकुरमतसे
मतरषो वीचतनकुरसीअरमालकेनिमरम
तरहो नमीहतचूकेअरजेनकेदेषेकुवैकीया
दलावो सुलतांनसेदुसतषोतेरफो जोसक्त
जीहोइतोसुलतांनकेतांईधारमतरषो थोडी
कनिवाजसेसुलतानकोऊंबलेतनांतोसाथ
वादसाहकेनजदीकीमेहरीदेषलावो असा
दमीकानिदारसुकरतेरहो अरउसमनऊंच
माजानो ६ अरसातमीनाजपरयेलिषाथा

संकलन by मोहर सिंह मीना

संकलन by मोहर सिंह मीना

समझने वाले और विद्वान के तो अदब और अक्ल
खुशी और मतलब को जानकर वो सरकी सेवा
सेवा दस्तूर मुताबिक रहे और ऊपर हुक्म के
झूठ कसम और अपशब्द मत करो अय्याश आदमी
यों का मत तुंडो काम जाने का वाला गरीबों के
मत करो काम आज का काल पर मत डारो और
नकी ये झूठ बेझूठ नकी या मतलब को औषधत न उ
स्मी मिठाई दुनिया में और तजवान सुमहूरत म
तुंडो पीछे आदमियों को सिवाय ने को के मत
करो ० आवश्यक ताज पर ये लिखा था साथ आद
मियों के सब काम में नेकी करो अपने ताईं बु
रा रखो तो जिंदगानी ऊपर तुम्हारे बुजुर्ग वद
लाई को क्यों मत करो जबान झूठ कहे मत रखो नबा
नवाब षतन ले आराम के वे वषत जानो जि
स जगह मुदारात्व हो ये करो उदीमत करो स
ब किसी से साथ मित्राई और खुसी के रहो जि
ज्ञान तवाच कामों के पे मान करो लड़ाई म्पाने
करो जो हिसाब दोस्ती का निगाह रखो षस्व के ताई
मुवाफक आमदनी के करो ८ ऊपर ताज ए
के ये लिखा था पहले दरषतन ये ऊं निगाह
खो और दरषत पुराने झूंझ षाड़ नों को पांच
साफ कर मजी के दराज करो हाथ और

जवानअरआंषोकुंनिगाहरषो कामोबुरोमेंह
रषो किम्हाजगैवदनाममतहु जोऊबऊ
परअपनेंनचाहेऊपरओरांकेमतपअंद
करो बुराईकरनेमुवफाईमतजानो जोमाके
पेटमेंहोवेअरुरपदाहुवाउअपेगुआमतकु
रो चेवरुफअरदीवानेमन्हकेतांईनिआह
तमतदो औरतकुजटायेपरेजकरो ए ऊ
परताज१०मीकेयेलिष्याथा अपणेअंबोटे
पररहमकरो जईफांकेतांईबगआवो वीव
जवानीकेबुढापेमेंअमतआंदेआकरो चालना
षैरायतओरांकीमेंमतचालो आथबुरेआद
मीयोकेदोस्तीमतकरो विनाबुलायेमह
मानमतहु बुरानेआदमीयोकाजरमरषो
कामबुढापेकावीचजवानीकेकरो हुकमार
बापकोनिगारषोदफाजानो उन्हजिहानकुं।
आथइनजिहानकेमतवेचो १० इतिश्रीहरणं

ROYAL
ASIATIC
SOCIETY

संकलन by मोहर सिंह मीना

Scanned with OKEN Scanner